*
ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.com

05 दिसंबर, 2022
मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, द्वादशी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा
आजाद सिपाही

रांची
सोमवार, वर्ष 08, अंक 47

महाकाल मंदिर में दो महिला सुरक्षाकर्मियों ने बनाया वीडियो, वायरल होने के बाद दोनों बर्खास्त

SURJABASHA

बरियातू रोड में करीब 10 एकड़ जमीन का असली मालिक कौन!

■ हरिनाथ चतुर्वेदी का है कब्जा, कागज में है घालमेल ■ कुणाल राय चौधरी ने शैलेंद्र अग्रवाल को बेची थी ■ बाद में विक्रेता की मौत और खरीदार की हत्या हो गयी

- वर्ल्ड बुद्धा फाउंडेशन का है मुख्यालय
- सेंट्रल एकेडेमी स्कूल भी इसी परिसर में है
- बाजार में इस जमीन की कीमत दो सौ करोड़ है

अजय शर्मा

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी रांची के बीचों-बीच बरियातू मुख्य मार्ग पर स्थित 9.74 एकड़ जमीन के मालिकाना हक को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। करीब दो सौ करोड़ रुपये के बाजार मूल्य की इस जमीन पर फिलहाल वर्ल्ड बुद्धा फाउंडेशन का मुख्यालय है और सेंट्रल एकेडेमी नामक स्कूल चलता है। इस जमीन का असली मालिक कौन है, यह न तो लोग जानते हैं और न ही भू-राजस्व विभाग के कर्मी। विवाद की जानकारी जिला प्रशासन को भी है, लेकिन सब चुपचाप हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। लिहाजा प्रशासन पर भी सवाल खड़ा हो रहा है।

क्या है पूरा मामला : जानकारी के मुताबिक कोलकाता के रहनेवाले कुणाल राय चौधरी ने 1995 के आसपास शैलेंद्र कुमार अग्रवाल को यह जमीन बेच दी थी। जमीन को एक ट्रस्ट के लिए खरीदा गया था, जिसके अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार अग्रवाल थे। उस दस्तावेज में खेवट संख्या जीरो और अलग-अलग खाता नंबर भी है। यह जमीन बड़गाईं अंचल के अधीन है। कुणाल राय चौधरी ने 6 फरवरी, 1996 को प्रशासन को लिखित आवेदन दिया कि जमीन को खाली कराया जाये। इसके कुछ ही दिन बाद उनका निधन हो गया।

इधर जमीन के खरीदार शैलेंद्र कुमार अग्रवाल को जमीन पर कब्जा मिल गया। लेकिन कुछ ही दिन बाद उनकी और उनकी पत्नी की रहस्यमय तरीके से हत्या हो गयी। आज तक पता नहीं चल सका है कि अग्रवाल दंपति की हत्या किसने और क्यों की। इसके बाद उस ट्रस्ट का अध्यक्ष कौन बना या अभी कौन है, इसका किसी को पता नहीं है। अग्रवाल दंपति की हत्या के बाद हरिनाथ चतुर्वेदी ने ट्रस्ट का कामकाज संभाल लिया। इस बेशकीमती जमीन पर भी उन्होंने मालिकाना हक जताना शुरू कर दिया।

वर्ल्ड बुद्धा फाउंडेशन और चिल्ड्रेन एजुकेशन ट्रस्ट के नाम से रसीद

इस जमीन के मालिकाना हक को लेकर विवाद उस समय गहराया, जब वर्ष 2017 में खाता संख्या जीरो, खेसरा संख्या 482 दिखाते हुए वर्ल्ड बुद्धा फाउंडेशन और चिल्ड्रेन एजुकेशन ट्रस्ट के नाम से मालगुजारी की रसीद काट दी गयी। एक रसीद में 4 एकड़ 90 डिसमिल जमीन का जिक्र है, जबकि खाता संख्या जीरो, खेसरा संख्या 495 में 4 एकड़ 50 डिसमिल जमीन की अलग रसीद है। जमीन पर फिलहाल हरिनाथ चतुर्वेदी का कब्जा है, जबकि अग्रवाल दंपति के प्राकृतिक उत्तराधिकारी यह जानने के लिए भटक रहे हैं कि आखिर उस ट्रस्ट का अध्यक्ष कौन है, जिसके अध्यक्ष कभी उनके पिता रहे थे और जिस ट्रस्ट के पास इतनी बेशकीमती जमीन है।

झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ की वार्षिक आमसभा

राज्य के विकास के लिए जरूरी है मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था : हेमंत

- राज्य प्रशासनिक सेवा संघ की मांगों पर जल्द निर्णय का आश्वासन
- सरकार के सहयोगी के रूप में अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सरकारी व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। वे सरकार के महत्वपूर्ण सहयोगी हैं। राज्य को दिशा दिखाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में उनकी कार्यशैली से राज्य के सर्वांगीण विकास और उसे मजबूती देने का हौसला मिलता है। मुख्यमंत्री रविवार को स्थानीय आर्यभट्ट सभागार में झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ की वार्षिक आमसभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने संघ की पत्रिका 'दस्तक' का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की मजबूती के लिए प्रशासनिक व्यवस्था का मजबूत होना अत्यंत जरूरी है। अगर किन्हीं वजहों से प्रशासनिक व्यवस्था कमजोर हो जाये, तो सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रख कर हम अन्य राज्यों की प्रशासनिक व्यवस्थाओं को भी समझने की कोशिश करते हैं, ताकि यहां की प्रशासनिक व्यवस्था को और भी मजबूती दे सकें।

राज्य की समस्याओं से भली-भांति वाकिफ हैं अधिकारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी ग्रास रूट पर कार्य करते हैं। उन्हें व्यवस्था के हर स्तर पर कार्य करने का अनुभव होता है। ऐसे में वे राज्य की तमाम समस्याओं और हालात से भली-भांति वाकिफ होते हैं । ऐसे में अधिकारियों पर सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, ताकि उसका लाभ आम जनता को मिल सके।

प्रशासनिक व्यवस्था में जरूरत के हिसाब से सुधार जरूरी : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था में जरूरत के हिसाब से सुधार जरूरी है, ताकि उसका अपेक्षित लाभ हमें मिले। इसे देखते हुए ही सरकार ने प्रशासनिक सुधार के लिए आयोग का गठन किया था। आयोग की रिपोर्ट भी मिल चुकी है। अब उस रिपोर्ट का अध्ययन कर प्रशासनिक व्यवस्था में जो भी सुधार की जरूरत होगी, उस दिशा में सरकार कदम बढ़ायेगी।

अधिकारी आम जनता से पूरी आत्मीयता से जुड़ें : मुख्यमंत्री ने कहा कि आप इस राज्य के सिर्फ अधिकारी ही नहीं, एक शिक्षक भी हैं। आप जैसे अधिकारियों पर ही व्यवस्था का दारोमदार है। ऐसे में आप आम जनता के साथ पूरी आत्मीयता के साथ जुड़ें और उनकी समस्याओं को सुनें। इससे अधिकारी और जनता के बीच संबंध बेहतर होंगे और सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी सोच के साथ हमारी सरकार ने अधिकारियों को अपने संबोधन की शुरुआत 'जोहार' से करने को कहा है।

कई राज्यों में राज्य प्रशासनिक सेवा कैडर काफी मजबूत : मुख्यमंत्री ने कहा कि कई राज्यों के भ्रमण के दौरान वहां की प्रशासनिक व्यवस्था को जानने-समझने का मौका मिलता है। इसी क्रम में मैंने देखा है कि कुछ राज्यों में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का कैडर इतना अधिक मजबूत है कि अगर वहां आइएएस और आइपीएस अधिकारी न भी हों, तो राज्य को चलाने में कोई परेशानी नहीं आयेगी।

व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं का समाधान मिल-जुल कर करना होगा : मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले में एक ऐसी व्यवस्था बनाने के लिए वह प्रयासरत हैं, जहां अधिकारी बेखौफ और निर्भीकता के साथ काम कर सकें। इससे अधिकारियों का मनोबल भी बढ़ेगा और स्थानांतरण-पदस्थापन को लेकर कोई दिक्कत नहीं होगी। अधिकारियों की जहां पोस्टिंग होगी, वहां वे पूरे उत्साह के साथ कार्य कर सकेंगे।

हमारी सरकार में आप अपनी बात बेहिचक रख सकते हैं : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार में आप अपनी मांगों, समस्याओं और बातों को बेहिचक रख सकते हैं। हम आपकी बातों को पूरी संवेदना के साथ सुनेंगे और सहानुभूतिपूर्वक विचार कर उचित निर्णय लेंगे, ताकि आप राज्य की बेहतरी में निर्भीक होकर कार्य कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वार्षिक आमसभा में आपने जो मांगे रखी हैं, उन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर जल्द निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि महिला पदाधिकारियों के लिए चाइल्ड केयर लीव जैसी कुछ मांगें ऐसी हैं, जिन्हें प्रशासनिक स्तर पर ही लागू होना चाहिए। राज्य प्रशासनिक सेवा को प्रीमियर सेवा घोषित करने से जुड़ी मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जल्द ही ठोस निर्णय लेगी।

व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं राज्य प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रखंड से लेकर झारखंड मंत्रालय तक राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की बड़ी टीम कार्य करती है। ऐसे में वे व्यवस्था की सबसे मजबूत और महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि यह बात सही है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों की व्यवस्था तथा कार्यशैली थोड़ी अलग है, लेकिन अगर राप्रसे के अधिकारी इन वरीय अधिकारियों के सहयोगी के रूप में खड़े नहीं हों, तो वे भी एक कदम आगे नहीं चल पायेंगे।

20 वर्षों में राज्य को जहां होना चाहिए, वहां नहीं है

मुख्यमंत्री ने कहा कि वजह चाहे जो भी हो, लेकिन पिछले 20 वर्षों में राज्य को जहां होना चाहिए, वहां नहीं है। आज भी झारखंड देश के पिछड़े राज्यों में गिना जाता है, जबकि यहां संसाधनों की कोई कमी नहीं है। यहां के खनिज संसाधनों का यहां के लोगों को फायदा नहीं मिल रहा है। रोजगार और मजदूरी के लिए लोगों का पलायन होता है। यह किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। ऐसे में हमें काफी चिंता होती है कि कैसे राज्य को बेहतर और विकसित बना सकें। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी ईमानदारी, लगन और समर्पित भावना से काम करें, तो राज्य को अग्रणी राज्य बनाने में हम निश्चित तौर पर कामयाब होंगे।

26 जनवरी से 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान शुरू करेगी कांग्रेस

- रायपुर में फरवरी में होगा पार्टी का अगला अधिवेशन

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। कांग्रेस का 85वां राष्ट्रीय अधिवेशन इस बार छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में होगा। इसके लिए फरवरी माह का समय तय किया गया है। हालांकि अभी तारीख तय नहीं है। इसके साथ ही 'भारत जोड़ो यात्रा' की सफलता को देखते हुए अब कांग्रेस एक नया अभियान 'हाथ से हाथ जोड़ो' शुरू करेगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने मीडिया को बताया कि कांग्रेस संचालन समिति की बैठक में दो बातों पर चर्चा हुई। पहला पार्टी का पूर्ण अधिवेशन होना है, जिसे फरवरी के दूसरे पखवाड़े में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह तीन दिवसीय सत्र रायपुर में आयोजित किया जायेगा। बैठक में 'भारत जोड़ो यात्रा' के लिए भविष्य की कार्रवाई की समीक्षा और चर्चा की गयी। इसके तहत 26 जनवरी से बड़े पैमाने पर 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' चलाने का फैसला किया गया है। यह दो महीने तक चलने वाला अभियान होगा।

'राहुल की तपस्या' पर बनेगी 2024 की चुनावी इमारत

स्टीयरिंग कमिटी ने तय किया है कि पार्टी 2024 के चुनावों में 'राहुल गांधी की तपस्या' के दम पर लोकसभा चुनाव की इमारत बुलंद करेगी। यही नहीं, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से उत्साहित पार्टी ने रायपुर में होने वाले अधिवेशन की जो रूपरेखा तैयार की है, उसमें भी 2024 में होने वाले लोकसभा के चुनाव को मजबूती से लड़े जाने को लेकर प्रमुखता से चर्चा किये जाने का खाका तैयार हुआ है। बैठक में अभी तय हुआ है कि राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा को छोड़कर इसी महीने शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में हिस्सा भी नहीं लेंगे।

मां से मिलने पहुंचे पीएम मोदी, आज वोट डालेंगे

गुजरात (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी मां हीराबेन से मिलने रविवार को गांधीनगर में उनके आवास पहुंचे। प्रधानमंत्री पांच दिसंबर को गुजरात चुनाव के दूसरे चरण में वोट भी डालेंगे। प्रधानमंत्री अहमदाबाद के साबरमती विधानसभा क्षेत्र के वोटर हैं। इससे पहले पीएम मोदी इसी साल 27 अगस्त को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर अचानक मां हीराबेन से मिलने पहुंचे थे। साबरमती नदी पर अटल पुल के उद्घाटन और खादी उत्सव कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पीएम मोदी गांधीनगर के रायसन इलाके में स्थित अपनी मां के आवास पर पहुंचे थे।

इडी ने रिम्स से पंकज मिश्रा के इलाज के कागजात मांगे

- छुट्टी के बाद भी रिम्स में कैसे हैं पंकज, इसकी हो रही है पड़ताल
- कौन कर रहा है मदद, उसके खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा भी होगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इडी की टीम रविवार को रिम्स पहुंची। इडी के अधिकारी मनी लांड्रिंग और अवैध खनन के आरोपी पंकज मिश्रा की जांच और इलाज से संबंधित दस्तावेज देखना चाह रहे थे। रविवार होने के कारण उन्हें यह नहीं मिल सका। सोमवार को रिम्स प्रशासन सारे दस्तावेज इडी को उपलब्ध करा देगा। इडी यह जांच कर रही है कि पंकज मिश्रा को कौन-कौन लोग मदद पहुंचा रहे हैं। छुट्टी के बाद भी वह आखिर जेल में शिफ्ट कैसे नहीं हुए। न्यायिक हिरासत में रहने के बाद भी वह कैसे मोबाइल पर बात करते रहे और इसके लिए कौन-कौन लोग दोषी हैं। इन सबकी जांच करने के बाद इडी कोर्ट से अनुरोध करेगी कि इनके खिलाफ कार्रवाई की इजाजत दी जाये।

आज होगी जेल अधीक्षक और आइओ से पूछताछ : सोमवार को इन सारे मामलों पर जेल अधीक्षक हामिद अख्तर से इडी के अधिकारी पूछताछ करेंगे। इडी का सम्मन उन्हें मिल चुका है। पंकज मिश्रा अब तक जेल क्यों शिफ्ट नहीं हुए हैं, यह भी उनसे पूछा जायेगा। साथ ही बरहरवा थाना के दारोगा सरफुद्दीन को भी सोमवार को बुलाया गया है।

गुर्दे की पथरी का आधुनिक इलाज

गुर्दे की पथरी छोटे, कठोर क्रिस्टल होते हैं जो गुर्दे में विकसित हो जाते है, ये कैल्शियम जैसे खनिजों से बने होते हैं जिन्हें गुर्दे द्वारा फ़िल्टर किया जाता है. ये पथरी आमतौर पर जब भी चलती है या मूत्र पथ में बाधा डालती है तो बहुत दर्द होता है. गुर्दे की पथरी काफी समान रूप से प्रचलित है और पुरुषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित करती है. गुर्दे की पथरी को चार प्रमुख प्रकारों में विभाजित किया जा सकता है- कैल्शियम स्टोन, यूरिक एसिड स्टोन, स्ट्रुवाइट स्टोन और सिस्टीन स्टोन

गुर्दे में पथरी होने के मुख्य लक्षण -

- पीठ और बाजू में तेज ऐंठन वाला दर्द.
- पेशाब करने की तीव्र आवश्यकता महसूस होना
- बार-बार पेशाब आना या पेशाब करते समय जलन होना.
- रक्त के कारण गहरा या लाल मूत्र.
- मतली और उल्टी.
- पुरुषों में लिंग के सिरे पर दर्द का महसूस होना.

गुर्दे की पथरी नुकसान पहुंचा सकती हैं यदि वे बार-बार या गंभीर संक्रमण का कारण बनते हैं या फिर लम्बे समय तक किडनी में रुकावट रहने पर ये किडनी की नुकसान पहुंचा सकते है. कुछ पथरी, अगर गुर्दे में रह जाती है तो गुर्दे काम करना बंद कर सकते है. गुर्दे की पथरी के लिए विभिन्न उपचार विकल्प है. कुछ पथरी का इलाज दवा से किया जा सकता है तो कुछ में सर्जिकल हस्तक्षेप की आवश्यकता हो सकती है. यदि मूत्रवाहिनी की पथरी को समय से नहीं निकला जाय तो ये दर्द या संक्रमण पैदा कर सकती है ऐसी परिस्थिति में इसे हटाने के लिए सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है.

डॉ. राजकुमार शर्मा
यूरोलॉजिस्ट
स्टोन एंड यूरोलॉजी क्लीनिक

"यूरोलॉजी और किडनी संबंधी समस्याओं से जूझ रहे स्वास्थ्य का अधिक ध्यान रखें. खराब खान-पान के चलते इन दिनों किडनी में पथरी की बीमारी आम है लेकिन इसका इलाज आसान है.

समय पर दवा लें और बिना डॉक्टर की सलाह से दवा ना खाएं. ज्यादा से ज्यादा पानी पीयें और हाइड्रेटेड रहें. रात के 8 घंटे सोने के लिए होते हैं. एक स्वस्थ्य व्यक्ति इस दौरान एक बार पेसाब करने जाता है. सोने जाने के पहले और जागने के बाद पेशाब जाना दिन में गिना जाता है. बचे हुए 16 घंटों में अगर आप तीन से पांच बार इस प्रक्रिया को दोहरा रहे हैं तो आप एकदम सामान्य है. शरीर के इन नाजुक हिस्सों में साफ-सफाई का ध्यान अति आवश्यक है.

मरीजों के लिए सर्जरी की विकल्प के रूप में

- एक्स्ट्राकोर्पोरियल शॉक वेब लिथोट्रिप्सी (ESWL) यह गुर्दे के स्टोन को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ने के लिए शॉक वेव्स का उपयोग करता है जो मूत्र पथ से होकर शरीर से बाहर निकल सकते हैं.
- परक्यूटीनियस फ्रोलिथोनोमी (PCNL) - यह एक न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया है जिसमें त्वचा में एक छोटे से चीरे के माध्यम से बड़े गुर्दे की पथरी को हटा दिया जाता है।
- रेट्रोग्रेड इंट्रारेनल सर्जेरी (RIRS)

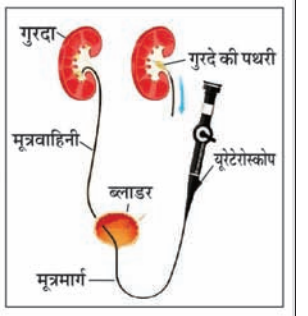

आरआईआरएस सर्जेरी में लचीली दूरबीन के द्वारा किडनी या मूत्र नली की पथरी को लेजर द्वारा गलाकर या पाउडर बना कर निकाल देते हैं. जिससे मरीजों को सर्जेरी के बाद दर्द नहीं होता है, मरीज जल्द ठीक हो जाते है, इस सर्जरी में मामूली या ना के बराबर रक्तस्राव होता है.

अस्पताल को आयुष्मान भारत (प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना) के साथ जोड़ा गया है

STONE & UROLOGY CLINIC
Bariatu Road, Opp. Chaisayar Home Road, Bariatu, Ranchi-834009, Mobile : 8521056938

M.Sc. Nursing 2 Years
FLORENCE
Group Of Institutions
A Unit Haji Abdur Razzaque Educational Society
Direct Admission Open - 2023-24
PARAMEDICAL
◆ DMLT/ECG/X-RAY
◆ DRESSERS
◆ OPHTHALMIC ASST.
◆ OT ASSISTANT
Courses Offered:
GNM ANM
B.SC. Nursing
Post Basic B.Sc. Nursing
M.Sc. Nursing

Mob. No. : 9031231082
6205145470, 9334645053
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)
fsnirba@gmail.com
www.florencinstirba.com

ट्रेड फ्रेण्ड्स
एनएच-33 (चकला ओरमांझी) BMW शोरूम के नजदीक, रांची
मो. : 9204951600
गोंदा टाउन, कांके रोड, रिलायंस मार्ट, रांची
मो. : 7360027795
मुर्गा छाप
कोरोनेशन छाप
लगन के रंग-बिरंगे पटाखों का विशाल संग्रह
40 वर्षों का विश्वास
खुशियां पटाखों से पटाखे हमसे...

समस्या है तो.... समाधान भी है

आचार्य प्रणव मिश्रा
प्रसिद्ध ज्योतिष रत्न, गोल्ड मेडलिस्ट, एम.ए. (ज्योति विज्ञान) टॉपर 2012 एवं (Ph.D) रांची विश्वविद्यालय, रांची
8210075897, 9031249105
विवाह, व्यापार, परिवार, करियर आदि ऊपरी बाधा संबंधी किसी भी समस्या से परेशान हैं तो शीघ्र समाधान के लिए संपर्क करें।
प्रधान कार्यालय - कृष्णा ज्वेलर्स सोनार गली, ऊपर बाजार, रांची
आवास- आचार्यकुलम बहाबीर नगर, अरगोड़ा, रांची

CHHOTANAGPUR PUBLIC SCHOOL
AFFILIATED TO CBSE NEW DELHI No.: 3430699
Opp. : P.H.E.D. Office, Booty Road, Ranchi-834012
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2023-24
NURSERY to IXth
Separate Hostel Facility For Boys & Girls
BUS FACILITY AVAILABLE.
CONTACT NO. :
98359 36571
94311 06503
83405 81301

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
■ VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
■ Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा

सोना (बिक्री)	50,800 रु./10 ग्राम
चांदी	67,000 रु./प्रति किलो

जानिये : शराब घोटाला, टोल प्लाजा विवाद, मनरेगा घोटाला, माइनिंग घोटाला, कैश कांड, घूसकांड और मनी लांड्रिंग का एक-दूसरे से क्या है कनेक्शन

एक वायरल फोन कॉल ने कैसे तैयार कर दी इडी जांच की जमीन

■ साहिबगंज में टोल प्लाजा टेंडर विवाद से शुरू हुई जांच जा पहुंची खनन घोटाले तक ■ एक-एक कर बेनकाब हो रहे अवैध खनन के किरदार

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड एक बार फिर सुर्खियों में है। कारण हैं काले खेल में शामिल किरदार। ये किरदार ऐसे हैं, जिनका चेहरा देख कर लगता है कि इनका चयन उस खेल में उनकी महारत को देख कर किया गया हो। काले खेल की इस पटकथा में क्या नहीं है। नेताओं-अधिकारियों का समन्वय, पेशेवर अपराधियों की टीम, सत्ता गलियारे के हाई प्रोफाइल दलाल और इनका पिछलग्गू स्थानीय पुलिस प्रशासन। ये गलत को सही दर्शाने और मुद्दों से भरमाने में माहिर हैं। एक सामान्य से प्रतीत होनेवाले मामले की जांच की परतें कुछ ऐसे खुल रही हैं, जैसे प्याज के छिलके। हर परत में कुछ नया है। एक तरफ जहां सर्दियों के इस मौसम में झारखंड का तापमान लगातार गिर रहा है, वहीं दूसरी तरफ सीबीआइ, इडी, आयकर और दूसरी जांच एजेंसियों की रफ्तार हर दिन तेज हो रही है। हर दिन कुछ नये किरदारों के नाम सामने आ रहे हैं। नये-नये खेल उजागर हो रहे हैं। नयी-नयी कहानियों का पदार्पण हो रहा है। इन कहानियों के सामने आने के बाद से अब यह महसूस होने लगा है कि 22 साल में झारखंड को भ्रष्टाचार के काले खेल ने कितना खोखला किया है। इन किरदारों की जीभ पाताल तक पहुंच चुकी है। लालच इस कदर हावी है, जो झारखंड को लगातार खोखला कर रही है। सबसे ज्यादा अजूबा यहां की नौकरशाही को लेकर सामने आ रहा है। उन लोगों ने क्या-क्या प्लॉट नहीं तैयार किये हैं। जिनसे उम्मीद की जा रही थी कि वे झारखंड को विकास के पंख लगायेंगे, वे खुद काले खेल में आकंठ डूब गये। झारखंड में भ्रष्टाचार के इस काले खेल में शामिल किरदारों और कड़ियों की गुत्थी के बारे में विस्तार से बता रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

झारखंड में चल रहे काले खेल की जांच में जुटी इडी ने कई किरदारों को बेनकाब किया है। इनमें कई ऐसे भी हैं, जिनका नकाब जरा मोटा है। जितना मोटा नकाब, उतना गहरा रहस्य। झारखंड का साहिबगंज जिला रहस्यों से भरा है। काले खेल के रहस्यों से। रात के सन्नाटे में धूल उड़ाते ट्रकों, गंगा नदी के ऊपर तैरते मालवाहक जहाजों और रेल मार्ग से बाहर जाते अवैध स्टोन चिप्स ने झारखंड को कितना खोखला किया है, इस रहस्य पर से पूरा परदा उठना अभी बाकी है। रहस्य तो यहां इंसानी जानों से भी जुड़ा है, जो असमय काल के शिकार हो गये और गंगा में समा गये। टोल प्लाजा टेंडर विवाद और एक मंत्री के वायरल फोन कॉल ने लालच की तलहटी में छुपे भ्रष्टाचार के काले खेल का राज खोल दिया। बरहेट के विधायक प्रतिनिधि, बड़बोले और ओवर कॉनफिडेंस की बीमारी से ग्रसित पंकज मिश्रा ने अपनी हरकतों से इडी को आश्वस्त कर दिया कि हो न हो, काले खेल की कमान इन्हीं के हाथों में है। इडी ने साहिबगंज से जुड़े अवैध माइनिंग और उनके कारोबार का पन्ना पलटना शुरू किया। पन्ना पलटते ही किरदार उभर कर सामने आने लगे। पंकज मिश्रा के साथ दाहू यादव, सुनील यादव, बच्चू यादव और वहां के डिस्ट्रिक्ट माइनिंग अफसर का पदार्पण हुआ। ये संदेह के घेरे में पाये गये। इडी रेस हुई। तह तक जाने की कोशिश करने लगी। उसे कुछ महीने भटकना पड़ा। इस दौरान पंकज मिश्रा ताव खा गये। उनकी हेकड़ी देखते ही बनती थी। बात-बात में उन्होंने सबको हड़काना शुरू किया। इडी को स्पष्ट चेतावनी दे दी कि गिरफ्तार करके दिखाओ। यहां तक कह दिया कि जिस दिन हमारे कार्यकर्ता सड़क पर उतर गये, तो भागने की जगह नहीं मिलेगी। ऐसे में आखिर तेज आवाज के सहारे अपने सच को कैसे छिपाया जा सकता था। चेतावनी के बाद इडी रेस हुई। दूसरी ओर इडी मनरेगा घोटाले की भी जांच कर रही थी। इडी के हाथ आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल तक पहुंच गये। छापा पड़ा। झारखंड चौंक गया। भ्रष्टाचारियों की लॉबी में हड़कंप मच गया। मोबाइल फोन की घंटियां बजने लगीं। कई अधिकारियों के हाथ-पांव फूलने लगे। पूजा सिंघल के सीए सुमन कुमार के यहां से 19 करोड़ 31 लाख कैश बरामद हुए। पूरा शहर दंग रह गया। नोटों के बंडलों की तसवीर वायरल होने लगी। इडी ने पैसों का सोर्स खंगालना शुरू किया। पता चला कि डीएमओ स्तर के अधिकारियों ने पूजा सिंघल की खूब सेवा की है। इन पैसों में उनके द्वारा पहुंचाये गये पैसे भी शामिल थे। कड़ी से कड़ी जुड़ने लगी। जांच मनरेगा घोटाले की और तार जुड़ गया साहिबगंज अवैध माइनिंग घोटाले से। मुंबई में पेटी, झारखंड में किलो का एक ही मतलब है, यानी लाख। यह दो नंबरी लोगों की भाषा है। पैसों की हेराफेरी और मनी लांड्रिग के खेल में इस शब्द का खूब प्रयोग हुआ।

एक-एक कर जुड़ने लगीं कड़ियां

पूजा सिंघल और मनी लांड्रिंग की बात हो और प्रेम प्रकाश का नाम न आये, यह कैसे मुमकिन है। प्रेम प्रकाश को झारखंड के सबसे बड़े पावर ब्रोकर के तौर जाना जाता है।

अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर ठेका-पट्टा मैनेज करना उसके लिए बायें हाथ का खेल हो गया था। यहां एक और नाम का जिक्र करना जरूरी है। वह नाम है कोलकाता के व्यवसायी अमित अग्रवाल का। इडी का दावा है कि अमित अग्रवाल की नजदीकियों के कारण ही आइएएस पूजा सिंघल को खनन विभाग का सचिव बनाया गया। समझा जा सकता है कि सिस्टम में इन किरदारों की जड़ें कहां तक जम गयी थीं। अब प्रेम प्रकाश का नाम आये और दर्जनों नौकरशाहों के दुलारे विशाल चौधरी का नाम न आये, यह भी कैसे मुमकिन है। सो, इडी ने उसे भी रडार पर ले लिया। नाम निशित केसरी का भी उजागर हुआ। निशित केसरी पूजा सिंघल के अलावा झारखंड के एक और वरिष्ठ आइएएस अधिकारी का काफी करीबी रहा है। उस पर आरोप है कि उसने अपनी कंस्ट्रक्शन कंपनी में बड़े पैमाने पर मनी लांड्रिंग का पैसा निवेश किया है। उधर साहिबगंज, पाकुड़ और दुमका पर इडी की विशेष नजर थी। इडी द्वारा यहां के डीएमओ की गतिविधियां संदेह के घेरे में पायी गयीं।

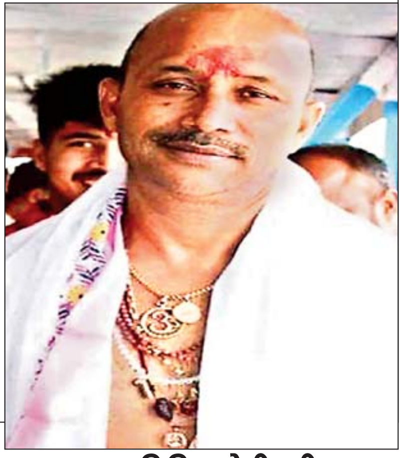

डीसी की जांच रिपोर्ट पर उठा सवाल

इडी की जांच ने पंकज मिश्रा, दाहू यादव और बच्चू यादव की गतिविधियों ने सिस्टम की पोल खोल दी। साहिबगंज डीसी का किरदार भी यहां उभर कर आने लगा। साहिबगंज में देर रात जब जलयान हादसा हुआ था, तब उस जलयान पर सवार कई ओवरलोडेड ट्रक गंगा में समा गये थे। उन ट्रकों में कई चालक और खलासी भी थे, जो डूब गये। यह भी एक रहस्य है कि कितनों की इस दौरान मौत हुई। गंगा की धारा गवाह है कि रात के अंधेरे में झारखंड को कैसे खोखला किया गया। मामला राज्यसभा तक उठा। तत्कालीन कमिश्नर चंद्रमोहन कश्यप ने साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव से इस घटना की रिपोर्ट मांगी। रिपोर्ट अधूरी पायी गयी। कमिश्नर ने सवाल खड़े किये। इडी का दावा है कि रिपोर्ट मिलने के बाद तत्कालीन कमिश्नर चंद्रमोहन कश्यप को एक फोन आता है। फोन पर पंकज मिश्रा होते हैं। वह कमिश्नर चंद्रमोहन कश्यप को कहते हैं कि रिपोर्ट पर डीसी से ज्यादा सवाल-जवाब नहीं किया जाये। वही रिपोर्ट आगे फॉरवर्ड करें, जो डीसी ने बनायी है। इस घटना से समझा जा सकता है कि पंकज मिश्रा का वहां के प्रशासन पर कितना दबदबा था। कमिश्नर चंद्रमोहन कश्यप और पंकज मिश्रा के फोन कॉल को इडी ने इंटरसेप्ट कर लिया। उन दोनों के बीच 2 जून 2022 को यह बातचीत हुई थी। इधर धीरे-धीरे इडी कड़ियों को जोड़ रही थी। छापा का सिलसिला भी जोर पकड़ रहा था। पंकज मिश्रा से लेकर प्रेम प्रकाश के यहां छापा पड़ा। करोड़ों की गड्डियों के साथ कई अवैध दस्तावेज और पैसों की हेराफेरी का मामला सामने आया। पंकज मिश्रा के खाते में करोड़ों के ट्रांजैक्शन की बात सामने आयी।

यह भी उजागर हुआ कि साहिबगंज में हिस्ट्रीशीटर दाहू यादव और बच्चू यादव पंकज मिश्रा के लिए काम करते थे। इन दोनों पर दर्जनों गंभीर केस पहले से दर्ज हैं। इडी ने पंकज मिश्रा, प्रेम प्रकाश और बच्चू यादव के खिलाफ जो चार्जशीट दायर की है, उसमे दाहू यादव उर्फ राजेश यादव का बार-बार जिक्र है। फिलहाल दाहू फरार है और बाकी के तीनों जेल में बंद।

दाहू यादव साहिबगंज का नामी बदमाश रहा है। पंकज मिश्रा ने दाहू यादव का खूब इस्तेमाल किया। इसके एवज में दाहू की भी कमाई खूब फली-फूली। कहा तो यहां तक जा रहा है कि पंकज मिश्रा ने हर ट्रक पर उसका कमीशन बांध रखा था। वह अवैध गाड़ियों से वसूली करता था। वहां के व्यापारियों को डराता-धमकाता भी था। साहिबगंज के पत्थर व्यापारी और लीजधारक पंकज मिश्रा के डीलर लाइसेंस के अधीन व्यापार करने को विवश थे। खरीद-बिक्री के दौरान होनेवाले मुनाफे को पंकज मिश्रा के खाते में जमा किया जाता था। पंकज मिश्रा के एक बैंक खाते में सिर्फ भगवान स्टोन ने 4.87 करोड़ रुपये जमा किये थे। जांच में पंकज मिश्रा ने पहले तो भगवान स्टोन के मालिक भगवान भगत को पहचानने से ही इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में पहचान लिया।

प्रतिदिन होती रही 2000 ट्रकों से अवैध ढुलाई

साहिबगंज में इडी की जांच के दौरान पाया गया कि यहां से प्रतिदिन औसतन 2000 ट्रकों से स्टोन चिप्स और बोल्डर बाहर भेजा जाता था। इनमें अवैध परिवहन भी शामिल थे। अब यहां पर टोल प्लाजा का जिक्र करना उचित होगा। जिस टोल प्लाजा टेंडर में गड़बड़ी के चलते इडी ने पंकज मिश्रा को रडार पर लिया था, वह टोल प्लाजा छह अन्य टोल प्लाजा से जुड़ा था। ये उन रास्तों पर बने थे, जहां से अवैध माइनिंग के ट्रकों को बाहर भेजा जाता था। ये सारे टोल प्लाजा पंकज मिश्रा के नियंत्रण में थे। वहीं इडी ने प्रेम प्रकाश के देश भर में फैले 17 ठिकानों पर भी छापा मारा था। यह छापा अवैध खनन और मनरेगा घोटाले में मनी लांड्रिंग के क्रम में मारा गया। प्रेम प्रकाश नेताओं और अधिकारियों का चहेता रहा है। इस छापे में प्रेम प्रकाश के यहां से दो एके 47 और 60 गोलियां भी बरामद की गयी थीं। कई अहम दस्तावेज भी इडी के हाथ लगे। बता दें कि प्रेम प्रकाश का इससे पहले की सरकार में भी सिक्का चलता रहा है। उसकी पहुंच उस समय भी शीर्ष अधिकारियों तक थी।

भाजपा सरकार में भी प्रेम प्रकाश का जलवा

भाजपा की सरकार में अंडा बेचते-बेचते प्रेम प्रकाश की इंट्री शराब व्यापार में भी हो गयी। अंडा बेचने का काम जब बंद हुआ, तो उसने शराब व्यापार में इंटी ले ली।

प्रेम प्रकाश को उस दौरान शराब की सरकारी दुकानों में मैनपावर उपलब्ध कराने का ठेका मिला। तब उसने सिर्फ अरगोड़ा की एक दुकान से 1 मार्च 2018 से 28 मार्च 2018 तक एक लाख 47 हजार 373 रुपये की महंगी शराब पी ली थी। प्रेम प्रकाश के लोग भी उसी दुकान से 31 मई 2018 से 20 जुलाई 2018 तक एक लाख 76 हजार 417 रुपये की शराब लेकर चले गये। बिक्री संबंधित लेखा में शराब लेने का तो जिक्र था, लेकिन उसके भुगतान का जिक्र नहीं था। अपराध को छिपाने के लिए स्टाक रजिस्टर में हेराफेरी की गयी थी। इसके बाद उत्पाद विभाग ने पूरे राज्य की शराब दुकानों का जायजा लिया, तो पता चला कि केवल अरगोड़ा की दुकान से ही यह हेराफेरी नहीं की गयी है, बल्कि पूरे राज्य में प्रेम प्रकाश ने अपनी पहुंच का फायदा उठा कर करीब सात करोड़ रुपये का वारा-न्यारा कर दिया था। फिलहाल इडी शराब घोटाले की भी जांच कर सकती है। प्रेम प्रकाश अपने फ्लैट्स में अकसर पार्टियां करता रहता था। इसमें कई वीआइपी भी शामिल होते थे। आरोप है कि पार्टियों में लड़कियां भी शामिल होती थीं। इन पार्टियों की बदौलत प्रेम प्रकाश ने पूरे झारखंड में अपनी पैठ बना ली। यूंही उसे सत्ता गलियारे का दलाल नहीं कहा जाता। यहां ध्यान देनेवाली बात यह है कि इडी ने झामुमो के पूर्व कोषाध्यक्ष रवि केजरीवाल से मई महीने में ही पूछताछ कर ली थी। कहा जा रहा है कि उस पूछताछ ने इडी को कई महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध करायीं। उसी पूछताछ में रवि केजरीवाल ने अमित अग्रवाल और पंकज मिश्रा का राज उगला। जाहिर है, इडी ने उसके हिसाब से भी रणनीति बनायी होगी। उधर नेताओं और नौकरशाहों का चहेता विशाल चौधरी अपनी पत्नी संग बैंकॉक भागने वाला था। उस पर इडी ने पहले ही लुक आउट नोटिस जारी किया था। उसे विदेश जाने की मनाही थी। विशाल चौधरी पर आरोप है कि उसने अवैध खनन से नेताओं और नौकरशाहों तक पहुंचने वाले काले धन का निवेश किया। पूर्व में विशाल चौधरी के ठिकानों पर हुई इडी की छापेमारी में करोड़ों के लेनदेन से संबंधित दस्तावेज मिले थे।

सात मामलों का क्या है कनेक्शन, खंगाल रही है इडी

वहीं मौका पाकर घूसकांड मामले में इडी ने अमित अग्रवाल को भी लपेटे में ले लिया। कैश दो, पीआइएल मैनेज करो कांड में। पूछताछ के बाद इडी ने अमित अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया। राहत के लिए अग्रवाल सुप्रीम कोर्ट तक गये, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाने को कहा। सुनवाई के दौरान जेल में बंद अमित अग्रवाल को हाइकोर्ट ने करारा झटका दे दिया। उनका केस अब सीबीआइ देखेगी। उधर एक और चर्चित कैश कांड को इडी ने टेकओवर कर लिया है। वहीं कैश कांड, जिसमें कांग्रेस के तीन विधायक इरफान अंसारी, नमन विक्सल कोंगाड़ी और राजेश कच्छप 50 लाख कैश के साथ कोलकाता में गिरफ्तार हुए थे।

कांग्रेस के बेरमो विधायक जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने इन तीनों विधायकों पर रांची के अरगोड़ा थाने में जीरो एफआइआर किया था। आरोप लगाया कि कांग्रेस के इन तीनों विधायकों की मंशा मौजूदा हेमंत सरकार को गिराने की थी। इडी की टीम अरगोड़ा थाना पहुंच गयी। उसने जीरो एफआइआर की कॉपी ले ली। उसके बाद वह रांची कोतवाली थाने से भी एफआइआर की कॉपी ले गयी है। दोनों एफआइआर अनूप सिंह ने सरकार गिराने की साजिश को लेकर की थी। जाहिर है, इडी अनूप सिंह और तीनों विधायकों से पूछताछ करेगी। राज खुलेंगे। कड़ियां जुड़ेंगी। पैसे किसके थे, वह भी सामने आयेगा। कोलकाता में ही पैसे क्यों धराये वह भी गुत्थी खुलेगी। अमित अग्रवाल का झारखंड की राजनीति में क्या प्रभाव है, वह भी सामने आयेगा। क्या है शराब घोटाला, टोल प्लाजा विवाद, मनरेगा घोटाला, माइनिंग घोटाला, कैश कांड, घूस कांड और मनी लॉन्ड्रिंग का एक दूसरे से कनेक्शन इसे समझने के लिए कुछ दिन और इंतजार करना होगा। इडी और सीबीआइ के अगले कदम का इंतजार करना होगा।

अड़की प्रखंड की बालालौंग और सरगेया पंचायत का सूरत-ए-हाल

विकास की रोशनी से अछूते हैं दोनों पंचायतों के 15 हजार लोग

स्वरूप भट्टाचार्य

तमाड़ (आजाद सिपाही)। झारखंड के खूंटी जिले का अड़की प्रखंड किसी परिचय का मोहताज नहीं है। तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के तहत आनेवाला यह इलाका जंगलों और पहाड़ियों से घिरा हुआ तो है, लेकिन यहां की चर्चा नक्सली गतिविधियों को लेकर अक्सर होती है। इसी अड़की प्रखंड के नक्सल प्रभावित गांव जोजोहातु की असली कहानी का पता तब चलता है, जब कोई यहां तक पहुंचे। इस गांव के साथ अड़की प्रखंड की दो पंचायतों, बालालौंग और सरगेया का सूरत-ए-हाल भी कुछ अच्छा नहीं है। अड़की प्रखंड के इस इलाके में विकास की हर रोशनी घने जंगलों में कहीं खो गयी लगती है या फिर पहाड़ी रास्तों में गुम हो गयी है। इन दोनों पंचायतों में कभी माओवादियों की हुकूमत चलती थी। इस इलाके के बारीगाढ़ा गांव में सब जोनल कमांडर कुंदन पाहन रहा करता था। ग्रामीण बताते हैं कि उस समय इतनी घूसखोरी और लूट नहीं थी। पुलिस की बढ़ती दबिश के कारण कुंदन पाहन ने आत्मसमर्पण कर दिया और वह अब जेल में है। जितने दिन कुंदन पाहन नक्सली गतिविधियों में सक्रिय रहा, इलाके के लोग परेशान जरूर रहे, लेकिन उपेक्षित नहीं थे।

सड़कों की स्थिति बेहद खराब गुलाबी ठंड की सुबह इस इलाके में पहुंचने पर सबसे पहले आग तापते ग्रामीणों से मुलाकात हुई। अड़की के सांसद प्रतिनिधि अनूप कुमार साहू ने बताया कि जोजोहातु तक पहुंचना ही दूभर है। स्कॉर्पियो जैसी गाड़ियों का अस्थि-पंजर ढीला हो जाता है। सलगाडीह से राउता तक की 21 किलोमीटर सड़क सरकारी दस्तावेज में पक्की है, लेकिन धरातल पर इस सड़क का कहीं नामोनिशान तक नहीं है। यह सड़क बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गयी है।

जोजोहातु नहर के किनारे कुसुम पेड़ के नीचे दो से ढाई सौ लोग फटे-पुराने कंबल की मदद से ठंड से बचने की कोशिश करते हुए दिखे। वहां कुछ लोग आग भी ताप रहे थे। उन लोगों से बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ, तो एक-एक कर उनका दर्द सामने आता गया।

लंबी है समस्याओं की फेहरिस्त जोजोहातु गांव के बुजुर्ग लाल मोहन महतो ने रुंधे गले से जो कुछ बताया, वह सुन कर महसूस हुआ कि झारखंड जिनके लिए बना, उनकी हसरतें आज भी अधूरी हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सबसे बड़ी समस्या बिजली, पानी और सड़क की है। कितनी तरह की समस्याएं हैं, इनकी फेहरिस्त यदि बनायी जाये, तो शायद अखबार के पन्ने भी कम पड़ जायेंगे।

बिजली की आंखमिचौली के बीच 12 से 15 हजार का बिल

ग्रामीणों ने बताया कि है बिजली तो है, लेकिन इलाके में आपूर्ति कम ही होती है। कई साल पहले पोल गाड़े गये और तार खींचे गये। ग्रामीणों ने कनेक्शन भी लिया, लेकिन बिजली के दर्शन कम ही होते हैं। ग्रामीणों के जले पर प्रशासन ने तब नमक छिड़क दिया, जब दो-तीन साल बाद हरेक ग्रामीण के यहां 12 से 15 हजार रुपये का बिजली बिल पहुंच गया। ग्रामीण घबरा गये, क्योंकि उन्हें बताया गया था कि बिजली मुफ्त में मिलती है।

मीटर लगाने के लिए डेढ़ हजार रुपये की वसूली

लोगों ने बकाया बिजली की बाबत अधिकारियों से बात की। इसके बाद इन दो पंचायत में एक बिजली मित्र को रांची के किसी ठेकेदार द्वारा भेजा गया। मीटर बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी। एक मीटर लगाने के एवज में 15 सौ रुपये की वसूली होने लगी। ग्रामीणों के पुराने मीटर को खोलकर वह बिजली मित्र ले गया। ग्रामीणों से कहा जा रहा है कि इस नये मीटर से बिल आयेगा। पुराना बकाया भूल जायें। बिजली मित्र ने एक घर में दो-दो मीटर तक लगा दिया। इस बारे में पूछताछ करने पर बिजली मित्र चुप्पी साध गया।

डीप बोरिंग भी है बेकार

जोजोहातु में ही दो डीप बोरिंग है। इसमें एक से पानी नहीं निकलता है। पानी की टंकी है, लेकिन उसमें रिसाव है। गांव की जल सहिया ने संबंधित ठेकेदार से इसकी शिकायत भी की, लेकिन उसे अनसुना कर दिया गया।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	26.2 °c	12.1 °c
सूर्यास्त (आज) :		17.02 बजे
सूर्योदय (कल) :		06.15 बजे

सम्मान : प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन का राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह

पासवा ने 2000 से अधिक शिक्षकों को किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में किया गया राज्य में शिक्षकों के लिए आयोजित सबसे बड़े सम्मान समारोह में झारखंड के विभिन्न हिस्सों से आये लगभग 2000 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन पासवा द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के वित्त एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समायल अहमद, रिनपास के निदेशक डॉक्टर जयंती सिमलाई, एलआर सैनी, पद्मश्री से सम्मानित मुकुंद नायक, पासवा के प्रदेश अध्यक्ष के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे, उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शहदेव, महासचिव डॉ राजेश गुप्ता, जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार, डॉ सुषमा क्रिकेटर, फलक फातिमा, संजय कुमार, आलोक विपिन टोप्पो, मुजाहिद आलम, राशिद इकबाल अल्ताफ अंसारी, रणधीर कौशिक एवं निजी स्कूल के संचालक एवं शिक्षक उपस्थित थे।

शिक्षकों का सम्मान होना चाहिए : डॉ रामेश्वर उरांव

इस अवसर पर वित्त एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान होना चाहिए। समाज जो आगे बढ़ रहा है या बढ़ता है, उसमें शिक्षकों का योगदान होता है। अच्छे शिक्षकों के शिक्षा की वजह से ही बेहतर और शिक्षित समाज का निर्माण होता है। शिक्षक तो बड़े-बड़े काम किये हैं। साम्राज्य की स्थापना किये हैं। देश का पहला साम्राज्य शिक्षक चाणक्य के कारण ही बना था। भगवान बुद्ध को भी शिक्षक कहा जायेगा। ऐसी पहल की सराहना होनी चाहिए और प्रतिवर्ष शिक्षकों को सम्मान मिलना चाहिए। सरकारी स्कूलों में भी पढ़ाई होनी चाहिए। लड़के को आगे बढ़ना चाहिए, लेकिन आज के प्रतियोगी परीक्षाओं में ज्यादातर प्राइवेट स्कूल के बच्चे सफल हो रहे हैं।

सम्मानित शिक्षक बेहतर समाज का निर्माण करेंगे : सैयद शमायल अहमद

पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद ने कहा कि 2011 में पासवा की स्थापना हुई थी, तभी से संगठन द्वारा शिक्षकों और विद्यार्थियों का प्रोत्साहन के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है। इसके माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को पासवा सम्मानित करती है और उनका हौसला अफजाई करती है। आज का यह कार्यक्रम निश्चित रूप से ऐतिहासिक है और झारखंड में शिक्षा के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान करेगा, जो शिक्षक सम्मानित हो रहे हैं, वह बेहतर समाज का निर्माण करेंगे।

सम्मानित शिक्षक उत्साह के साथ आगे भी बच्चों को पढ़ायेंगे : आलोक दुबे

पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहा कि करोना के संकट काल के बाद यह दूसरा ऐसा अवसर है, जब इतने बड़े मंच से शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा है। आज जो शिक्षक यहां से सम्मानित होकर जायेंगे और उत्साह के साथ आगे बच्चों को पढ़ायेंगे। यह आज सोचने का विषय है कि निजी विद्यालयों के शिक्षकों का योगदान इस समाज में जितना है, शायद उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। सीमित संसाधन में वह हमारे बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं। शिक्षकों के कारण आज हमारे बच्चे सभी क्षेत्र में जा रहे हैं। आज सरकार को भी निजी विद्यालयों के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता है। निजी विद्यालयों को भी सरकार से सहयोग मिलना चाहिए।

अभिभावकों को बच्चों पर ध्यान देने की आवश्यकता है : डॉ जयंती सिमलाई

शिक्षकों के द्वारा शिक्षा में मोबाइल फोन का इस्तेमाल कितनी बड़ी चुनौती विषय पर अपना व्याख्यान देते हुए रिनपास के निदेशक डॉ जयंती सिमलाई ने कहा कि इसका व्यापक असर बच्चों में हो रहा है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट से कई जानकारियां हमें मिल रही है। इसका सदुपयोग भी हो रहा है, लेकिन अभिभावकों को हमेशा ही बच्चों पर ध्यान देने की आवश्यकता है और बिना काम के उनके हाथों में मोबाइल नहीं दिया जाना चाहिए। सोने सोने के वक्त कमरे से फोन को दूर रख रखना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी कई सुझाव उपस्थित लोगों को दिया।

समारोह में ये थे मौजूद

समारोह को संबोधित करने वालों में आर्य ज्ञान प्रचार समिति के निदेशक एलआर सैनी, पद्मश्री मुकुंद नायक, डॉ राजेश गुप्ता, लाल किशोर नाथ शाहदेव, अरविंद कुमार, डॉ सुषमा केरकेट्टा, मुजाहिद आलम आदि प्रमुख है। इस अवसर पर अनीश अहमद, अमीन अंसारी, मेहुल दुबे, माजिद अंसारी, नीरज सहाय, मुमताज आलम मुख्य रूप से उपस्थित थे।

खतियानी जोहार यात्रा : पहले चरण में तीन प्रमंडलों में होगा कार्यक्रम

हर दिन दो जिलों में जायेंगे सीएम हेमंत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आगामी 8 दिसंबर से खतियानी जोहार यात्रा की शुरूआत हेमंत सोरेन सरकार करने जा रही है। यात्रा के पहले चरण में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तीन प्रमंडलों के दो-दो जिलों को कवर करेंगे। चर्चा है कि खतियानी जोहार यात्रा के माध्यम से हेमंत सोरेन जनता के बीच जाकर जनकल्याणकारी योजना की जानकारी तो लेंगे ही, साथ ही सरकार की तीन साल की उपलब्धियां को बताने का काम करेंगे।

प्रमंडल और जिले के उच्च स्तरीय अधिकारी के साथ करेंगे रिव्यू मीटिंग

यात्रा के दौरान सीएम प्रमंडल और जिले के उच्च स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधियों के साथ रिव्यू मीटिंग करेंगे। इस मीटिंग का उद्देश्य योजनाओं के धरातल पर उतारने की सफलता की जानकारी लेने के साथ और क्षेत्रों में लॉ एंड ऑर्डर व्यवस्था की स्थिति की भी जानकारी लेना है। इन सबके अलावा खतियान जोहार यात्रा के कई राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। इसमें सबसे प्रमुख यूपीए गठबंधन कार्यकर्ताओं के साथ जिला स्तर पर अगर कोई दूरी है, तो उसे पाटने के साथ ही 2024 के चुनाव को लेकर तैयारी की भी शुरूआत करना है।

पहले चरण में इन तीन प्रमंडलों के दो-दो जिलों की सीएम करेंगे यात्रा

खतियानी जोहार यात्रा के पहले चरण में सीएम हेमंत सोरेन तीन प्रमंडल पलामू, दक्षिण छोटानागपुर और संथाल परगना का दौरा करेंगे।

8 और 9 दिसंबर को पलामू प्रमंडल के गढ़वा और पलामू।

12 और 13 दिसंबर को दक्षिण छोटानागपुर के गुमला और लोहरदगा।

15 को गोड्डा और 16 दिसंबर को देवघर जायेंगे।

आम बैठक में गठबंधन के कार्यकर्ताओं की बातों को सुनेंगे सीएम

हर प्रमंडल के दौरे के पहले दिन सीएम जिले में कार्यकर्ताओं के साथ आम बैठक करेंगे। आम बैठक में वे गठबंधन के कार्यकर्ताओं की बातों को सुनेंगे। कार्यकर्ताओं के बीच कोई नाराजगी होगी, तो सीएम उसे दूर करेंगे, ताकि आगामी चुनाव में महागठबंधन और मजबूती के साथ चुनाव लड़ सकें। दूसरे दिन सीएम दूसरे जिले पहुंचेंगे, जहां वे रिव्यू मीटिंग करेंगे। इसमें दोनों जिलों और प्रमंडल के अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। उसी दिन वे दूसरे जिले में कार्यकर्ताओं के साथ जनसभा करेंगे।

यूपीए नेता भी रहेंगे शामिल

हेमंत सरकार में संसदीय और ग्रामीण विकास मंत्री का काम देख रहे आलमगीर आलम ने बीते दिनों ही कहा था कि खतियानी जोहार यात्रा के दौरान हर जिले में संयुक्त रूप से रैलियां निकाली जायेंगी। इसमें यूपीए के सभी नेता शामिल रहेंगे साफ है कि यात्रा के माध्यम से हेमंत सरकार अपने एकजुटता को भी देखने का काम करेगी।

घोषणापत्र में किये वादों को बताने पर रहेगा जोर

निकाले जाने वाली रैलियों के द्वारा सीएम और यूपीए नेता अपने-अपने घोषणापत्र में किये वादों को भी जनता को बताने का काम करेंगे।

इसमें शामिल हैं

पुरानी पेंशन योजना बहाली का काम।

ओबीसी वर्ग सहित अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के आरक्षण का दायरा बढ़ाना।

किसानों के लिए ऋण माफी और फसल राहत योजना।

पारा शिक्षक, आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका के लिए मानदेय और नियमावली।

1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति।

सरना धर्म कोड का प्रस्ताव विधानसभा से पास कर केंद्र को भेजना आदि शामिल हैं।

कार्यक्रम : बीआइटी के 32वें दीक्षांत समारोह में 1532 छात्रों को मिली डिग्री

मेक इन इंडिया अभियान में शामिल हों बीआइटी के मेधावी : राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआइटी) मेसरा का 32वां दीक्षांत समारोह रविवार को मनाया गया। इसमें यूजी, पीजी और पीएचडी के 1532 स्टूडेंट्स को डिग्री दी गयी। इसमें सत्र 2018-22 में शामिल यूजी (859), पीजी (598) और पीएचडी (75) कोर्स के कुल 1532 विद्यार्थियों के बीच डिग्री बांटी गयी। साथ ही 10 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल दिये गये। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल सह कुलाधिपति रमेश बैस ने कहा कि आज हमारा देश दुनिया की प्रगतिशील अर्थव्यवस्था में शामिल है। आप लोगों में जॉब क्रिएटर बनने की भी असीम क्षमता है। मुझे विश्वास है कि इस संस्थान के विद्यार्थी आने वाले समय में राष्ट्र के विकास व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका निभायेंगे। हम सभी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। मैं इस अवसर पर आप सभी युवाओं से विभिन्न उद्योगों में और क्षेत्रों में मेक-इन-इंडिया पहल में शामिल होने का आग्रह करता हूं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का महत्व उपाधि ग्रहण करने या नौकरी के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने मात्र तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका वास्तविक महत्व एक बेहतर, जिम्मेदार और चरित्रवान नागरिक के रूप में राष्ट्र के विकास में योगदान देना है। शिक्षण संस्थानों का कर्तव्य विद्यार्थियों में चेतना जागृत कर जीवन में बेहतर करने की भूख जगाना, उनमें आत्मनिर्भरता पैदा करना और उन्हें एक संपूर्ण व्यक्तित्व देना भी होना चाहिए।

नयी शिक्षा नीति में है संस्थान का योगदान

राज्यपाल ने कहा कि संस्थान के कुलपति प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना अभियांत्रिकी विषयों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनके संकाय सदस्यों ने प्रशिक्षण, वेबिनार तथा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर राज्यस्तरीय कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि इससे इस संस्थान में अनुसंधान व शोध कार्यों को और गति मिलेगी। राज्यपाल ने कहा कि बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा, झारखंड राज्य का एक अग्रणी तकनीकी संस्थान है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में इसने विशिष्ट पहचान स्थापित की है। यहां से शिक्षा ग्रहण कर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा से देश-विदेश में सेवा प्रदान कर संस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं। खुशी की बात यह है कि यह संस्थान अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करने में कई वर्षों से महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में बीआइटी के संकाय सदस्य एआइसीटीइ-आइडिया लैब, दलमा जंगल में पहला फेनोमेट सेंटर की स्थापना, भोजन की पोषण गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अनाज का फोर्टिफिकेशन आदि जैसी विभिन्न नयी शोध पहलों के लिए चर्चा में रहे हैं। बीआइटी मेसरा के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों ने देश के विकास में अमूल्य योगदान दिया है। राजीव कौल, राम गोंविंदराजू, गुरुदीप सिंह पाल, गौतम सिन्हा समेत आदि कई पूर्ववर्ती विद्यार्थियों ने व्यावसायिक जीवन में भी बड़ी सफलता हासिल की है।

पिछड़ी जातियों की जनगणना और सर्वेक्षण कराये सरकारः राजेंद्र प्रसाद

आजाद सिपाही संवाददाता

मशाल जुलूस निकाल कहा-सदान आयोग का गठन करे सरकार

रांची। पिछड़ी जातियों की जनगणना, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक स्थिति और मूलवासी सदान आयोग का गठन करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर मूलवासी सदान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में रविवार को जयपाल सिंह स्टेडियम रांची से मशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस में रांची, बुंडू, होचर, कांके, बेड़ो, खूंटी, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा आदि जगहों से मोर्चा के लोग शामिल थे।

जुलूस में पिछड़ी जातियों को 36 प्रतिशत आरक्षण देने, ओबीसी की जातीय जनगणना कराने, उनकी आर्थिक राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक स्थिति का सर्वेक्षण कराने, सदान आयोग का अविलंब गठन करने, पिछड़ों, सदानों, दलितों की जो बात करेगा, वही झारखंड में राज करेगा की मांग के समर्थन मे नारे लगा रहे थे। मशाल जुलूस के अल्बर्ट एक्का चौक पर पहुंचने के बाद यह सभा में तब्दील हो गयी। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश आजादी का 75वां अमृत महोत्सव मना रहा है, लेकिन पिछड़ी जाति, जनजाति और मूलवासी सदान अपने अधिकार के लिए आज भी संघर्षरत और आंदोलित हैं। उन्होंने कहा कि पिछड़ी जातियों का जब तक जाति जनगणना और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक स्थिति का सर्वेक्षण सरकार नहीं कराती है, तब तक कानूनी अड़चन के कारण पिछड़ी जातियों को कोई लाभ नहीं मिलनेवाला है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछड़ी जातियों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की सराहनीय पहल की है, लेकिन जब तक सर्वेक्षण नहीं होगा, इसका कोई लाभ मिलने वाला नहीं है। झारखंड में पिछड़ी जातियों की आबादी 55 प्रतिशत है। ऐसे में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देना नाइंसाफी है। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि जो संसदीय क्षेत्र और विधानसभा क्षेत्र, महापौर पद इत्यादि जो लंबे समय से आरक्षित हैं, उनका रोटेशन होना चाहिए। उन्होंने सदानी भाषा नागपुरी, पंचपरगनिया, खोरठा और कुरमाली की पढ़ाई कक्षा 1 से शुरू करने की मांग झारखंड सरकार से की। प्रसाद ने कहा कि 65 प्रतिशत मूलवासी सदानों में पिछड़ों, दलितों और सवर्ण तीनों समुदाय के लोग आते हैं। मोर्चा अध्यक्ष ने राजनीतिक दलों को चेतावनी देते हुए कहा कि झारखंड में सरकार बनानी है तो राजनीतिक दलों को अपने-अपने दलों में मूलवासी सदानों को तरजीह देनी होगी। मशाल जुलूस में डॉ सुदेश साहू, प्रो अरविंद प्रसाद, डॉ अमर कुमार, प्रो विद्याधर मेहता, प्रो पप्पू महतो, प्रो राजू हजाम, विशाल सिंह, हुसैन अंसारी, अमन अहमद, विकास कुमार, प्रदीप महतो, हेमंत कुमार, संजय कोइरी, गुरु प्रसाद, जगरनाथ महतो, विजय कुमार, वासुदेव कुमार, संदीप महतो, अजय अहिर, जितेंद्र महतो, नीतीश कुमार, रजू महतो, लंबोदर महतो, सरोज कुमार, संतोष, मनोहर, अंगद, कुलेश्वर, संजय, रंजीत, पप्पू, नागेंद्र, महतो, चितरंजन महतो, विलास महतो, रवि चंद्र महतो, रोहित कुमार, गुलफाम अंसारी, प्रिंस राज, मेहरबान अंसारी, शबान अंसारी, अमन ठाकुर, इरफान अंसारी, महेंद्र ठाकुर, ब्रज भूषण पाठक के अलावे सैकड़ों लोग शामिल थे।

राजस्व न्यायालयों में वादों का नहीं हो रहा समय पर निष्पादन, मुख्यमंत्री गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने सभी जिलों में लंबित राजस्व वादों का निष्पादन समय पर करने का निर्देश दिया है। यह बात विभाग की समीक्षा में सामने आयी थी कि राजस्व न्यायालयों में वादों का निष्पादन नहीं किया जा रहा है। बड़े पैमाने पर वाद लंबित हैं। पूरा मामला राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष भी रखा गया है। मुख्यमंत्री ने इस पर काफी नाराजगी जतायी थी।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद विभाग ने राजस्व वादों के निष्पादन के क्रम में लंबित वादों की सूची तैयार करते हुए पुराने मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई के लिए लिस्ट करने का निर्देश दिया है। इसकी समीक्षा भी नियमित रूप से राज्य के मुख्य सचिव करेंगे। राजस्व भूमि सुधार एवं निबंधन विभाग ने भू-अर्जन के मामलों में लंबित भुगतान की कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया है और ऐसे मामलों का जल्द से निपटारा को कहा है। सड़क, भवन इत्यादि अन्य कार्यों के लिए भू-अर्जन करने को कहा है। विभाग की वेबसाइट पर अपलोड होने वाले अभिलेखों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक करने को कहा है।

अंबेडकर मोहल्ला से दो साउंड बॉक्स की चोरी

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव प्रखंड के अंबेडकर मोहल्ला निवासी स्वर्गीय हेमलाल राम के पुत्र भोला राम का घर के बाहर रखा दो भोला डीजे पॉप बॉक्स बीते देर रात अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया। भोला राम ने बताया कि सुबह मैं जब उठा तो देखा कि हमारा डीजे बॉक्स गायब है बहुत खोजबीन करने के बाद पता नहीं चला तत्पश्चात भोला राम ने बड़कागांव थाने में आवेदन देकर खोज बीन करने के लिए गुहार लगायी है। इस संबंध में भोला राम ने कहा कि डीजे से ही हमारा परिवार का भरण पोषण होता था अब डीजे चोरी हो जाने के कारण हमारे समक्ष आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है।

अंडर 14 क्रिकेट का ओपन ट्रायल 7 दिसंबर को

कोडरमा (आजाद सिपाही)। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा आयोजित होने वाले इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 14 क्रिकेट टूनार्मेंट की तैयारी हेतु कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आगामी 7 दिसंबर को अंडर 14 क्रिकेट प्लेयर का ट्रायल रखा गया है। यह ट्रायल चंदवारा स्थित पुलिस लाइन मैदान में सुबह 9:30 बजे से होगा। जिसमें जिले भर के सभी अंडर 14 रजिस्टर्ड प्लेयर भाग ले सकेंगे। ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की जन्म तिथि 01- 09-2009 या उसके बाद की होनी चाहिए। ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अपने साथ डिजिटल बर्थ सर्टिफिकेट, आधार कार्ड और माता या पिता का आधार कार्ड लाना अनिवार्य है। खिलाड़ी व्हाइट ड्रेस में रहेंगे। उक्त आशय की जानकारी केडीसीए के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा और सचिव दिनेश कुमार सिंह ने दी।

जालसाज कर रहे नाबार्ड के नाम का दुरुपयोग, नौकरी के नाम पर दे रहे हैं झांसा

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। झारखंड के कुछ जिलों में नाबार्ड के नाम पर जालसाजों द्वारा फर्जी नियुक्ति विज्ञापन निकाल कर लोगों से पैसा मांगे जाने का मामला सामने आया हैं। डीडीएम नाबार्ड हजारीबाग प्रेम प्रकाश सिंह ने बताया कि नाबार्ड द्वारा इस प्रकार का कोई भी नियुक्ति विज्ञापन नही निकाला गया है। नाबार्ड किसी भी प्रकार की नियुक्ति हेतु आवेदन केवल आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही लेता है। डीडीएम नाबार्ड ने युवाओं से सतर्क रहने और नाबार्ड के कर्मचारी/एजेंट बनकर जालसाजी करने वाले गिरोह की धोखाधड़ी का शिकार न होने को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। किसी भी तरह की जानकारी के लिए नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय, हजारीबाग या जिला विकास प्रबंधक (डीडीएम) से संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

संपूर्ण विप्र समाज की बैठक राम मंदिर विष्णुगढ़ में संपन्न

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। संपूर्ण विप्र समाज विष्णुगढ़ की एक बैठक राम मंदिर विष्णुगढ़ में वीरेंद्र उपाध्याय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि विष्णुगढ़ के सभी ब्राह्मण एक हो। विष्णुगढ़ में कार्यालय खोलने तथा आगामी बैठक आठ दिसंबर को राम मंदिर में दो बजे आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में डॉ महेंद्र वैद्य, उमेश मिश्रा, रोहितानंद मिश्र, रामप्रसाद पांडेय, रवि पाठक, सुनील कुमार पांडेय, बंटी मिश्र, अनिल मिश्र, गणेश पांडेय, रौशन पांडेय, अनुज मिश्र, संजय वैद्य, त्रिभुवन पांडेय आदि उपस्थित थे।

उपप्रमुख ने 20 जरूरतमंदों के बीच किया कंबल वितरण

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड उपप्रमुख सह झरपो पंचायत समिति सदस्य रविकुमार वर्णवाल ने रविवार को झरपो पंचायत के जरूरतमंद लोगों के बीच कुल 20 कंबल का वितरण किया। उन्होंने बताया कि ठंढ बढने से पहले गरीब, असहाय तथा वृद्ध लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। उपप्रमुख ने कहा कि क्षेत्र के विकास तथा यहां के लोगों के सुख-दुख में हमेशा शामिल रहेंगे हमारा? प्रयास रहता है कि जितना संभव हो सके गरीबों के दुख-सुख में शामिल होकर उनका सहयोगी करते रहेंगे कंबल वीरू राम मो धूपिया, मो चंशु मो सोनिया, पोखनी देवी, मो फुलेश्वरी, मो इन्द्रवा, बढ़न पासवान, मो सुधवा, मो पुनिया, गणेश महः मो तेतरी, बैजंती देवी, मो रुक्मणि, सोहवा देवी मो सुनीता को कंबल दिया गया।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 6 करोड़ की लागत से बनेगी झरपो से पेटो तक 6.25 किमी सड़क

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत झरपो बुध बाजार से पेटो तक 6.25 किलोमीटर सडक निर्माण का शिलान्यास कोडरमा सांसद सह केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी और बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव के द्वारा आज किया जायेगा। सडक निर्माण होने से क्षेत्र के झरपो, भराजो, खैरा, करमा, अमनारी, बेडमक्का, नारायणपुर, सिमराढाब, टटगांवा, उच्चाभेडा समेत दर्जनों गांव के लोग इससे लाभान्वित हो सकेंगे। सड़क निर्माण में लगभग 6 करोड रुपये की लागत खर्च होनी है। सडक निर्माण कार्य कामधेनु कंस्ट्रक्शन के द्वारा किया जायेगा। क्षेत्र के लोग लंबे अरसे से झरपो बुध बाजार से पेटो तक सडक निर्माण की मांग सांसद, विधायक से कर रहे थे। सडक निर्माण होने से लोगों का जिला मुख्यालय तक पहुंचने में यात्रा सुगम और सुरक्षित होने के साथ दूरी एवं समय की बचत होगी। लोगों का ईंधन की बचत होगी। कृषि, व्यापार व रोजगार के अवसरों को बढावा मिलेगा। बता दें कि पहली बार झरपो से पेटो मार्ग पर सांसद, विधायक व स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रयासों से सड़क निर्माण होने जा रहा है। बरसात के दिनों में सड़क की स्थिति बद से बदतर हो जाती थी। जर्जर रास्ते के कारण दुर्घटना में लोग की जान भी जा चुकी है।

नाबालिग आदिवासी लड़की की धारदार हथियार से हत्या

ज्योतिष पंडा

टाटीझरिया। थानांतर्गत मायापुर के कंदापहरी जंगल में झाड़ियों और पहाड़ी के बीच एक अर्धनग्न लड़की का शव मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। अर्धनग्न शव की पहचान गांव के लोगों ने 17 वर्षीय फूलमती कुमारी, पिता किशन टुडू ग्राम जेरूवाडीह के रूप में किया। जेरूवाडीह के ग्रामीणों ने बताया कि रविवार सुबह गांव के कुछ लोग प्रतिदिन की भांति जानवर को चराने के लिए कंदापहरी की ओर गए। उन्होंने वहां एक लड़की के शव को देखा, जिसके माथे पर चोट के निशान थे। वे डरते-सहमते वहां से भागे हुए गांव पहुंचे। गांव वालों ने उस शव को देख उसे पहचाना और उसकी मां को इसकी सूचना दिया। ग्रामीणों ने बताया कि लड़की के कमर के नीचे का कपड़ा उसके शरीर पर नहीं था, हां, पैर में चप्पल पहने हुई थी और माथे से खून बह रहा था। ऐसा लगता है कि धारदार हथियार से उसके माथे पर वार किया गया हो। जिससे उसकी जान चली गई। मृतक का शव उसके घर से लगभग 500 मीटर दूर जंगल में मिला है। हालांकि थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार उसके अर्धनग्न अवस्था में होने से इनकार किया है। उन्होंने कहा की उसकी मां चांदमुनी देवी ने बताया कि जिस कपड़े को अभी पहनी है, कल दिन में भी यही पहने हुई थी। ऐसा लगता है कि उसके माथे पर पीछे से कोई कुल्हाड़ी वगैरह से वार किया हो और वह वहीं औंधे मुंह गिर गई। वैसे तहकीकात हो रही है। पोस्टमार्टम के बाद करीब-करीब सब स्पष्ट हो जायेगा। बताते चलें कि लड़की अपने घर में मां और 5 वर्षीय भतीजी के साथ रहती थी। पिताजी किशुन टुडू दो दिन पूर्व रोजगार के लिए पुणे गये थे। बड़े भाई भी बाहर ही कमाता है। भाभी अपने मायके में है। उसकी मां चांदमुनी ने बताया कि रात को हमलोग को खाना बनाकर खिलाई, अपने भी खाई और लगभग 9 बजे वह अपने कमरे में सोने चली गई। वह अकेले अलग कमरे में सोती थी। बताया गया कि वह किसी लड़के से बात करती थी। शायद वह आंगो थाना क्षेत्र के बेला गांव का रहने वाला है। कुछ लोगो ने बताया कि एक बार वह माथे पर सिंदूर भी लगाकर घर आयी थी, डांट फटकार कर उसे साफ करवा दिया गया था। लड़की की शादी भी होनेवाली थी। इसी बीच यह घटना घटी।

एक साल पूर्व उसकी चचेरी बहन की भी हुई थी मौत

वही घटना स्थल के नजदीक एक साल पहले उसकी चचेरी बहन 14 वर्षीय सूरजमुनी कुमारी की फांसी लगाकर मौत हुई है। उसकी मौत पर भी कुछ लोग हत्या तो कुछ लोग आत्महत्या बताते हैं। चाहे मामला जो हो पुलिस को गहराई से मामले की तहकीकात करनी चाहिए। जिससे क्षेत्र के लोगों को सच्चाई पता चले और गुनहगार सलाखों के पीछे हो।

आजसू पार्टी का अखिल झारखंड महिला संघ राज्य स्तरीय अधिवेशन संपन्न

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। विष्णुगढ़ के कोनारडैम में आजसू पार्टी द्वारा अखिल झारखंड महिला संघ राज्य स्तरीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में प्रदेश भर से महिला कार्यकर्ता शामिल थे। बतौर मुख्य अतिथि आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी ने 2019 के बाद से निर्णय लिया है कि कमिटी का पुनर्गठन किया जाना है जो लगातार जारी है जिसमे महिला कमिटी है। पंचायती राज व्यवस्था मेरे जिम्मे में आने पर महिलाओ को पार्टी ने पंचायत चुनाव में आरक्षण देने का काम किया है। विष्णुगढ़ प्रखंड की भूमिका झारखंड आंदोलन में हमेशा आगे रही। आजसू सुप्रीमो ने कहा कि दायित्व का बोध होना जरूरी है। पंचायत चुनाव में प्रतिनिधि चुन कर आये जरूर पर अफसरशाही हावी है। जनता दरबार मे कोई काम नहीं हुआ अधिकारी सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर ब्लॉक लौट आते रहे। जनता का कोई काम नही हुआ। कर्मचारी जनता का रशीद

नही काटते है। ब्लॉक कार्यालय में बगैर रुपये दिये कोई काम नही होता है। शौचालय नहीं बना पर ओडीएफ घोषित किया गया। झारखंड सरकार अपनी पीठ खुद थपथपा रही है। हर रोज इडी के छापे से परेशान राज्य में विकास ठप्प पड़े है। जिस दिन जवाबदेह जनता होगी उसी दिन जवाबदेह सरकार बनेगी। इसके लिए जनता को आगे आना होगा। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए महिलाएं को आगे आने की जरूरत है। सभा को गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो, पूर्व मंत्री उमाकांत रजक, रामचंद्र सहिस, देवशरण भगत, तिवारी महतो, नीरू शांति भगत, यशोदा देवी, काशीनाथ सिंह, अतुल बैठा, अंजू देवी, बीणा देवी, बबिता देवी, पार्वती देवी, बर्षा गाड़ी, संजू देवी, मंजू देवी अजय मंडल, महादेव देहाती, दीपू अकेला, हरीश पटेल, रामेश्वर महतो, गौतम कुमार, बाबू खान आदि ने संबोधित किया।

वाणी कंप्यूटर सेंटर के बच्चों ने शैक्षणिक भ्रमण किया

कोडरमा (आजाद सिपाही)। वाणी कंप्यूटर सेंटर के बच्चों ने रांची के मशहूर भगवान बिरसा मुंडा बायोलॉजिकल पार्क ओरमांझी का शैक्षणिक भ्रमण किया। बच्चों ने जंगली जानवर, पंक्षी, म्यूजियम, देखा और पिकनिक का भी भरपूर लुप्त उठाया। संस्थान के निदेशक सतीश कुमार यादव ने कहा कि इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण करने से बच्चों में मानसिक विकास के साथ-साथ शैक्षणिक शिक्षा का भी ज्ञान होता है। साथ ही बिरसा मुंडा की जीवनी पर भी बच्चों के बीच प्रकाश डालते हुए उनकी उपलब्धियां के बारे बताया। मौके पर शिक्षिका मीणा कुमारी, आदित्या कुमार, छात्र छात्राओं में सरिता कुमारी, श्रूति कुमारी, लीलावती कुमारी, स्वेता कुमारी, नेना कुमारी, खुशबू कुमारी, रंजीत कुमार, करण कुमार, संदीप कुमार, तान्या कुमारी, लीलावती कुमारी, अंजली कुमारी, एमडी वारिश, शाहबाज, आशीष कुमार, मुमताज, अमरदीप, काजल, कशिश, विनीता, चांदनी, प्रियांशु, विकास, सुरज, डिम्पल, रंजन, काजल, नरेश, रंजीत, ऋषभ, प्रियंका, सोमयक, सचिता राज, शौर्य इत्यादि मौजूद थे।

कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों के बीच प्रमाण पत्र वितरण

अधिक से अधिक बच्चे कंप्यूटर का प्रशिक्षण लें: अन्नपूर्णा

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। डोमचांच नगर पंचायत अंतर्गत पंचायत भवन डोमचांच दाक्षिणी में संचालित डीईजीएस कंप्यूटर प्रशिक्षण सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों के बीच प्रमाण पत्र वितरण हेतु रविवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री सह सांसद कोडरमा श्रीमती अन्नपूर्णा देवी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री सह सांसद, उपायुक्त, जिला परिषद अध्यक्ष एवं अन्य अतिथियों ने दीप

प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया। केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि कोडरमा जिले के बच्चों को कंप्यूटर डिजीटल मिशन से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन ने सक्रिय भूमिका निभायी है। इससे कोडरमा जिले के बच्चे काफी लाभांवित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक बच्चे कंप्यूटर का प्रशिक्षण प्राप्त करें। उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि अधिक से अधिक बच्चों को कंप्यूटर का प्रशिक्षण करायें। जन जन तक डिजिटल क्रांति लाना मुख्य उद्देश्य है और सभी बच्चे अच्छे से कंप्यूटर का प्रशिक्षण प्राप्त करें। कार्यक्रम में मुख्य रुप से जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, अनुमंडल पदाधिकारी संदीप कुमार मीणा, नगर प्रशासक जितेंद्र कुमार जैसल, प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण यादव, इडीएम सह पीएमयू सदस्य राजदेव महतो एवं अन्य मौजूद रहे।

जिला खेल संघ ने रुचि कुजूर को सम्मानित किया

भारी संख्या में युवा खिलाड़ियों ने रुचि कुजूर के लिए खुशी का इजहार किया

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। जिला खेल संघ में पदाधिकारी रही रुचि कुजूर को खेल संघों ने मिल कर सम्मानित किया। हजारीबाग जिला टेबल टेनिस संघ, हजारीबाग जिला फेंसिंग संघ, हजारीबाग जिला योगा संघ और बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सयुंक्त रूप से झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग में सदस्य बनने पर अपनी खुशी इजहार करते हुए मौलाना आजाद इंडोर स्टेडियम डीवीसी चौक अवस्थित में सम्मान

समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर जिला टेबल टेनिस संघ के महासचिव भैया मुरारी सिन्हा, जिला योगा संघ के महासचिव रविंद्र कुमार और जिला फेंसिंग संघ के महासचिव अनुप राजेश लकड़ा और अन्य पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र दे कर सम्मानित किया। भैया मुरारी सिन्हा ने कहा कि हमारे बीच की खेल संघ की पदाधिकारी आज झारखंड सरकार के राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग में सदस्य मनोनीत किया गया है, यह हम खेल प्रेमियों के लिए गर्व की बात है, इससे हजारीबाग खेल और खिलाड़ियों का मान सम्मान बढ़ा है, भविष्य में खेल और खिलाड़ी दोनों आगे बढ़ेगा। रुचि कुजूर ने हजारीबाग के खिलाड़ियों के हित में बढ़-चढ़ कर काम किया है उनके सहयोग से और भी बेहतर होगा। रुचि कुजूर ने कहा कि आज आज के बच्चे कल के भविष्य हैं, मैं जरूर उनके सुनहरे भविष्य के लिए साथ देते रहूंगी। वर्तमान पीढ़ी सुदृढ़ होगी तो जरूर हमारा समाज भी सुदृढ़ बनेगा। इस अवसर पर भारी संख्या में खिलाड़ी भी उपस्थित थे, उनके अंदर उत्साह और खुशी का माहौल था।

मौके पर इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर कोच गुड्डू सरफुल्ला, ज्योति यादव, सिंगराय सुंडी, योग कोच ज्ञानोदय, रेणु कुमारी, रीना सिंह, एनआइएस कोच वसीम, खेल संघ के पदाधिकारी बहादुर राम, अशोक सिंह, बैडमिंटन कोच रियाजुल हक, कराटे कोच कोमल कुमारी इत्यादि भी उपस्थित थे। साथ मे बैडमिंटन खिलाड़ी और अभिभावक ने भी अपने अंदाज में रुचि कुजूर को सम्मानित किया।

शहर में प्रवेश करने वाले सभी तरह के वाणिज्यिक वाहनों से चुंगी वसूली का चेंबर ने किया विरोध

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल एवं सचिव राकेश ठाकुर ने नगर विकास मंत्री झारखंड सरकार को पत्र लिखकर हजारीबाग नगर निगम द्वारा क्षेत्र में प्रवेश करने वाले वाणिज्यिक वाहनों पर चुंगी प्रथा लागू करने संबंधी निर्णय पर संज्ञान लेकर कार्रवाई करने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है की हजारीबाग शहर में प्रवेश करने वाले सभी तरह के वाणिज्यिक वाहनों से चुंगी वसूली की जायेगी। इसका यह चेंबर प्रबल विरोध करता है। क्योंकि चुंगी प्रथा को बहुत पहले ही सभी राज्यों द्वारा समाप्त कर दिया गया है। नगर निगम की अंतिम बैठक में नियम से कोई नया कर लगाने का प्रस्ताव पारित नहीं किया जा सकता। बैठकों में केवल रूटीन कार्यवाही की जाती है। चुंगी प्रथा पुनः लागू करने के लिए संबंधित मंत्रालय से सहमति ली जानी चाहिए थी जो नहीं ली गई। इस प्रथा के लागू होने से भ्रष्टाचार बढ़ेगा और बाहर से आने जाने वाले वाहनों को अनावश्यक परेशानी होगी और अर्थ का बोझ भी बढ़ेगा जो अंततः जनता पर ही पड़ेगा।

प्रजापति कुम्हार महासंघ के जिला स्तरीय सम्मेलन को सफल बनाने पर जोर

इचाक (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ की बैठक रविवार को बड़ा अखाड़ा परिसर में हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष जय शंकर प्रजापति व संचालन अखिलेश प्रजापति ने की। बैठक में विभिन्न गांव के दर्जनों प्रजापति बंधुओं ने भाग लिया। बैठक में आगामी 11 दिसंबर को आहूत प्रजापति कुम्हार महासंघ का जिला स्तरीय सम्मेलन को सफल बनाने पर विचार विमर्श किया गया। निर्णय लिया गया कि प्रजापति बहुल गांव से सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष सम्मेलन में शिरकत करेंगे। जिसके लिए कोष संग्रह के साथ संपर्क अभियान चलाने पर जोर दिया गया। बता दें कि एनएच 33 स्थित काजल शादी घर में 11 दिसंबर को जिला स्तरीय सम्मेलन प्रस्तावित है। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि लोकेश कुमार प्रजापति, पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल, माटी कला बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्रीचंद प्रजापति, सदस्य ईश्वर चंद्र प्रजापति, नीरज प्रजापति, राजेंद्र पंडित, देवनरायण प्रजापति एवं गंगाधर प्रजापति भाग लेंगे। बैठक में गजेंद्र प्रजापति, कृष्णा प्रजापति उमेश प्रजापति, बालेश्वर प्रजापति, पंकज प्रजापति, देवेंद्र प्रजापति, रीता देवी, ममता देवी, अनीता देवी ,जया कुमारी, मीना देवी, किशोरी प्रजापति, कृपाल प्रजापति ,टिंकू प्रजापति, अर्जुन प्रजापति, तिलकधारी प्रजापति, परमेश्वर प्रजापति ,टिकेश्वर प्रजापति, विष्णु प्रजापति आदि उपस्थित थे।

एबीवीपी ने किया इचाक नगर इकाई का गठन

इचाक (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने इचाक नगर इकाई का गठन किया। जिला सह संयोजक मनदीप यादव ने कहा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, जो हमेशा से राष्ट्रहित एवं छात्रहित का काम करता है। एबीवीपी हजारीबाग इकाई के द्वारा इचाक नगर इकाई का गठन किया गया। जिला सह संयोजक मनदीप यादव ने इसकी घोषणा की। जिसमें, इचाक नगर मंत्री अमन सिन्हा, सह मंत्री पवन मेहता, शुभम पाठक, अंकु कुमार, अमन पाठक, एसएफडी प्रमुख शुभम पाठक, सह प्रभारी रॉबिन मेहता, एसएफएस प्रमुख रौशन यादव, सह प्रमुख शिव कुमार, नगर सोशल मीडिया प्रमुख नीतीश कुमार, नगर कार्यकारिणी सदस्य विकास कुमार, विशाल सोनी, लकी सोनी को बनाया गया। मौके पर मुख्य रूप से प्रभात कुमार, सौरभ कुमार, दीपक कुमार मौजूद थे।

अपहरण के मामले को लेकर घरों में चिपकाया इश्तिहार

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। ईट भट्ठा मालिक भवानी प्रसाद दांगी के अपहरण को लेकर नक्सली संगठन टीपीसी के पुरुषोत्तम समेत कई लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था जिसमे उक्त लोग फरार चल रहे हैं जिसको लेकर इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी नीरज कुमार सिंह के नेतृत्व में केस आईओ सब- इंस्पेक्टर अजीत कुमार सिंह द्वारा बड्कागांव थाना कांड सं 91/14 के अभियुक्त गणेश गंझु पिता चरका गंझु सा देवगढ थाना बड्कागांव, दिवाकर गंझू सा देवगढ थाना एवं अभियुक्त जलेश गंझु पिता पन्नु गंझु सा देवगढ थाना बड्कागांव के घरों पर इश्तिहार की तामिला कर चिपकाया गया। अगर इसके बावजूद भी उक्त अभियुक्त सरेंडर नहीं करते हैं तो इनके घरों की कुर्की जब्ती की जायेगी।

पत्थर का मलबा गिरने से ट्रेन का परिचालन बाधित

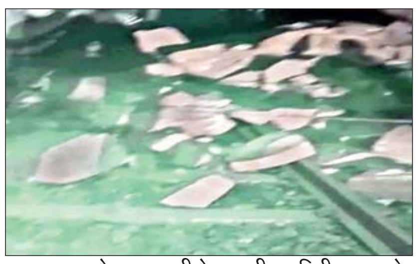

कोडरमा (आजाद सिपाही)। बीती रात कोडरमा बरकाकाना रांची रेलखंड पर पत्थर का मलबा गिरने से रेलवे परिचालन घंटों बाधित रहा। पत्थर का मलबा जवाहर पुल के पास वाली रेल पटरी पर गिरी। घटना के बाद पटरी से मलबा हटा दिया गया है। वहीं मलबा हटने के बाद मालगाड़ी का परिचालन सुचारू रूप से चालू हो गयी है। बता दें कि पटरियों के नॉन इंटरलॉकिंग का काम हो रहा है। इसलिए पिछले कुछ दिनों से इस ट्रैक पर पैसेंजर ट्रेन नहीं चल रही है। रेल पटरी और बरही से कोडरमा तक निमार्णाधीन फोरलेन सड़क के बीच पहाड़ है। यह भी बताया जाता है कि फोर लेन निर्माण के दौरान जैसे तैसे पत्थर काट लिए गए और इस वजह से पहाड़ से पत्थर का मलबा गिर जाता है। इस वजह से यहां अक्सर ऐसी घटनाएं होती रहती है। पिछले साल भी इसी जगह पर मलबा गिरा था। जिसकी वजह से ट्रेनों का परिचालन बाधित हुआ था। यात्रियों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय हो कि इस रेल पटरी पर कोडरमा-बरकाकाना पैसेंजर ट्रेन के अलावा मालगाड़ियों का भी परिचालन होता है। रेलवे इस समस्या के समाधान में जुटा है।

लक्ष्मीपुर गांव में सिलाई मशीन प्रशिक्षण केंद्र शुरू

कोडरमा (आजाद सिपाही)। उपायुक्त आदित्य रंजन ने रविवार को डोमचांच प्रखण्ड के लक्ष्मीपुर गांव का दौरा किया। इस क्रम में उपायुक्त ने गांव में सिलाई मशीन प्रशिक्षण केन्द्र का फीता काटकर उद्घाटन किया। ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जुड़ने के लिए महिलाओं को विभिन्न प्रकार सिलाई का प्रशिक्षण दिया जायेगा। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, अनुमंडल पदाधिकारी संदीप कुमार मीणा, प्रखण्ड प्रमुख डोमचांच वह अन्य मौजूद रहे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 05 दिसंबर, 2022
www.azadsipahi.com

सास, बहू, पति सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन

उरीमारी (आजाद सिपाही)। बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गरसुला पंचायत के गरसुला आंगनबाड़ी केंद्र में रविवार को सास बहू पति सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गरसुला पंचायत के उप मुखिया नंदकिशोर बेदिया ने फीता काट कर किया।इस अवसर पर गरसुला,पोटंगा एवं उरीमारी पंचायत के सहिया साथी लक्ष्मी देवी उपस्थित थी। उपस्थित महिलाओं को गर्भावस्था से संबंधित जानकारी दी गई। जिसमें गर्भनिरोधक गोलियां, माला डी, इसी पेन, कोऑपरेटिव, छाया, कंडोम, महिला बंध्याकरण, पुरुष नसबंदी, छोटा परिवार एवं सुखी परिवार के विषय में बताया गया। तत्पश्चात सास बहू एवं पति के बीच में खेल का भी आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम पुरस्कार सास शीला देवी बहू प्रमिला देवी पति जितेंद्र ठाकुर, द्वितीय पुरस्कार सास आशा देवी बहू सुनिता देवी पति सोगन करमाली, तृतीय पुरस्कार सास निराशो देवी बहू मधू कुमारी पति उमेद करमाली को दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सहिया रेशु देवी, संध्या कुमारी, संगीता देवी, सरिता देवी, आंगनबाड़ी सेविका आशा देवी, सुषमा देवी, खुशबू देवी, सरिता देवी, शीला देवी, मंशा देवी, सीता देवी, रीता देवी सहित दर्जनों महिलाएं शामिल थी।

मां छिन्नमस्तिका प्लांट की विस्तारित प्रक्रिया का शुभारंभ जल्द

बरकाकाना (आजाद सिपाही)। नगर परिषद क्षेत्र हेहल में स्थित माँ छिन्नमस्तिका सीमेंट एंड इस्पात प्राइवेट लिमेटेड में फैक्ट्री के विस्तारीकरण प्रक्रिया के तहत इंक्शन फर्नेश का शुभारंभ किया गया। समारोह के दौरान पुरोहित बनवारी शर्मा की अगुवाई में मुख्य यजामन आशिष रूंगटा द्वारा विधिवत पूजा–अर्चना कर शुरुवात की गई। विस्तारीकरण प्रोजेक्ट में उपस्थित स्थानीय प्रबंधन ने बताया कि शुरू किये गये यूनिट से माइल्ड स्टील बिलेट का निर्माण होगा तदोपरांत फैक्ट्री के अंदर तेजी से विस्तारीकरण कार्य किया जा रहा है जिसका सुखद परिणाम जल्द आएगा।मौके पर सीइओ यूके राणा, प्रोजेक्ट महाप्रबंधक वी रामू, महाप्रबंधक अजय कुमार सिंह, सुनील परेजा,प्रदीप तिवारी, बरकाकाना ओपी प्रभारी विनय कुमार,एसआइ मो सफिउल्लाह अंसारी,एचआर सह पीआरओ दुर्गाचरण पासवान, प्रवीण कुमार सिंह,जगनारायण सिंह, रंजीत राम, मो इलियास, हफिजुर्र रहमान, मो रूस्तम, इसरायल अंसारी, मुकेश कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक होगी स्व. रिझुनाथ चौधरी 2022 की मेधा प्रतियोगिता परीक्षा

रजरप्पा (आजाद सिपाही)। आजसू छात्र संघ गोला द्वारा आयोजित स्व. रिझुनाथ चौधरी मेधा प्रतियोगिता परीक्षा 2022 में भाग लेने वाले आरएनसी इंटर कॉलेज सिरू के छात्रों का परीक्षा लिया गया।परीक्षा में भाग लेने वाले छात्रों में काफी उत्साह देखने को मिला,उत्साहवर्धक सभी छात्रों ने अनुशासन का पालन करते हुए शांति व्यवस्था कायम रखते हुए परीक्षा को लिखा। आयोजन कर रहे आजसू छात्र संघ गोला के प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र कुमार व जिला वरीय उपाध्यक्ष कुंदन कुशवाहा ने संयुक्त रूप से कहा कि इस मेधा प्रतियोगिता का आयोजन में सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी व रामगढ़ विधानसभा की समाजसेवी सुनीता चौधरी के दिशा निदेर्शानुसार होगा आयोजन प्रतियोगिता मुख्य रूप से गोला,चितरपुर,दुलमी में लिया जा रहा है,प्रखण्ड अंतर्गत सभी कॉलेज व प्लस टू इंटरमीडिएट में अध्यनरत सैकड़ों छात्र छात्राएं हिस्सा लेंगे,परीक्षा का मुख्य उद्देश्य है की क्षेत्र के सभी छात्रों को आगे की विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिता का स्तंभ को मजबूत करना है जिसके लिए तैयार करना, आगे उन्होंने कहा की इस प्रतियोगिता में भाग लेकर जो प्रथम स्थान प्राप्त करेंगे उनको सम्मान के रूप में ? 7100,द्वितीय स्थान में आने पर ? 5100, तीसरे पायदान पर आने वाले को ? 3100 नकद पुरस्कार सहित जो टॉप दस में आने वाले छात्रों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा,मौके पर परीक्षा केंद्र में मुख्य रूप,दुलमी प्रखण्ड प्रवक्ता आजसू दुलमी छोटेलाल महतो,जिला,जिला उपाध्यक्ष नीतीश कुमार,प्रखंड उपाध्यक्ष राहुल सिंह,सहित सैकड़ों छात्र छात्राएं मौजूद थे।

छात्र युवा अधिकार मोर्चा की बैठक में बेटुलकला पंचायत कमेटी का गठन

जिला के अंतिम व्यक्ति को सक्षम, सबल और स्वावलंबी बनाना है लक्ष्य: संतोष

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। छात्र युवा अधिकार मोर्चा की बैठक रविवार को बेटुलकला पंचायत में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रामगढ़ जिलाध्यक्ष शाहबाज अनवर गोल्डी ने बैठक किया। जबकि बैठक में मुख्य रूप से छात्र युवा अधिकार मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष संतोष महतो और संस्थापक सदस्य मुनिनाथ महतो उपस्थित हुए। इस दौरान बैठक में सर्वसम्मति से बेटुलकला पंचायत कमेटी का गठन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए संतोष महतो ने कहा कि छात्र युवा अधिकार मोर्चा क्षेत्र में जनहित के मुद्दों के समाधान के लिए अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। ज़िले के सरकारी कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाला संगठन है। जिले के अंतिम व्यक्ति को सक्षम, सबल और स्वावलंबी बनाने के लिए प्रयासरत है। बैठक का धन्यवाद ज्ञापन शहादत हूसैन ने करते हुए कहा कि बेटुलकला पंचायत कमेटी के नवनियुक्त सदस्य प्रखण्ड में जनहित के कार्यों और मुद्दों पर लड़ाई लड़ेंगे और हक अधिकार को मजबूत करेंगे।

सर्वसम्मति से बेटुलकला पंचायत कमेटी का गठन

इस दौरान बैठक में 'स्याम' संगठन के पंचायत कमेटी का गठन करने को लेकर पंचायत के बेटुलकला, बेटुल खुर्द, बीसा, तांडिल, पतरातू, बंदरचूआं और गुटइयल के लोग शामिल हुए। जहां सर्वसम्मति से गुरुचरण करमाली अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष असगर अली और पंचायत कोऑर्डिनेटर के रूप में बिरु मुण्डा का चयन हुआ। जबकि, कोषाध्यक्ष सतेंद्र महतो, कार्यक्रम प्रभारी बसंत बेदिया, प्रवक्ता राधेश्वर कुमार महतो, राजकुमार महतो, शहादत हुसैन, प्रखण्ड उपाध्यक्ष अमृत महतो, भोटन महतो, सनोज महतो, दीपक महतो, धिरेन मुर्मू, पंचायत सचिव पवन महतो, देवलाल महतो, धर्मेंद्र महतो, पंचायत मीडिया प्रभारी उत्तम महतो, सद्दाम अंसारी, संदीप महतो, मृत्युंजय महतो बनाए गए। वही, संरक्षक सोरावन तुडु, एमडी जिलानी, इबरार अंसारी, सिकंदर अंसारी, जाहिद अंसारी, झलाल अंसारी, शाहिद अंसारी, अली हसन, बबलू महतो का चयन किया गया।

बैठक में ये थे उपस्थित

बैठक में जिला उपाध्यक्ष हेमंत कुमार महतो, सुलेंद्र महतो, मोहीबुला, बसंत कुमार, उत्तम कुमार, मुनिनाथ महतो, हरीश महतो, श्रीकांत महतो, शहादत हुसैन, असगर अली, शंकर महतो, भोटन महतो, रूपलाल मुंडा, ताहिर, सुरेंद्र महतो, शंकर महतो, सतीश महतो, देवदत्त महतो, देवलाल महतो, हरीश शर्मा, सोनू ठाकुर, राजकुमार महतो, परमेश्वर महतो, कुंवर महतो, हरीश प्रभाकर आदि उपस्थित थे।

मांडू में विकास समिति की बैठक संपन्न, कमेटी का गठन

अध्यक्ष कृष्ण साहू और उपाध्यक्ष बने संतोष राम

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़/मांडू। मांडू डीह के प्राचीन शिव मंदिर में रविवार को विकास समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता सुरेश प्रसाद साहू एवं संचालन अमित कुमार के द्वारा की गई। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर गंभीरतापूर्वक विचार विमर्श किया गया। जिसमें समिति का गठन, समिति के पदाधिकारी का चुनाव, जोड़ा तालाब के विकास के संबंधी विचार आदि बिंदुओं पर चर्चा किया गया। बैठक में समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संचालन के लिए पांच पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। जिसके बाद समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष कृष्ण साहू, उपाध्यक्ष संतोष राम, सचिव कुलदीप प्रसाद, सहसचिव अमित कुमार, कोषाध्यक्ष महेश प्रसाद को चुना गया। बैठक में मुख्य रूप से अमित कुमार, नवरतन कुमार (ननकु), दशरथ साहू, पवन कुमार, बैजनाथ राम, महादेव साहू, कृष्ण कुमार, गौतम साहू, रामनारायण प्रसाद, ज्वाला प्रसाद, रोहित साहू, महेश प्रसाद, बंशी साहू, संतोष राम, भरत नारायण साहू, अशोक कुमार, रमेश साहू सहित अन्य उपस्थित थे।

वोल्कन बजाज शोरूम में पल्सर पी 150 का लांच आज

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। शहर के टायर मोड़ स्थित वोल्कन बजाज शोरूम में सोमवार को बजाज कंपनी की नयी पल्सर पी 150 का लांच किया जायेगा। उक्त बातों की जानकारी देते हुए कंपनी के बिजनेस हेड आदित्य कुणाल ने बताया कि बजाज ऑटो ने भारत में अपनी दमदार बाइक नई पल्सर पी 150 लांच की हैं। यह अत्यधिक चुस्त और तेज रफ्तार बाइक होने के साथ ही आधुनिक, स्पॉर्टी डिजाइन के साथ पेश की गयी हैं। इस बाइक में नया एयरो डायनेमिक थ्री डी फ्रंट दिया गया हैं। इसकी एक्स शोरूम सिंगल डिस्क वेरिएंट की कीमत लगभग 1 लाख 17 हजार और डबल डिस्क वेरिएंट की कीमत लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये हैं। यह दोनों वेरिएंट 5 रंगों में उपलब्ध होगी। उन्होंने ग्राहकों से अपील करते हुए कहा कि बाइक की लांच प्रोग्राम में आये और बाइक को टेस्ट ड्राइव करें।

गोला रोड रेलवे स्टेशन पर ओवरब्रिज निर्माण की स्वीकृति मिली

गोला (आजाद सिपाही)। गोला रोड रेलवे स्टेशन पर ओवरब्रिज निर्माण की स्वीकृति मिली है। सांसद जयंत सिन्हा के प्रयास से ओर रेलवे विभाग के तरफ से गोला रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज का निर्माण होगा। बताया गया कि इस स्टेशन से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही थी। घंटो फाटक बंद होने से लोग फंसे रहते थे। खास कर एंबुलेंस वाहनों के लिए काफी समस्या उत्पन्न हो रही थी। इसे देखते हुए ओवरब्रिज बनाया जाना है। ओवरब्रिज बनने से गोला वासियों को ओर रांची से दुमका जाने वाले लोगों के साथ किसान, स्कूल कॉलेज के छात्र छात्राओं को काफी सुविधा होगी। बताया गया कि पूर्व में गोला रोड रेलवे स्टेशन पर खिजरी विधानसभा के पूर्व विधायक सह रेलवे विभाग के सदस्य रामकुमार पाहन के साथ रेलवे विभाग के टीम का दौरा हुआ था।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की राशि का हो रहा दुरुपयोग

जिनका केवल घर है, वैसे लोग भी ले रहे हैं सम्मान निधि का लाभ

संतोष कुमार

पतरातू। केन्द्र सरकार के द्वारा तीन साल पूर्व किसानों को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना नामक स्कीम को कृयांवित की गई थी। इसमें किसानों को एक वर्ष में 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तों में कुल 6 हजार रुपये उनके खातों में दिये जाने हैं। और यह योजना बीते तीन साल से चल रही है। किसानों के खाते में केन्द्र सरकार के द्वारा लगातार राशि भेजी जा रही है। परंतु प्रखंड में सैकड़ो की संख्या में ऐसे फर्जी किसान इसका लाभ लगातार ले रहे हैं। जिनके पास उतनी ही जमीन है, जिसमें वे घर बनाकर रह रहे हैं। या फिर घर के आगे व पीछे कुछ डीसमिल जमीन खुला छोड़ दिए है। वैसे लोग अपने आप को किसान कह रहे है। इससे सरकार के उद्देश्य में पलीता लगाया ही जा रहा है। वहीं दूसरी ओर ऐसे लोगों के लाभ लेने से वैसे किसान इसका लाभ लेने से वंचित रह जा रहे हैं। जो वास्तव में खेती किसानी करते हैं। क्योंकि योजना में रिक्ति ही नहीं बची है। बताया जाता है कि पतरातू प्रखंड में करीब 8 हजार किसानों को इसका लाभ मिल रहा है। और प्रत्येक वर्ष करोड़ो रुपये पतरातू प्रखंड के किसानों के खातों में लगातार पहुंच रही है। योजना के लागु होने के समय जल्दबाजी में बगैर किसी जांच पड़ताल के सैकड़ो अयोग्य लाभुकों को इसमें जोड़ दिया गया था। जरुरत है कि अब ऐसे अयोग्य तथाकथित किसानों का नाम इस योजना के लाभुक की सूची से हटाया जाये और योग्य लाभुकों का नाम इस सूची में जोड़ा जाये। तभी केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनाया जा सकता है।

अखिल झारखंड महिला महाधिवेशन कोनार डैम के लिए रामगढ़ से भारी संख्या में लोग रवाना

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। कोनार डैम स्थित आयोजित अखिल झारखंड महिला अधिवेशन मे रामगढ़ नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज महतो के नेतृत्व में हजारों की संख्या में नगर परिषद के महिला कमेटी शामिल होने के लिए रवाना हुए। रवाना होने से पूर्व मनोज महतो ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला सम्मेलन किया जा रहा है। पूरे राज्य भर से महिला लोग एकत्रित होंगे और केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो एवं गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के विचारों को सुनेंगे। इसमें मुख्य रूप से अरविंद महतो अमर लाल महतो राजेंद्र महतो वार्ड पार्षद देवधारी महतो रोशन महतो ललिता देवी शंकर मिश्रा सोमू खान सत्येंद्र महतो करण कुमार देवा महतो सीता देवी लाजवंती देवी आशा देवी तारा देवी संगीता देवी लीला कुमारी पिंकी देवी मंजू देवी यशोदा देवी ललन सिंह अनिल पटेल नीतीश निराला कैलाश महतो लालबाबू मुंडा नरेश महतो गुड्डी देवी बबीता देवी अनीता देवी सुमन देवी अनीता देवी सावित्री देवी साबिया देवी कामनी देवी आदि लोग महिला अधिवेशन में शामिल होने के लिए रवाना हुए।

पासवान कल्याण समिति पतरातू प्रखंड कमेटी ने की बैठक, अध्यक्ष शशि और सचिव रोशन बने

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। पासवान कल्याण समिती पतरातू की बैठक रविवार को भुरकुंडा पंचायत भवन में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में समिती के संस्थापक खजांची राम, अध्यक्ष उपेंद्र पासवान, सचिव इंद्रदेव पासवान, कार्यकारी अध्यक्ष प्रभु पासवान उपस्थित रहे। बैठक में समाज के उत्थान, शिक्षा, और एकजुटता पर चर्चा की गई। बैठक में पतरातू प्रखंड युवा पासवान कल्याण समिति का गठन किया गया। समिती का गठन युवा समिती के संरक्षक सुरेंद्र पासवान मुखिया अजय पासवान, विजेंद्र पासवान, संजय पासवान की देखरेख में किया गया। अवसर पर संस्थापक खजांची राम ने कहा कि समिती का गठन 1980 में किया गया था। जो निरंतर 43 वर्षों से समाज को जोड़कर चल रहा है। युवा कमेटी के गठन से समाज को और ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम हो सकेगा।नवगठित कमेटी में अध्यक्ष शशि कुमार पासवान, सचिव रोशन पासवान, उपाध्यक्ष अनिल पासवान, प्रमोद पासवान, सह–सचिव उपेंद्र पासवान डॉ. रविंद्र पासवान, कोषाध्यक्ष प्रेम पासवान, दीपक, पासवान, उप कोषाध्यक्ष वृद्धा पासवान, कार्यकारी अध्यक्ष अमरनाथ पासवान, अजय पासवान, मिडीया प्रभारी प्रेम पासवान, धर्मेन्द्र पासवान, कार्यकारणी सदस्यों में सोनू पासवान, राहुल पासवान, आकाश पासवान, विनोद पासवान, विशाल, अजीत, प्रमोद, संदीप, अभिषेक, गौतम, सुनिल, दीपक पासवान को बनाया गया।.युवा कल्याण समिती के अध्यक्ष शशि पासवान ने कहा कि जो पदभार सौंपा गया है उसपर खरा उतरने का काम करूंगा। समाज के कमजोर और मजबूर लोगों की मदद की जायेगी। बैठक में भगतू राम, अमित पासवान, रविन्द्र पासवान, पंकज पासवान, मनीष पासवान, राजु पासवान, प्रेम पासवान, प्रकाश पासवान, मिथुन पासवान, अजय पासवान, इंद्र राम सहित अन्य मौजूद थे।

स्थानीय विस्थापित मोर्चा ने बैठक में बनायी आंदोलन की रणनीति

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। स्थानीय विस्थापित मोर्चा का बैठक जय नगर पंचायत में हुआ जिसकी अध्यक्षता कुलदीप यादव और संचालन अजीमाखातून एवं आशिया खातून ने संयुक्त रूप में किया। जिसमें बलकुदरा खदान में को लेकर की चर्चा हुई। कहा गया कि पूर्व में दिये गये ज्ञापन पर प्रबंधक की रवैये को देखते 21 दिसंबर को विशाल जुलूस निकाला जाएगा। पहल नहीं होने पर आगामी सात जनवरी को पारंपरिक हथियार के साथ बलकुदरा खदान पहुंचकर प्रदर्शन किया जाएगा। कहा गया कि ट्रांसपोर्टिंग का काम स्थानीय लोगों को नहीं दिया गयातो खदान को अनिश्चित कालीन बंद कर डेरा डाल दिया जाएगा।बैठक में देव नाथ यादव, विजय उरांव, सदाम अंसारी, अलादीन अंसारी, मोहित यादव, तौफीक अंसारी, संदीप कुमार, अमित कुमार, अमर कुमार बिष्णु मुंडा, दीपक प्रजापति, रोशन कुमार, लीला देवी, गुलब्सा परवीन, इस्मत जहां ,रुकसाना खातून, सीमा देवी, झनों देवी सहित अन्य मौजूद थे।

गीता पाठ के मौके पर जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी हुए शामिल, किया स्वागत

इटखोरी (आजाद सिपाही)। गीता जयंती पर रविवार को प्रखंड कृषि फार्म में स्थित निमार्णाधीन संकट मोचन मंदिर में गीता के श्लोकों के उच्चारण के साथ हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी के साथ श्रद्धालु तथा संकट मोचन सेवा समिति के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर पवित्र भगवत गीता पुस्तक का भी वितरण हुआ। पुजारी के द्वारा संपूर्ण साढ़े 700 श्लोकों का पाठ किया गया। पूजा अनुष्ठान संपन्न हो जाने के पश्चात समिति के सदस्यों ने जिला परिषद के उपाध्यक्ष का फूल माला पहनाकर अभिनंदन किया। मौके पर प्राचार्य डॉ दुलार हजाम, देवकुमार सिंह, लखन राम, शंकर सिंह, प्रभु दांगी, दीपनारायण सिंह, भाष्कर सिंह, राजेन्द्र चौरसिया समेत लोग मौजूद थे।

खतरे में गोला का 2300 वर्ष पुराना प्राचीन बौद्धमठ

अंजनी कुमार

गोला। गोला प्रखंड में स्थित 2300 वर्ष पुराना खीरी बौद्धमठ का अस्तित्व आज खतरे में है। यह मठ अपनी विशालता एवं भव्यता सहित पहचान बचाने के लिए जीर्णोद्धार की बाट जोह रहा है। जबकि पुरातात्विक विभाग ने कई बार इस बौद्ध मठ का निरीक्षण किया है। इसके बाद भी आज तक यह धरोहर पर्यटन स्थल नहीं बन सका न जीर्णोद्धार हो सका। यह प्रखंड के लोगों एवं आने वाली पीढ़ी के लिए दुर्भाग्य भरा ही है। इस मामले में सरकारी तंत्र से लेकर मंत्री, विधायक, सांसद एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित जिला प्रशासन ने ऐतिहासिक धरोहर को बचाने को लेकर कभी ईमानदारी से इच्छाशक्ति के साथ पहल ही नहीं की। यह मठ रामगढ़-बोकारो मार्ग एनएच 23 के में गोला प्रखंड में मठवा टांड में स्थित है। मठ के नजदीक खीरी का पेड़ रहने के कारण इसे खीरी मठ कहा जाता है। हालांकि कुछ लोग इस नाम को भगवान बुद्ध को सुजाता द्वारा यहीं खीर खिलाए जाने के प्रसंग से भी जोड़कर देखते है। लंबे समय से रखरखाव नहीं हो पाने के कारण अब यह मठ ध्वस्त होने के कगार पर है। इसके बाद भी सड़क किनारे अब भी यह मठ सिर उठाये शान से अपने अतीत की कहानी बयां करते हुए खड़ा है। अभी भी इसकी सुंदरता देखते ही बनती है। जानकार बताते है कि इसके संस्थापक सम्राट अशोक है। ओडिशा से लौटने के क्रम में ही सम्राट अशोक ने यहां पर मठ का निर्माण कराया। उपदेश स्वरूप ब्राह्मी लिपि व खरोष्ठी लिपि में मठ की दीवारों पर कुछ उपदेश और चिन्ह अंकित हैं। जो अभी भी मिटा नहीं है।

निर्माण में ईंट और पत्थर दोनों का इस्तेमाल किया गया है

लगभग 30 फिट के इस वर्गाकार मठ में एक ही दरवाजा है। यह 60 फिट ऊंचा है। मठ के ऊपर का भाग मंदिरनुमा है। ऊपर का भाग में जाने के लिए ऊपर में ही दरवाजा है। ऊपर की दीवारों में चारों ओर अनेक छोटे-छोटे चित्र है। इसकी बनावट काफी प्राचीन है। इसके निर्माण में ईंट और पत्थर दोनों का इस्तेमाल किया गया है। वर्ष 2008 में रामगढ़ जिला प्रशासन ने जिला में अवस्थित धरोहरों को पर्यटन स्थल में विकसित करने की योजना बनायी थी। जो अबतक धरी की धरी रह गई। पुरातत्व विभाग को इसके संरक्षण एवं विकास के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि इस धरोहर को बचाया जा सके।

समान नागरिक संहिता की तैयारी

भाजपा कई वर्षों से लगातार वायदा कर रही है कि वह सारे देश में सबके लिए निजी कानून एक-जैसा बनायेगी। वह समान नागरिक संहिता लागू करने की बात अपने चुनावी घोषणा-पत्रों में बराबर करती रही है। निजी मामलों में समान कानून का अर्थ यही है कि शादी, तलाक, उत्तराधिकार, दहेज आदि के कानून सभी मजहबों, जातियों और क्षेत्रों में एक-जैसे हों। भारत की दिक्कत यह है कि हमारे यहां अलग-अलग मजहबों में निजी-कानून अलग-अलग तो हैं ही, जातियों और क्षेत्रों में अलग-अलग से भी ज्यादा परस्पर विरोधी परंपराएं बनी हुई हैं। जैसे हिंदू कोड बिल के अनुसार हिंदुओं में एक पत्नी विवाह को कानूनी माना जाता है, लेकिन शरीयत के मुताबिक एक से ज्यादा बीवियां रखने की छूट है। भारत के कुछ उत्तरी हिस्सों में एक औरत के कई पति हो सकते थे। भारत के दक्षिणी प्रांतों में मामा-भांजी की शादी भी प्रचलित रही है। आदिवासी क्षेत्रों में बहु पत्नी प्रथा अभी भी प्रचलित है। इसी तरह से पति-पत्नी के तलाक संबंधी परंपराएं भी अलग-अलग हैं। यही बात पैतृक संपत्ति के उत्तराधिकार पर भी लागू होती है। इन सवालों पर संविधान सभा में काफी बहस हुई और नीति निर्देशक सिद्धांतों में समान सिविल कोड की बात कही गयी, लेकिन आज तक किसी केंद्र या प्रादेशिक सरकार की हिम्मत नहीं पड़ी कि सबके लिए एक-जैसा निजी कानून बना दे। अब खुशी की बात है कि उत्तरप्रदेश, गुजरात, असम और उत्तराखंड की सरकारों के साथ-साथ मध्यप्रदेश की सरकार भी समान आचार संहिता लागू करने की तैयारी कर रही है। वैसे भारत में जन्मे धर्मों हिंदू, जैन, सिख, बौद्ध आदि मतावंलबियों पर तो यह पहले से लागू है लेकिन ईसाई, मुसलमान, यहूदी आदि विदेशों में जन्मे धर्म के लोग अपने मजहबी कानूनों को ही लागू करने पर अड़े हुए हैं। इसे वे भाजपा की हिंदूकरण की रणनीति ही मानते हैं। ऐसे लोगों से मुझे यही पूछना है कि आप अपने धर्म का पालन करना चाहते हैं या विदेशियों की नकल करना चाहते हैं? क्या इस्लाम, ईसाइयत, यहूदी और पारसी धर्म का पालन तभी होगा, जब हमारे मुसलमान अरबों की, हमारे ईसाई यूरोपियों की, हमारे यहूदी इसराईलियों की और हमारे पारसी ईरानियों की नकल करें? जब हमारे हिंदुओं ने पुरानी परंपरा को त्याग दिया, तो हमारे मुसलमानों को भी डेढ़ हजार साल पुरानी अरबों की पोंगापंथी परंपराओं के अंधानुकरण की क्या जरूरत है।

भारत की दिक्कत यह है कि हमारे यहां अलग-अलग मजहबों में निजी-कानून अलग-अलग तो हैं ही, जातियों और क्षेत्रों में अलग-अलग से भी ज्यादा परस्पर विरोधी परंपराएं बनी हुई हैं।

फिरायालाल वाला अलबर्ट एक्का

सुनील बादल

3 दिसंबर 1971 को 20 गोलियां लगने के बाद भी अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने प्राणों की बाजी लगाकर दुश्मन पाकिस्तान के बंकर को नष्ट करनेवाले बिहार-झारखंड के एकमात्र परमवीर अलबर्ट एक्का की मूर्ति राजधानी रांची के महात्मा गांधी सड़क के चौराहे पर लगी है, पर इस चौराहे को राजनीतिक झंडों से विकृत करने वाले नेताओं, सरकारों और मीडिया ने भी चार दशकों बाद चौराहे को फिरायालाल चौक के रूप में ही याद रखा है, जो शहीदों का अपमान लगता है। इसी प्रकार रिम्स बने डेढ़ दशक हो गये पर आरएमसीएच का बोर्ड सड़क पर अभी भी मुंह चिढ़ा रहा है। कांके रोड सीएम आवास के पास जस्टिस एलपीएन शाहदेव अभी भी हॉट लिप्स चौक के रूप में याद किया जाता है। महात्मा गांधी रोड की तरह इस पर स्थापित लाला लाजपत राय चौक शायद ही कोई बता सके। सुजाता चौक सभी जानते हैं। महाराजा अग्रसेन चौक अभी भी लालपुर चौक ही है।

अलबर्ट एक्का को श्रद्धांजलि देते गुमला के उनके जन्मस्थान जारी को 19 मार्च 2010 को अलबर्ट एक्का प्रखंड बनाया गया, जिसके पांच पंचायतों में 60 गांव हैं। 30 हजार 926 आबादी वाले कुछ गांवों में सोलर से बिजली जलती है, पर ग्रामीण विद्युतीकरण अधिकांश गांवों में बिजली नहीं पहुंचा पायी है। टेन प्लस टू स्कूल में महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षक नहीं। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा जैसे विभाग पूर्व के डुमरी से संचालित हो रही हैं। लोग 70 किमी दूर गुमला या छत्तीसगढ़ के जशपुर में जाकर इलाज कराते हैं। अस्पताल भी अधूरा है। परमवीर चक्र विजेता शहीद अलबर्ट एक्का के नाम से बने गुमला के जारी प्रखंड को 12 साल हो गये, पर प्रखंड, अंचल, थाना तथा बीआरसी को छोड़ कर अधिकांश विभाग आज भी डुमरी प्रखंड से संचालित हो रहे हैं।

सबसे घनी जनजातीय आबादी वाला गुमला जिला का यह क्षेत्र परमवीर अल्बर्ट एक्का के नाम पर बहादुर सैनिकों की भर्ती का बड़ा केंद्र हो सकता था और लोगों का प्रेरणा स्रोत भी, लेकिन दिखावटी राजनीति और सरकारों की उपेक्षा के कारण सिर्फ सजावटी विकास का प्रतीक बनकर रह गया है अल्बर्ट एक्का प्रखंड।

पंजाब को वीर भूमि कहा जाता है और वहां शहीदों को सम्मान देने के लिए मंदिरों, गुरुद्वारों जैसे प्रमुख स्थलों में शहीदों के नाम की पट्टिकाएं लगायी जाती हैं और लोग बहुत श्रद्धा से उन्हें याद करते हैं, जबकि झारखंड, बिहार जैसे राज्यों में मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों में अपनी नाम पट्टिका लगाने की होड़ मची रहती है जिसमें नेता सबसे आगे रहते हैं। उसके लिए लड़ाई हो जाती है। जिस समाज में शहीदों का सम्मान न होता हो, शहीदों की शहादत को प्रेरणा न माना जाता हो और उनकी विधवाओं या आश्रितों को मिलने वाले मुआवजे या अन्य लाभ के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हो, वहां नौकरी की इच्छा करने वाले सैनिक तो शायद बहुत मिल जायेंगे, लेकिन अपने प्राणों की बाजी लगाकर देश के लिए अपना बलिदान देने वाला अल्बर्ट एक्का शायद दुर्लभ हो सकता है। यह अलग बात है कि झारखंड भी वीरों की भूमि है और अपने आत्मसम्मान, स्वाभिमान और देश की रक्षा के लिए कुर्बानी देने वालों का बहुत बड़ा इतिहास है, लेकिन सवाल समाज, सरकारों और मीडिया से भी जो इन शहीदों के प्रतीकों को आज भी पुराने व्यावसायिक नामों से याद करते हैं और इसीलिए नयी पीढ़ी के बच्चे पूछते हैं कौन अल्बर्ट एक्का फिरायालाल चौक वाला?

अभिमत
आजाद सिपाही

विश्व मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने में हमें कई दशक लगे हैं। अगले वर्ष, जब भारत जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, तब हमारे पास यह शानदार अवसर होगा कि हम आगे की राह दिखायें तथा तकनीकी आत्मनिर्भरता और विदेशी सोर्सिंग के बीच संतुलन बिठा सकें। एक प्रधानमंत्री का कर्तव्य होता है कि वह एक राष्ट्रीय परिकल्पना प्रस्तुत करे।

भारत की शतकीय पारी और विज्ञान: विकसित देश होने की राह पर

गौतम आर देसिराजू और शरण शेट्टी

15 अगस्त, 2022 को जब भारत ने आजादी के 75 वर्ष पूरे कर लिये, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सबका आह्वान किया था कि हम उस यात्रा में शामिल हो जायें, जिसमें भारत 2047 तक एक विकसित देश के रूप में परिवर्तित हो जायेगा। यही वह वक्त है, जब एक आजाद देश के रूप में भारत अपनी शतकीय पारी पूरी करेगा। प्रधानमंत्री के वक्तव्य की मुख्य विशेषताओं में इस यात्रा के तीन पड़ावों का जिक्र था - यह तथ्य कि हम आकांक्षी समाज बन गये हैं, यह कि अब भारतीयों में सांस्कृतिक व सभ्यतामूलक पुनर्जागरण हो रहा है और यह कि विश्व में हम अपना अधिकारपूर्ण स्थान प्राप्त करने का जो दावा कर रहे हैं, उसे अब पूरी दुनिया गंभीरता से ले रही है। हर चीज की योजना के लिए 25 वर्षों का समय कोई लंबा समय नहीं होता और यह बिलकुल साफ है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में ठोस प्रगति किये बिना, विकसित होने के इस तमगे को प्राप्त करना कठिन होगा। अगर विकसित देश का दर्जा हासिल करना है, तो भारतीय विज्ञान के लिये उसी के अनुरूप ठोस रोडमैप तैयार करना होगा। पिछले सप्ताह बाली, इंडोनेशिया में जी-20 की अध्यक्षता प्राप्त करते समय इन मुद्दों को रेखांकित किया गया था। विशेष रूप से देखा जाये, तो विज्ञान-20 या एस-20 साइंस इंगेजमेन्ट ग्रुप को सरकार ने स्थापित किया है।

इस समय हम अपने सकल घरेलू उत्पाद का 0.8 प्रतिशत शिक्षा और अनुसंधान पर खर्च करते हैं।

बिना वक्त गंवाये, केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने एस-20 शिखर बैठकों की तैयारी का जायजा लेने के लिए एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। एस-20 शिखर बैठक अगले वर्ष कोयंबटूर में होगी, जिसकी विषयवस्तु डिसरप्टिव साइंस फॉर इनोवेटिव एंड सस्टेनेबल गोल है। इस शिखर बैठक के दौरान रिसर्च इनोवेशन इनीशियेटेड गैदरिंग (आरआइआइजी) विषय पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। आरआइआइजी बैठक के उप-विषयों में सतत ऊर्जा के लिये सामग्रियां, वैज्ञानिक चुनौतियां व सतत ब्लू इकोनॉमी, जैव-विविधता और जैव-अर्थव्यवस्था की प्राप्ति के लिए अवसर तथा ऊर्जा अंतरण के लिए आर्थिक-नवोन्मेष शामिल हैं। सरकार को उम्मीद है कि शिखर बैठक सहयोगात्मक वातावरण को बढ़ावा देगी, जहां पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के लिये प्रारूपों को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा प्रौद्योगिकी स्थानांतरण, वैश्विक स्टार्ट-अप इको-प्रणाली की रचना तथा आइपी शेयरिंग पर आग्रह एजेंडा का हिस्सा होंगे।

विश्व मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने में हमें कई दशक लगे हैं। अगले वर्ष, जब भारत जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, तब हमारे पास यह शानदार अवसर होगा कि हम आगे की राह दिखायें तथा तकनीकी आत्मनिर्भरता और विदेशी सोर्सिंग के बीच संतुलन बिठा सकें। एक प्रधानमंत्री का कर्तव्य होता है कि वह एक राष्ट्रीय परिकल्पना प्रस्तुत करे। इस क्रम में प्रतिष्ठित प्रधानमंत्रियों ने अतीत में जय जवान, जय किसान और जय विज्ञान के रूप में इसे प्रस्तुत किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने इसमें अब जय अनुसंधान को जोड़ दिया है। विज्ञान और शोधात्मक नवोन्मेष बहुत महत्त्वपूर्ण हो गये हैं। वे निरंतरता और समावेशिता के मद्देनजर जन-परिवेश में भी शामिल हो गये हैं। यह बहुत खास बिंदु है, क्योंकि कोई भी देश मात्र समान उच्च जीवन मानकों के बल पर विकसित अर्थव्यवस्था नहीं बना है। उसके लिए विज्ञान और अनुसंधान व विकास प्रक्रिया में भारी निवेश भी करना पड़ता है, जिसके तहत विज्ञान प्रयोगशालाओं से निकल कर जन-मानस तक पहुंच जाता है। हमारे औपनिवेशिक दुर्भाग्य ने हमें विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा को पश्चिम की तुलना में 150 वर्ष तथा चीन की तुलना में मोटे तौर पर 30 वर्ष पीछे कर दिया। हमने जो 25-वर्षीय योजना बनायी है, उसे हासिल किया जा सकता है - लेकिन यह तभी होगा, जब हम बिल्कुल सटीक रणनीति के साथ योजना बनायेंगे और उस पर अमल करेंगे।

आंकड़ों के आधार पर देखें, तो इस वर्ष 7.8 प्रतिशत की विकास दर के बल पर वर्ष 2026-27 तक (यदि तेल की कीमतों में कोई भारी उलट-फेर न हो) हम पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे। जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा तक संभावित पहुंच के कारण सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि हम 2031-32 तक 9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तथा 2047 तक 40 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकते हैं। इस स्थिति में हम सिर्फ पीपीपी नंबरों के आधार पर नहीं, बल्कि पूर्ण मौद्रिक संदर्भों में दुनिया के तीन सर्वोच्च देशों में शामिल हो जायेंगे।

2047 का लक्ष्य हासिल करने के लिए हमें क्या करना होगा? आर जगन्नाथ और आशीष चंदोरकर ने स्वराज्य में जो लिखा है, हमें उस पर ध्यान देना होगा। इसके अतिरिक्त, मैं इसमें शिक्षा, फार्मा एवं महिला स्वास्थ्य सहित स्वास्थ्य, निर्यात, मांग-आपूर्ति के असंतुलन पर ध्यान देना, उर्वरक सहित पोषण, समुद्री और ध्रुवीय अनुसंधान सहित जल, जलवायु परिवर्तन, जिनोमिक्स, नैनोमेटीरियल सहित उन्नत पदार्थ, रोबोटिक्स, विद्युत और सौर ऊर्जा चालित वाहन, ड्रोन, वाह्य अंतरिक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी को आमतौर पर जोड़ना चाहूंगा। इसमें कुछ जरूरी सेक्टरों को भी जोड़ना उचित होगा, जहां विशेषज्ञों द्वारा संचालित वैज्ञानिक कार्य-पद्धति को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धात्मक प्रौद्योगिकी में बदलना शामिल है। विकसित देश बनने की सीढ़ी चढ़ते वक्त उद्योग को केंद्रीय भूमिका अदा करनी होगी, जिसमें सरकार मुख्य तथा सुविधा प्रदान करने वाली भूमिका में होगी। इन सबको वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के संदर्भ में लेना होगा। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला देशों के बीच एक नये युद्ध का औजार बन चुकी है - जिसे हम ठंडे स्थान पर गर्म युद्ध कह सकते हैं।

25 वर्ष की इस छोटी सी अवधि को मद्देनजर रखते हुए, हम कुछ अड़चन वाले क्षेत्रों में आयातित समाधानों की उपेक्षा नहीं कर सकते। इसके लिए भारत के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोची-समझी विदेश नीति की जरूरत है। हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि कोई भी देश परिस्थितियों को देखते हुये मित्र भी हो सकता है, तटस्थ हो सकता है या विरोधी भी हो सकता है। आर्थिक मोर्चे पर, तकनीकी मामलों को आगे बढ़ने, कौशल विकास, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बौद्धिकता तथा आपूर्ति श्रृंखला की खामियों पर भी ध्यान देना होगा; यह भारी-भरकम पैकेज है।

गैर-आर्थिक, गैर-वैज्ञानिक मामले भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं हैं। इन पर फौरन ध्यान देना होगा, वरना ये मुद्दे तकनीकी प्रगति के सारे प्रयासों को कमजोर कर सकते हैं। जगन्नाथन ने सात आपात मुद्दों की सूची बनायी है, जिन पर फौरन ध्यान जरूरी है: न्यायिक सेवा और कानून लागू करने की प्रक्रिया में सुधार; प्रशासनिक सुधार; उपरोक्त ठंडे स्थानों पर गर्म युद्ध को ध्यान में रखते हुए रक्षा सुधार तथा युद्ध में कृत्रिम बौद्धिकता का उपयोग; गहरे और आपाद संवैधानिक संशोधन, जिसके लिए संविधान सभा जैसी व्यवस्था दरकार हो; चुनाव सुधार, जो बुनियाद में बैठे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाये; सभ्यता संबंधी कामों को दोबारा करना; भारत की अस्मिता के साथ भारत के पुनर्जागरण का एकीकरण और अंत में केंद्र तथा राज्यों के बीच शक्तियों का विकेंद्रीकरण। इनमें से कुछ मुद्दे अन्यों की अपेक्षा भारतीय वैज्ञानिक क्रांति को ज्यादा प्रभावित करते हैं, लेकिन कोई भी गैर-जरूरी नहीं है।

अपने मौजूदा प्रशासनिक और प्रबंधन ढांचे को देखते हुए हम कैसे इस महत्वाकांक्षी सूची में दर्ज मामलों को पूरा करेंगे? प्रगति का एक महत्वपूर्ण अंग है शिक्षा का उचित प्रबंधन। भारत की आजादी के बाद से जितनी भी सरकारें आयीं, उन सबने सबको शिक्षा को सुगम बनाने का मार्ग बनाया। आइआइएससी, आइआइटी और आइआइएम जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों ने दुनिया के सामने यह झांकी पेश की कि भारत क्या-कुछ करने की क्षमता रखता है। इस सबके बावजूद हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए तथा उसके लिए आमूल अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए अभी बहुत-कुछ करने की जरूरत है। इस समय हमें पूरी तरह उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की जरूरत है, यदि आवश्यक हुआ, तो निजी विश्वविद्यालयों में। वैज्ञानिक उत्कृष्टता के अभाव में, गुणवत्ता एवं परिमाण की दृष्टि से हमें विकसित देश बनने का कोई मौका नहीं मिल सकता।

इस संबंध में प्रथम चिंता निवेश की है। इस समय हम अपने सकल घरेलू उत्पाद का 0.8 प्रतिशत शिक्षा और अनुसंधान पर खर्च करते हैं। इस आंकड़े को बढ़ाने की जरूरत है, यानी वह सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 3-4 प्रतिशत तो हो। चीन ने 1990 के आसपास ही इस मद में भारी निवेश करना शुरू कर दिया था। इसका नतीजा आज सबके सामने है कि वहां फलता-फूलता वैज्ञानिक इको-सिस्टम मौजूद है। अपनी बहाल होती अर्थव्यवस्था को देखते हुए सरकार के भरोसे ही बैठ रहना, ठीक नहीं होगा। शिक्षा के क्षेत्र में निजी सेक्टर की भूमिका न केवल जरूरी है, बल्कि सजग नियमों के तहत उसे आगे भी बढ़ाना जरूरी है।

बहरहाल, एक और पक्ष भी है, जिस पर विचार करने की जरूरत है। एक बार फिर 25 वर्ष की छोटी सी अवधि को देखते हुए हम कह सकते हैं कि शिक्षा में जो भी बुनियादी बदलाव किया जायेगा, उसके नतीजे 15 वर्षों के बाद ही नजर आयेंगे। इसलिए हमें एक ऐसी रणनीति की फौरन जरूरत है, जो इस समय हमारे पास मौजूद संसाधनों के इस्तेमाल में वृद्धि कर सके। इस बीच, सरकार को भी वित्तपोषण, प्रवेश और प्रशासन के मामले में शिक्षण संस्थानों को चलाने के काम से दूरी बना लेनी चाहिए। केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के बीच की असमानताओं को दूर करना होगा, क्योंकि छात्रों की एक बड़ी तादाद राज्य विश्वविद्यालों में ही पायी जाती है।

भारत का प्रौद्योगिकीय और अनुसंधान एवं विकास कार्य का बोझ अभियान-आधारित सरकारी प्रयोगशालाओं को वहन करना चाहिए और इनके जिम्मे शैक्षिक कार्य नहीं होना चाहिए। साथ ही कॉर्पोरेट अनुसंधान प्रयोगशालाओं को भी सरकारी प्रयोगशालाओं के साथ अनुबंध करके उपरोक्त काम पूरा करना चाहिए। आइआइटी से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे वृद्धि, आर्थिक उपयोग तथा आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की समस्याओं का समाधान करेंगे। उनकी गतिविधियां ज्यादा से ज्यादा अच्छे स्टार्ट-अप तक हो सकती हैं, लेकिन यह भी कोई बड़ा और बुनियादी कारनामा कर दिखाने के लिए अपर्याप्त होगा, जिसकी भारत-2047 को जरूरत है। अमेरिका 1950 के दशक की शुरुआत में वानेवर बुश के काम को तेजी से आगे बढ़ाने में सफल रहा। इसका कारण था अकादमिक जगत, उद्योग और सरकार तथा ज्यादातर उनकी रक्षा प्रयोगशालाओं के बीच सटीक तालमेल। चीन के असैन्य-सैन्य तालमेल के तहत भी यह रणनीति चलायी जा रही है। हमें किसी भी कीमत पर इससे कम नहीं रहना है। परमाणु ऊर्जा विभाग इस बात की शानदार मिसाल है कि कैसे एक सरकारी वैज्ञानिक विभाग को संगठित करना चाहिए, जो शैक्षिक जिम्मेदारियों से मुक्त हो।

उल्लेखनीय है कि परमाणु हथियार बनाने के लिये आणविक सामग्री फिसाइल यू-235 जरूरी होती है। इसके लिये यूरेनियम अयस्क का आयात करना पड़ता है, जिसके लिए 1950 के दशक में हमारे ऊपर कठोर प्रतिबंध लगे थे, तब भारत ने अपने समुद्री किनारों की रेत में मौजूद मोनाजाइट से थोरियम निकालने का रास्ता तैयार कर लिया था। यूरेनियम की कम मात्रा में उपलब्धता की तुलना में दुनिया में भारत में सबसे ज्यादा थोरियम मिलता है। भारत ने तय किया है कि 2047 तक वह अपनी बिजली की मांग का 30 प्रतिशत हिस्सा थोरियम से पूरा करेगा। हमारा शस्त्र कार्यक्रम और ऊर्जा आवश्यकता के पास थोरियम प्रौद्योगिकी के रूप में अनुसंधान एवं विकास में हमारी प्रगति का मजबूत सहारा मौजूद है। यह सब इसलिए संभव हुआ क्योंकि परमाणु ऊर्जा विभाग को यह अनुमति दी गयी थी कि वह खुद अपने वैज्ञानिकों (और बहुत छोटी संख्या में छात्र-कर्मचारियों) के समूह का सावधानीपूर्वक चयन करे। जरूरत इस बात की है कि यह प्रावधान समस्त गैर-शैक्षणिक वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं और संस्थानों पर लागू किया जाये, जिनके पास फौरन अपनाने योग्य प्रौद्योगिकियों, सामरिक सुरक्षा और उत्पादों एवं सेवाओं में विज्ञान के तीव्र निरूपण का दायित्व है।

कब, क्या और कैसे की परिभाषित करने के बाद अब जरूरत है राजनीतिक इच्छा-शक्ति की, ताकि इन बदलावों को आकार दिया जा सके। इसके आधार पर हम दुनिया में वास्तविक रूप से विकसित राष्ट्र के रूप में 2047 तक अपना सिर गर्व से ऊंचा कर पायेंगे।

(लेखक : गौतम आर देसिराजू इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, विज्ञान में सेवारत हैं और भारत सरकार के एस-20 इंगेजमेंट ग्रुप के सदस्य हैं। शरण शेट्टी स्वराज्य के एसोशिएट संपादक हैं।)

जमशेदपुर की खबरें

जमशेदपुर उपायुक्त समेत अन्य अधिकारियों ने पोटका में सबर जनजाति के लोगों के बीच खुशियां बांटी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर की सामाजिक संस्था ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से रविवार को पोटका प्रखंड के एक गांव में सबर जनजाति के लोगों के बीच खुशियां बांटी गयी। इस दौरान उनके बीच कंबल, गर्म कपड़े आदि का वितरण किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में जिले की उपायुक्त विजया जाधव, एडीएम लॉ एंड आर्डर नंद किशोर लाल, डीडीसी सौरव कुमार, एसडीएम पीयूष सिन्हा एवं ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित थे। पोटका के इस छोटे से गांव में सबर जनजाति के लोग रहते हैं, कुल आबादी मात्र 98 है। इसमें आधी जनसंख्या महिला और आधी पुरुषों की है। गांव में कुल 18 बच्चे हैं, जिनकी उम्र शून्य से 7 वर्ष के बीच और 17 युवतियां हैं। इनके बीच जीवन के अनमोल क्षणों को साझा करते हुए ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के सदस्यों ने वृद्धों को कंबल, महिलाओं को शॉल, बच्चों को खिलौना, स्वेटर और कॉपी-किताब बांटा। कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के सरपरस्त सैयद आसिफ अख्तर, शाहिद परवेज, करीम सिटी कॉलेज मास कम्युनिकेशन के साजिद, अफताब आलम, मोहम्मद एजाज अंसारी की सराहनीय भूमिका रही। संस्था के सदस्यों ने इन लोगों के साथ दोपहर का भोजन भी किया।

संस्था के अध्यक्ष मतिनुल हक अंसारी ने बताया कि आज के दिन को उनलोगों ने खूब सेलिब्रेट किया है। सचिव मुख्तार आलम खान ने कहा कि वर्ष की बेहतरीन पिकनिक भी मनायी है। बता दें कि एडीएम लॉ एंड ऑर्डर जमशेदपुर नंद लाल किशोर की निगरानी और सहयोग से आज का कार्यक्रम संपन्न किया गया है। इस संबंध में संस्था के अध्यक्ष ने बताया कि संस्था ने एडीएम लॉ एंड ऑर्डर जमशेदपुर नंद लाल किशोर जी के साथ पहले भी बहुत सारे सामाजिक कार्य किए जा चुके हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मो इजाज, मो शमीम, अफताब आलम, अनिल मंडल, अयूब अली, मासूम खान, हाजी सिद्दीक अली एवं हाजी अयूब अली उपस्थित थे।

रेड क्रॉस सोसाइटी का 662वां नेत्र शिविर

26 रोगियों की आंखों का ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम, राम मनोहर लोहिया नेत्रालय द्वारा चिमनलाल भालोटिया सेवा संस्थान, राजस्थान सेवा सदन तथा जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति के सहयोग से स्व. सविता देवी-नगिन भाई पारिख की स्मृति, रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर स्टील सिटी के संयोजन में जमशेदपुर के बागबेड़ा थाना चौक स्थित राम मनोहर लोहिया नेत्रालय में 662वें नेत्र शिविर के ऑपरेशन सत्र का उद्घाटन राम मनोहर लोहिया नेत्रालय के अध्यक्ष बालमुकुन्द गोयल, रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह तथा समाजसेवी चन्द्रमोहन सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

नेत्र चिकित्सक डॉ बीपी सिंह, डॉ भारती शर्मा, डॉ पूनम सिंह एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम द्वारा 26 नेत्र रोगियों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण किया।

रेड क्रॉस कार्यकर्ता राकेश मिश्र, राजू बिन्द, किशन अग्रवाल, प्रकाश मिश्र, आशीष कुमार, राधेश्याम कुमार ने नेत्र शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

शिविर का संचालन कर रहे रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को ऑपरेशन कराये नेत्र रोगियों के आंखों की पट्टी खोलकर अंतिम जांच की जायेगी तथा आवश्यक चश्मा व दवा प्रदान कर नेत्र रोगियों को विदा किया जायेगा।

कोकपाड़ा के नूतनडीह में कुड़मी संस्कृति विकास समिति का मेगा रक्तदान शिविर आयोजित, 446 यूनिट रक्त संग्रह

घाटशिला (आजाद सिपाही)। घाटशिला अनुमंडल के कोकपाड़ा के नूतनडीह प्रावि में रविवार को कुड़मी संस्कृति विकास समिति धालभूमगढ़ के तत्वावधान में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद विद्युत वरण महतो और विशिष्ट अतिथि नयी दिल्ली के गुरु गोविंद सिंह अस्पताल के सीएमओ आदित्य महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में 446 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा की कुड़मी संस्कृति विकास समिति द्वारा हर वर्ष मेगा रक्तदान शिविर आयोजित कर रक्त संग्रह कर जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराने का सराहनीय कार्य कर रही है।

108 कुंडीय नव चेतना गायत्री महायज्ञ को लेकर किया गया भूमि पूजन

मंझिआंव (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत रेफरल अस्पताल के समीप आयोजित 108 कुंडीय नव चेतना महायज्ञ सह मां गायत्री एवं वैष्णो देवी की प्राण प्रतिष्ठा हेतु नवनिर्मित गायत्री शक्तिपीठ मंदिर परिसर में भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन में शामिल मातारानी के भक्तों के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया था। जिसमें भूमि पूजन के उपरांत भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में शामिल सभी बच्चे एवं अभिभावकों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। गौरतलब है कि नवनिर्मित गायत्री शक्तिपीठ मंदिर परिसर में मां गायत्री एवं मां वैष्णो देवी की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। जिसको लेकर अखिल विश्व गायत्री परिवार, प्रज्ञा मंडल मंझिआंव के द्वारा प्राण प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ दिनांक 3 जनवरी 2023 से 5 जनवरी 2023 तक वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ आयोजन किया जाएगा। भूमि पूजन में नागेंद्र सिंह, वीरेंद्र सोनी, धर्म शिला देवी तथा अखिल विश्व गायत्री परिवार के सभी सदस्य शामिल थे।

संचार कौशल सह अंग्रेजी कार्यशाला का आयोजन

कांडी (आजाद सिपाही)। संचार कौशल सह अंग्रेजी कार्यशाला का एक दिवसीय आयोजन रविवार को कांडी मुख्य बाजार के गोपाल पांडेय के आवास पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांडी पंचायत के मुखिया विजय राम ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं कार्यक्रम का संचालन शंकर प्रताप देव उच्च विद्यालय हरिहरपुर के अंग्रेजी विषय के टीजीटी शिक्षक श्रीवत्स गर्ग ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कक्षा 8वीं से 12वी के मध्य बच्चों के बीच निःशुल्क चार्ट पेपर, कलम और कॉपी का वितरण किया। मौके पर शिक्षक गर्ग ने जानकारी देते हुए कहा कि उनके द्वारा यह 85वीं कार्यशाला का आयोजन किया गया है। वहीं उन्होंने विद्यार्थियों को कॉमनिकेशन स्किल, ग्रामर तथा अंग्रेजी विषय के महत्व को समझाया। कार्यशाला में सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित थे। मौके पर अजय कुमार सिंह, अवधेश पाल, गोपाल पांडेय, संतोष शुक्ला सहित कई लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम : सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज गढ़वा में एनसीसी डे कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्र की रक्षा के लिए सैनिक हैं एनसीसी के अनुशासित कैडेट : अमिताभ मुखर्जी

सांस्कृतिक कार्यक्रम में अव्वल प्रदर्शन के लिए जैनेन्द्र कुमार को प्रथम, पूजा कुमारी को द्वितीय और साक्षी कुमारी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज गढ़वा में एनसीसी डे का आयोजन किया गया। एनसीसी की 74वीं वर्षगांठ पर आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर अमिताभ मुखर्जी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अनुशासित एनसीसी कैडेट्स देश की रक्षा के लिए तैयार हैं। ये किसी सैनिक से कम नहीं हैं। इस मौके पर एनसीसी कैडेट्स उदबोधन और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन कमांडिंग ऑफिसर श्री मुखर्जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके पूर्व सीओ एवं अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। माथे पर तिलक लगाकर एवं बुके प्रदान कर उन्हें सम्मान दिया गया। स्वागत गीत, नृत्य के माध्यम से कैडेट्स ने अपने हुनर का प्रदर्शन किये। सांस्कृतिक कार्यक्रम में अव्वल प्रदर्शन के लिए जैनेन्द्र कुमार को प्रथम, पूजा कुमारी को द्वितीय और साक्षी कुमारी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। एनसीसी के छात्र-छात्राओं ने परेड और सैल्यूट कर अपनी दक्षता और अनुशासन से सीओ को आह्लादित कर दिया।

इस मौके पर सीओ अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा के लिए शैक्षणिक संस्थानों में छात्र-छात्राओं को सैनिक प्रशिक्षण और फोर्स में नौकरी के लिये दक्ष-अनुशासित युवा को तैयार करने की चुनौती को देखते हुए एनसीसी की स्थापना की गई थी। आज इस महान संस्था के 74 वर्ष पूरे हो गए हैं। एनसीसी के माध्यम से लाखों युवाओं को फोर्स में शामिल होकर न सिर्फ राष्ट्र की रक्षा का मौका मिल रहा है बल्कि उन्हें स्थायी और सरकारी नौकरी भी मिली है। आपदा के दौरान यही बच्चे अपना सर्वस्व न्यौछावर करने को आतुर हो जाते हैं। यानी समाजसेवा के लिए भी उनके दिमाग में प्रोगामिंग की जाती है।

उन्होंने एनसीसी डे पर सभी को शुभकामनाएं दी। साथ ही एनसीसी कैडेट्स को 100 प्रतिशत रिजल्ट देने का संदेश दिया। इस मौके पर सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज के एनसीसी पदाधिकारी लेफ्टिनेंट धीरेंद्र कुमार मिश्र, प्राचार्य रविन्द्र द्विवेदी ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स के अलावे सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज शिक्षक-कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ सत्यदेव पांडेय, अखिलेश पाठक, अरुण तिवारी, आरआर मिश्र, अखिलेश शुक्ला, एनसीसी के पूर्व कैडेट्स प्रिंस तिवारी सहित कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन कैडेट्स किरण कुमारी और मयंक कुमार ने किया

मुखिया ने किया पांच दिवसीय उद्यानिकी कार्यशाला का उद्घाटन

कार्यशाला में प्रशिक्षकों ने किसानों को जैविक खेती करने की दी विधिवत जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा। प्रखंड अंतर्गत कटहर कला पंचायत भवन परिसर में उद्यानिकी प्रशिक्षण कृषि सहकारिता विभाग की ओर से पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुखिया कलावती देवी की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

प्रशिक्षण में शामिल 35 उद्यानिकी मित्र किसानों को सब्जी पालन से संबंधित जानकारी दी गई। सहकारिता विभाग के बिरसा एग्रीकल्चर रांची से आये प्रशिक्षक सुनील कुमार ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से किसानों को समृद्ध बनाने के लिए तरह-तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं को संचालित किया जा रहा है, लेकिन जानकारी के अभाव में योजनाओं का लाभ लेने से किसान वंचित रह जाते हैं। इसी को ध्यान में रखकर किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रखंड उद्यान मित्र मनोज कुमार ने किसानों को जैविक खेती करने के लिए विधिवत जानकारी दी। साथ-साथ मशरूम की खेती, मधुमक्खी पालन, फलों की उन्नत खेती एवं फूलों को खेती करने के बारे में जानकारी दी। यह कार्यक्रम 4 दिसंबर 2022 से 8 दिसंबर 2022 तक चलेगा।

मौके पर रामेश्वर राम, सुधीर मेहता, रामचंद्र मेहता, सुरेश उरांव, नागेंद्र विश्वकर्मा, झूलन बैठा, लाल बहादुर बैठा, अशोक चौधरी, राजेंद्र राम इत्यादि मौजूद थे।

योग शिविर प्रारंभ, सहायक योग शिक्षक प्रशिक्षण के लिए रजिस्ट्रेशन जारी

60 लोगों का रजिस्ट्रेशन होने पर सहायक योग शिक्षकों का दिया जाएगा प्रशिक्षण : नागेंद्र तिवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान न्यास के तत्वाधान में शनिवार को कृषि विज्ञान केंद्र के प्रशाल में योग शिविर का शुभारंभ किया गया। पतंजलि के सह राज्य प्रभारी रासबिहारी तिवारी, जिला प्रभारी नरेंद्र तिवारी, योग शिक्षक सुशील केसरी, प्रोफेसर मानस देने, मेराल के पूर्व प्रमुख विकास सिंह कुशवाहा, एसबीआई एटीएम के प्रबंधक कन्हैया लाल गुप्ता आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में योग शिक्षक सुशील केसरी के द्वारा योग के विभिन्न आसन, प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए उससे होने वाले फायदे के बारे में विस्तार से बताया गया। उस मौके पर रासबिहारी तिवारी ने योग का जीवन में महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक जीवन शैली ने मन-शरीर के संबंधों में सामजंस्य खो दिया है, जिससे उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर जैसी कई तनाव-आधारित बीमारियां हो रही हैं। इन बीमारियों को रोकने के लिए तथा बेहतर जीवन जीने के लिए सभी को योग करना अनिवार्य है।

भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी नागेंद्र तिवारी ने कहा कि सहायक योग शिक्षक प्रशिक्षण के लिए रजिस्ट्रेशन जारी है। 60 लोगों का रजिस्ट्रेशन होने पर प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में योग के मूलभूत सिद्धांत, अष्टांग योग, एक्यूप्रेशर, घरेलू उपचार योग दर्शन, हठयोग का संक्षिप्त परिचय, रोगानुसार योग का प्रशिक्षण जिला स्तरीय प्रशिक्षित योग शिक्षक के साथ-साथ हरिद्वार के साधकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने युवाओं को योग शिक्षक बनने का सुनहरा अवसर बताते हुए रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की।

योग शिविर में मुख्य रूप से राम दास साहू, एसबी एकेडमी के निदेशक मदन यादव, रामप्रवेश कुशवाहा, अमोद कुमार, सूर्य देव दुबे, गोपाल मिश्रा, ब्रजेश चौबे, डॉ तान्या, दिलीप कुमार तिवारी सहित कई लोगों ने योग का अभ्यास किया।

सेंट्रल पब्लिक स्कूल में अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी का आयोजन

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सेंट्रल पब्लिक स्कूल कांडी में अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने बच्चों को विद्यालय से घर पर जाने के बाद के क्रियाकलापों पर जिक्र किया। वहीं सड़की निवासी अभिभावक व भूतपूर्व शिक्षक रामनरेश पांडेय ने विद्यालय के सभी शिक्षकों को कई अति महत्वपूर्ण टिप्स दिये। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि बच्चों की लिखावट पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। विद्यालय परिवार की ओर से विद्यालय के निर्देशक विकास कुमार सोनी ने उपस्थित सभी अभिभावकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि अभिभावकों के द्वारा दिये गए सभी सुझावों को विद्यालय में जल्द ही पालन किया जाएगा। इस अवसर पर निर्देशक के द्वारा सेकेंड टर्मिनल में ली गयी परीक्षा का परिणाम भी घोषित किया गया। मौके पर शिक्षक लालमुनी राम, सुदर्शन राम, अर्पण कुमार, सूरज विभूति, शिक्षिका ज्योति कुमारी, अंजू, पुष्पा सहित कई अभिभावक उपस्थित थे।

ला. नंदलाल प्रसाद गुप्ता ने छह टीबी मरीजों के बीच प्रोटीन युक्त आहार किट का किया वितरण

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भारत सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा चलाया गया टीवी मुक्त भारत 2025 बनाने में सभी लोग बढ़-चढ़ कर अपनी भूमिका निभा रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को लायंस क्लब ऑफ गढ़वा विशाल के पदाधिकारी ला० नन्दलाल प्रसाद गुप्ता ने गढ़वा जिले से छह टीवी मरीजों को गोद लिया है और उन्हें दवा व इलाज के साथ बेहतर खान पान देकर उन्हें स्वस्थ बनाने के लिए संकल्प लेते हुए आज सभी छह मरीजों के बीच प्रोटीन युक्त आहार का किट मरीजों के बीच वितरण किया गया। लायंस क्लब इंटरनेशनल के फुड फॉर हॅगर के तहत लायंस विशाल कार्यालय पुराना बस स्टैंड गढ़वा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फुड फॉर हंगर कार्यक्रम में लायंस विशाल से ब्रजमोहन प्रसाद, रघुवीर प्रसाद कश्यप, गिरीश कमलापुरी एवं अन्य शामिल थे।

रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव की पत्नी के निधन पर शोक सभा का आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। रेडक्रॉस के चेयरमैन डॉ एमपी गुप्ता की अध्यक्षता में रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉक्टर ज्वाला प्रसाद सिंह की पत्नी के निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्व. किरण सिंह एक कुशल गृहणी के साथ-साथ सामाजिक कार्य में रुचि लेने वाली एक मृदुभाषी महिला थीं। उनके निधन से हुई क्षति को पूरा नहीं किया जा सकता। इस मौके पर सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई कि ईश्वर मृतक की आत्मा को स्वर्ग में चीर शांति प्रदान करें एवं उनके परिजनों को इस कष्ट को सहने की शक्ति दें। बैठक में रेड क्रॉस के वाइस चेयरमैन विनोद कमलापुरी, कोषाध्यक्ष बृज मोहन प्रसाद, एक्सक्यूटिव कमेटी के सदस्य सर्वश्री अलखनाथ पांडे, विजय केसरी, प्रोफेसर उमेश सहाय, अवधेश कुशवाहा, मनोज केसरी, दिलीप सोनी, रामशंकर जायसवाल, शिवप्रसाद गुप्ता, प्रितम जायसवाल आदि सदस्य उपस्थित थे।

संबद्ध डिग्री कॉलेज महासंघ की बैठक में पांच सूत्री प्रस्ताव पारित

संगठन की मजबूती के लिए सभी स्थायी एवं अस्थायी डिग्री कॉलेजों में महासंघ की ओर से विजिट कर सदस्यता अभियान चलाने का लिया गया निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। संबद्ध डिग्री महाविद्यालय महासंघ नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय इकाई की विशेष बैठक रविवार को जीएलए कॉलेज मेदिनीनगर पलामू के कैंपस में महासंघ के अध्यक्ष प्रो. विवेकानंद उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सभी स्थाई तथा अस्थाई संबद्ध डिग्री महाविद्यालयों के महाविद्यालय कर्मी शामिल हुए।

बैठक में सर्वसम्मति से पांच सूत्री प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में महासंघ द्वारा विश्वविद्यालय को पूर्व में दिए गए 11 सूत्री मांग पत्र पर आश्वासन दिये जाने के बावजूद लागू नहीं किये जाने पर क्षोभ व्यक्त किया गया एवं दीक्षांत समारोह में संबद्ध महाविद्यालयों के कर्मियों के साथ किए गए दुर्व्यवहार के मामले में भी कार्रवाई नहीं किये जाने पर नाराजगी जतायी गयी।

बैठक में संगठन की मजबूती के लिए सभी स्थाई तथा अस्थाई डिग्री कॉलेजों में महासंघ की ओर से विजिट कर सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। साथ ही बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व में किए उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन एवं प्रायोगिक परीक्षा की पारिश्रमिक राशि का शीघ्र भुगतान करने के लिए परीक्षा नियंत्रक से आग्रह करने, मूल्यांकन कार्य हेतु दिए जा रहे ठहराव भत्ता महंगाई को देखते हुए बढ़ाने तथा उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन केंद्र गढ़वा में भी बनवाने की मांग विश्वविद्यालय से की गयी।

बैठक में सम्बद्ध डिग्री महाविद्यालयों से संबंधित किसी भी दस्तावेज, अनुदान, संबंद्धन दीर्घीकरण, पद सृजन कंक्रेंस जैसे मामले को विश्वविद्यालय में जिस भी स्थाई तथा अस्थाई संबद्ध डिग्री कॉलेजों का लंबित है, उसे शीघ्र प्रस्ताव राज्य सरकार के शिक्षा विभाग में विश्वविद्यालय द्वारा भेजने की मांग की गयी।

साथ ही साथ पीएचडी इन्टरेन्स परीक्षा नियमित रूप से नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित करने की मांग की गयी।

बैठक में संबद्ध महाविद्यालय महासंघ के महासचिव डा. बंशीधर सिंह, मीडिया प्रभारी प्रो. कमलेश कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव डा. संजीत कुमार, बनवारी साहू, लातेहार कॉलेज के डा. अनुपम मिश्रा, एसपीडी कॉलेज गढ़वा के प्रोफेसर निकलेश चौबे, प्रोफेसर परवेज आलम, डा. अरविंद गुप्ता, एमके कॉलेज पांकी के प्रोफेसर नागेंद्र साहू, प्रोफेसर राजीव रंजन, संत तुलसीदास कॉलेज रेहला के डॉ श्याम मिश्रा, जेसीबी कॉलेज छतरपुर के अपराजिता प्रकाश, एसएसएमएस डिग्री कॉलेज तरहसी के प्रो. धीरेंद्र कुमार तथा प्रो. नेहा कुमारी, गोपीनाथ सिंह महिला कॉलेज गढ़वा की डॉक्टर शीशम साहू, डा. मकबूल मंजर तथा प्रो. रश्मि सिन्हा आद मौजूद थे।

बैठक : श्री कृष्ण गौशाला समिति, गढ़वा के सदस्यों की आमसभा में लिये गये कई महत्वपूर्ण निर्णय

सर्वसम्मति से समिति ने बस स्टैंड के सभी करारों को किया रद्द

गौशाला समिति की भूमि पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर के द्वारा बिना सहमति के किये गये शिलान्यास की तीव्र भर्त्सना की गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। श्री कृष्ण गौशाला समिति, गढ़वा के सदस्यों की एक आमसभा श्रीराम लला मंदिर परिसर में आयोजित की गई। आमसभा की अध्यक्षता महेंद्र प्रसाद एवं संचालन रमेश कुमार दीपक ने किया। आमसभा में सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए।

श्री कृष्ण गौशाला समिति एवं गढ़वा नगर पंचायत (नगर परिषद) के बीच हुए बस स्टैंड से संबंधित सभी करारों, करार को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया एवं जिस दिन तक गौशाला की भूमि पर बस स्टैंड रहेगा उस दिन तक का पैसा गौशाला समिति, गढ़वा नगर परिषद से लेगी। जिसकी लिखीत जानकारी नगर परिषद, गढवा को जल्द ही श्री कृष्ण गौशाला समिति, गढ़वा द्वारा दी जायेगी। सभी बकाया राशि भुगतान हेतु जल्द ही नगर परिषद को नोटिस देने का निर्णय लिया गया।

श्री कृष्ण गौशाला समिति, गढ़वा का पैसा जिन लोगों के पास बाकी है यदि जल्द ही वो बकाया राशि गौशाला समिति के पास जमा नहीं करते हैं तो वकालतन नोटिस उनको भेजा जाएगा एवं कानूनी कार्रवाई उनके विरुद्ध की जाएगी।

जो भी गौशाला सदस्य लगातार तीन बैठकों में बगैर उचित कारण बताये अनुपस्थित रहते हैं उनकी गौशाला समिति की सदस्यता समाप्त कर दी जायेगी।

श्री कृष्ण गौशाला समिति, गढ़वा की भूमि पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर के द्वारा गौशाला समिति के बिना सहमति के किये गये शिलान्यास की तीव्र भर्त्सना की गई।

गौशाला समिति के पूर्व में निर्मित संविधान में उचित संशोधन हेतु संविधान समिति का निर्माण किया गया, जिसमें अध्यक्ष, सचिव के अलावा अधिवक्ता गोपेश कृष्ण सिन्हा समेत पांच लोगों को समिति का सदस्य बनाया गया।

इन सभी प्रस्तावों के पास होने पर उपस्थित सदस्यों ने तालियां बजाकर स्वागत किया तथा हर प्रकार का सहयोग समिति को देने का वचन दिया।

बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष, सचिव के अलावा उपेंद्र सिंह, रितेश कुमार दुबे, श्यामसुंदर प्रसाद, कमलेश कुमार केशरी, बिजय केशरी, कमलेश कुमार गुप्ता, सुखबीर पाल, अवधेश कुशवाहा, डॉ डील्यू, श्यामानंद पाण्डेय, रमेश कश्यप, मनोज अग्रहरी, उमेश त्रिपाठी, विकेश सिंह, नितेश कुमार, अनुप कुमार, मनोज कुमार देव, दिनेश चौधरी, भोला गुप्ता, संतोष शौंडिक समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी जस्टिन केरकेट्टा के अंतिम संस्कार में जुटी भीड़

खेल संघ के पदाधिकारी, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, जनप्रतिनिधि सहित सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जताया शोक

आजाद सिपाही संवाददाता

सिमडेगा। 1978 वर्ल्ड कप हॉकी में भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी जस्टिन केरकेट्टा का दिल का दौरा पड़ने से शनिवार को निधन हो गया था। अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव कोलेबिरा प्रखंड के अघरमा कोरकों टोली में रविवार को किया गया। उनके अंतिम संस्कार में कोलेबिरा के विधायक विक्सल कोंगाड़ी, हॉकी झारखंड के उपाध्यक्ष सह सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोणबेगी, हॉकी झारखंड के संयुक्त सचिव माइकल लाल, हॉकी सिमडेगा के कोषाध्यक्ष कमलेश माझी, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी पुष्पा टोपनो, विश्वासी पूर्ति, सिपिरयन जोजो, प्रतिमा बरवा, मनोज टोप्पो, लालधन नायक सहित कई खेल प्रेमी खिलाड़ी जनप्रतिनिधि सामाजिक कार्यकर्ता, शुभचिंतक एवं परिवार के सदस्य शामिल थे। सर्वप्रथम आज कोलेवीरा के उनके निवास स्थल से शव यात्रा उनके गांव के घर तक गयी। गांव स्थित चर्च में प्रार्थना सभा की गयी तत्पश्चात गांव के पास स्थित कब्रिस्थान में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन पर इंटक नेता दिलीप तिर्की ने भी गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जस्टिन का जाना खेल जगत वह देश के लिए अपूरणीय क्षति है। इसके साथ ही उन्होंने परिजनों को ढाढस बंधाते हुए हमेशा साथ होने की बात कही। वहीं विधायक भूषण बाड़ा ने भी गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए इसे हाकी के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति बताया। साथ ही हॉकी जगत में हुई क्षति को सहज पूरा नहीं किया जा सकता है। साथ ही हॉकी क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों ने उनके अंतिम संस्कार में भाग लेकर शोक संवेदना व्यक्त की।

सेन्हा के महिला हत्याकांड का एसपी ने प्रेस कांफ्रेंस कर किया खुलासा

पति ने ही मारी थी गोली, गिरफ्तार

हत्या में प्रयुक्त एक देशी पिस्टल लोडेड मैगजीन सहित, तीन जिंदा कारतूस, एक खोखा बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र के चंदकोपा मे शनिवार को हुई महिला हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझा लिया है। महज 24 घंटे के अंदर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने महिला हत्याकांड का आरोपी उसके पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस गिरफ्त में आये आरोपी की पहचान प्रमोद प्रसाद साहू उर्फ बबलू पिता लक्ष्मी साहू के रूप में किया है। पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक देसी पिस्टल लोडेड मैगजीन सहित, तीन जिंदा गोली तथा एक खोखा और एक रिवाल्वर कवर बरामद की है। इस संदर्भ में सेन्हा थाना कांड संख्या 121/22, दिनांक 03.12.2022, धारा 302 भादवि एवं 25(1-बी)ए/26/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दी है। इस संदर्भ में पुलिस अधीक्षक आर राम कुमार ने पत्रकारों को बताया कि महिला की हत्या करने वाला कोई दूसरा नहीं बल्कि उसका पति ही था। आपसी विवाद के कारण पति प्रमोद प्रसाद साहू ने अपनी पत्नी उजज्वला देवी को तीन गोली मारकर हत्या कर दिया था। घटना को अंजाम देने के बाद भी पुलिस को गुमराह करने का आरोपी प्रयास करता रहा, लेकिन पुलिस की दबिश और लड़की के परिजनों द्वारा दिये गये बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी प्रमोद प्रसाद साहू उर्फ बबलू को गिरफ्तार कर लिया। वहीं हत्यारे द्वारा अपना गुनाह कबूल करते हुए हत्या के पीछे के कारणों में आपसी विवाद बताया है। पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त पिस्टल भी हत्यारे की निशानदेही पर पुलिस ने बरामद कर ली है। मृतक महिला के परिजनों ने पुलिस को बताया कि जुआ खेलने पर पत्नी उज्ज्वला देवी द्वारा रोक लगाने के कारण अक्सर उसके पति प्रमोद प्रसाद साहू लड़ाई झगड़ा करता था। उक्त बातें उज्ज्वला देवी फोन के माध्यम से अपने मायके में जानकारी देते हुए बताई थी कि इस वर्ष जुआ में काफी पैसा हार चुके है। मृतक महिला के पिता संजय प्रसाद ने पुलिस के समक्ष अपना बयान देते हुए कहा कि मेरी पुत्री का हत्या करने में मेरा दामाद प्रमोद प्रसाद साहू की संलिप्ता है। मामले में मृतका उज्वला देवी के पिता संजय साहू ने सेन्हा थाना में अपने दामाद प्रमोद प्रसाद साहू पिता लक्ष्मी साहू के विरुद्ध अपनी बेटी की गोली मारकर हत्या करने का मामला दर्ज कराया। हत्याकांड को लेकर पुलिस ने डीएसपी परमेश्वर प्रसाद की अगुवाई में छापामारी दल का गठन कर अनुसंधान शुरू की थी। अनुसंधान के क्रम में प्राथमिक अभियुक्त प्रमोद प्रसाद साहू को गिरफ्तार किया गया और पुलिस पूछताछ में उसने अपना अपराध भी स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त मैगजीन द्वारा लोडेड पिस्टल बरामद भी किया गया। छापामारी दल में डीएसपी मुख्यालय परमेश्वर प्रसाद, पुलिस निरीक्षक बनारसी प्रसाद, लोहरदगा थाना के थानेदार पंकज कुमार शर्मा, सेन्हा थाना के संतोष कुमार, एसटी एससी प्रभारी पोलीकार्प टोप्पो, राजेश शर्मा, अरविंद शर्मा, विनोद उरांव, जितेंद्र उरांव, बीना एक्का, ऑलिव प्रभा भेंगरा, मुकेश कुमार, सत्य किशोर कुमार समेत अन्य पुलिस के जवान शामिल है। बता दें कि शनिवार को सेन्हा थाना क्षेत्र के चांदकोपा गांव में उज्जवला देवी की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। महिला को पेट और बांह में दो गोली मारे जाने के बाद धारदार हथियार से भी कई वार किए गये थे। महिला का पति प्रमोद प्रसाद साहू ईंट भट्ठा व्यवसायी है। घटना के समय महिला घर में अकेली थी। महिला के दोनों बच्चे स्कूल गये हुए थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया था। मृतक का पति नकली शराब के मामले में चतरा उत्पाद विभाग द्वारा जेल भेजा गया था, फिलहाल वह जमानत पर चल रहा है।

सर्वसम्मति से प्रखंड स्तरीय मुखिया संघ का चुनाव संपन्न

भंडरा/लोहरदगा। भंडरा प्रखंड क्षेत्र के पझरी पहाड़ के समीप रविवार को भंडरा पंचायत मुखिया इंद्रदेव उरांव की अध्यक्षता में प्रखंड के अंतर्गत आने वाले 9 पंचायत के मुखियाओं की बैठक की गयी। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड स्तरीय मुखिया संघ बनाने एवं संघ के पदाधिकारियों का चुनाव करने पर विस्तार पूर्वक विचार विमर्श किया गया। सभी बिंदुओं पर विचार विमर्श के उपरांत सर्वसम्मति से भंडरा प्रखंड मुखिया संघ का अध्यक्ष परमेश्वर महली को बनाया गया। परमेश्वर महली उदरंगी पंचायत के मुखिया हैं। उपाध्यक्ष बड़ागाई पंचायत की मुखिया कईली उरांव एवं भीठा पंचायत मुखिया टेले को बनाया गया। सचिव गडरपो पंचायत के मुखिया सुमित उरांव, उप सचिव भंडरा पंचायत के मुखिया इंद्रदेव उरांव, कोषाध्यक्ष जमगाई पंचायत की मुखिया धनेश्वरी उरांव एवं अकाशी पंचायत की मुखिया बीतनी ऊराइन, मीडिया प्रभारी मसमानो पंचायत की मुखिया ममता कुमारी एवं सह मीडिया प्रभारी भौंरो पंचायत की मुखिया सुमंती तिग्गा को बनाया गया। नवनिर्वाचित मुखिया संघ के पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि जनमानस के कल्याण एवं योजना संबंधित सभी कार्य धरातल पर उतारने की दिशा में अग्रसर रहेंगे। प्रखंड प्रशासन से आपसी तालमेल एवं सामंजस्य स्थापित कर सरकार के द्वारा संचालित विविध योजना को पंचायत के अंतर्गत आने वाले गांव के प्रत्येक घर तक पहुंचाने का कार्य किया जायेगा।

सेन्हा में भू मापक अमीन प्रशिक्षण का उदघाटन

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के बेरोजगार शिक्षित युवक युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रखंड मुख्यालय स्थित सेन्हा पंचायत भवन में रविवार को भू मापक अमीन प्रशिक्षण का उद्घाटन प्रमुख फुलझरी उरांव, उप प्रमुख पॉल पन्ना, मुखिया धनवाज उरांव द्वारा फीता काटकर किया गया। वही प्रशिक्षण प्रभारी साहेबराव शर्मा ने बताया कि झारखण्ड सरकार के कृषि मंत्रालय के निदेर्शानुसार अपर समाहर्ता लोहरदगा के निर्देश पर स्वयं सेवी संस्था नवभारत निर्माण संस्था चास बोकारो के देख रेख में बेरोजगार शिक्षित युवक युवतियों से भू मापक अमीन प्रशिक्षण के लिये आवेदन लिया गया था। जिसमे प्रखंड क्षेत्र के अलावे रांची, गुमला और सिमडेगा जिला के युवक युवतियों ने भी आवेदन प्रपत्र भरा था। जिसमे 400 लोगों ने प्रशिक्षण के लिये आवेदन किया था। साथ ही बताया गया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रत्येक रविवार को 3-3 घंटे का 2 बैच में प्रशिक्षण दिया जायेगा। मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष अफरोज आलम,प्रशिक्षक धनेश राम के अलावे सैकड़ो युवक युवती उपस्थित थे।

बगडू में 29वां खान पर्यावरण और खनिज संरक्षण सप्ताह को लेकर तैयारियां जोरों पर

लोहरदगा। बागडू माइंस में खान प्रबंधक राज सिन्हा की अध्यक्षता में 29 वा खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह की तैयारी जोरों पर चल रही है। आयोजन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें खनन कर्मी, खान मजदूर व ग्रामीणों को पोस्टर, पंपलेट, फ्लेक्स के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। आगामी 6 दिसंबर को भारतीय खान ब्यूरो के निरीक्षक दल की टीम द्वारा पर्यावरण सप्ताह एवं खनिज संरक्षण सप्ताह की तैयारियों एवं विभिन्न बारीकियों का निरीक्षण करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रबंधक राज सिन्हा, प्रदीप कुमार, मनोज पांडे, भास्कर सिन्हा, अजय ठाकुर, अनिल सिंह, सुनील चौधरी, गौरी शंकर प्रसाद, निताई दंडपाट, रूपक दुबे, अभिषेक कुमार, अबीर, रानी शर्मा मुख्य रूप से शामिल हैं।

राज्य स्तरीय सीनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न

लातेहार। इंडोर स्टेडियम लातेहार में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय बैडमिंटन सीनियर (बालक/बालिका) प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह में लातेहार विधायक वैद्यनाथ राम एवं जिले के उपायुक्त भोर सिंह यादव ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दिया। विधायक वैद्यनाथ राम एवं उपायुक्त भोर सिंह यादव ने विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया। बालक सिंगल्स वर्ग में शांतनु शर्मा विजेता एवं प्रियांशु तिर्की उप विजेता हुए। बालिका सिंगल्स वर्ग में मनीषा रानी तिर्की विजेता एवं प्रज्ञा जे बोदरा उप विजेता हुई। बालक डबल्स वर्ग में सक्षम गुप्ता एवं अनुराग कुमार विजेता तथा अनिश कुमार मिश्रा एवं आकाश पंडित उप विजेता हुए। बालिका डबल्स वर्ग में देयसी कंजीबाल्या एवं मनीषा रानी तिर्की विजेता तथा अध्या सिंह एवं साराह शर्मा उप विजेता हुई। मिक्स्ड डबल्स वर्ग में विनय महतो एवं मनीषा रानी तिर्की तथा इमान्युएल जे कुजूर एवं योगिता बोड़ा उप विजेता हुए। इस मौके पर उप विकास आयुक्त लातेहार सुरेंद्र कुमार वर्मा, जिला योजना पदाधिकारी संतोष भगत, जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार सिंह, जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव जिला बैडमिंटन संघ के सचिव अजीत कुमार राणा एवं अन्य उपस्थित थे।

उग्रवादी घटना में मृत विकास साहू के परिजनों से मिले सांसद सुदर्शन भगत, बंधाया ढाढ़स

कुडू/लोहरदगा। उग्रवादी घटना में मृत विकास साहु के परिजनों से लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के सांसद सुदर्शन भगत मिलने पहुंचे। ज्ञात हो कि 15 नवंबर 2022 की संध्या छह से सात बजे के आसपास विकास साहु की हत्या कर दी गसी थी। बीच बचाव में विकास के चचेरे भाई राजेश साहू एवं विकास की पत्नी घायल हो गयी थी। जिसके कारण 16 नवंबर 2022 को आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध जताया था। प्रशासन के आश्वासन के बाद सड़क जाम हटाया गया। घटना को लेकर ग्रामीणों में आज भी भय एवं आक्रोश है। परिजनों का कहना है कि जो 16.11.22 को साथ खड़े दिख रहे थे वे ऐसे गायब हो गये जो समझ से परे है। सांसद सुदर्शन भगत ने मृतक विकास साहु की पत्नी से वादा किया कि जो भी आवश्यक सहयोग होगा किया जायेगा। गंभीर रूप से घायल रिम्स में इलाजरत राजेश साहू के स्वास्थ्य एवं इलाज से जुड़े मुद्दों पर भी जानकारी एवं चर्चा की गयी। इस दरम्यान अंचलाधिकारी कुडू प्रवीण कुमार सिंह से भी मोबाइल पर आवश्यक जानकारी ली गयी ताकि पीड़ित परिवार को आवश्यक सरकारी सुविधा का लाभ दिलाया जा सके। घायल राजेश साहू के इलाज को लेकर अंचलाधिकारी कुडू से बात की गयी। मृतक की बहन ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि आजतक हमलावर का गिरफ्तारी न होना चिंता का विषय है जो हमारी सुरक्षा के दृष्टिकोण से सोचनीय है। इस दरम्यान मंडलाध्यक्ष कुडू सुदामा प्रसाद, राममोहन साहू, नवीन कुमार टिंकू, सुरज साहू, शशि कुमार, राजू कुमार, राजेश कुमार, संजय सिंह अवर निरीक्षक, सुधांशु कुमार, अजय शर्मा,जयधन बैठा एवं लक्ष्मी नगर के कई नागरिक उपस्थित थे।

पूर्व सांसद इंदर सिंह नामधारी सहित कई नेताओं ने श्रद्धांजलि सभा में की शिरकत

बरवाडीह। बरवाडीह के युवा समाजसेवी और हर दिल अजीज साजन सिंह प्रभाकर की पहली पुण्यतिथि पर प्रखंड मुख्यालय के सुभाष चौक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य के प्रथम स्पीकर सह चतरा संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद इन्दर सिंह नामधारी समेत कई दिग्गज नेता, विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता, परिवार के सदस्य और उनके मित्रगणों ने शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके पूर्व रेलवे स्पोर्ट्स क्लब में स्व.साजन सिंह प्रभाकर की स्मृति में मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। जिसका उदघाटन स्व.प्रभाकर के पितातुल्य अखिलेश सिंह, कांग्रेस नेता रंजित कु.राजू, अधिवक्ता प्रिंस गुप्ता, काजमी अनवर, सामाजिक कार्यकर्ता ओमप्रकाश मेहता सहित अन्य गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। जिसके पश्चात बी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवर में 5 विकेट खोकर कुल 143 रन बनाए। बी टीम की ओर से कुंदन सिंह चौहान ने सबसे अधिक 68 रन बन बनाए। ए टीम के कप्तान दीपक राज ने 3 ओवर में 21 रन खर्च कर 3 विकेट हासिल किया। 144 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मॉर्निंग 11 ए टीम ने दस ओवरों में ही आठ विकेट से जीत हासिल कर ली। जिसमें सलामी बल्लेबाज दीपक चंद्रा ने 75 रन और करण मारकुश ने नाबाद 52 रन बनाए। जहां ओमप्रकाश मेहता ने बताया कि प्रभाकर समाजिक और धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया करते थे। सभी वर्गो के लोगों का हर संभव सहयोग करते थे। आज वह हम सबके बीच नहीं है, पर उनकी याद हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेगी और हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी। वहीं सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के अविनाश रंजन उर्फ सन्नी ने कहा कि सामाजिक कार्यों के साथ-साथ उन्हें क्रिकेट से भी बहुत प्रेम था। उनके द्वारा लगातार किए गए सामाजिक कार्यों का ही प्रतिफल है कि आज इतनी बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने आए हैं। मौके पर यूथ कॉग्रेस जिला उपाध्यक्ष हिमांशु गुप्ता उर्फ रिक्की, राजू सिंह, अशोक कुमार, अंकित कु गुप्ता, अशोक कुमार, दीपलेश सिंह, शुभम दुबे सहित कई लोग मौजूद थे।

झारखंड के सभी जिले में निकलेगी खतियानी जोहार यात्रा : विनोद पांडे

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावित खतियानी जोहार यात्रा की सफलता को लेकर रविवार को झामुमो महासचिव सह राज्य समन्वय समिति सदस्य विनोद पांडे लोहरदगा पहुंचे। झामुमो जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद की अगुवाई में विनोद पांडे का गर्मजोशी से झामुमो कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। शहर के बक्शीडीपा से बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता बाइक रैली के साथ शहर का परिभ्रमण किया। झामुमो महासचिव विनोद पांडे का स्वागत करते हुए सर्किट हाउस लाया। सर्किट हाउस परिसर में स्थानीय झामुमो नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ विनोद पांडे ने बैठक किया। कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन कर उनमें ऊर्जा का संचार किया। झामुमो कार्यकर्ता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खतियानी जोहार यात्रा को लेकर उत्साहित हैं। इस मौके पर झामुमो महासचिव विनोद पांडे ने मीडिया कर्मियों से कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 1932 खतियान जोहार यात्रा की शुरूआत गढ़वा जिला से करेंगे। पहले चरण में गढ़वा, डालटेनगंज, लातेहार, लोहरदगा, देवघर और गोड्डा जिले में यात्रा निकाली जायेगी। इस यात्रा को लेकर पूरे राज्य में झामुमो कार्यकताओं और राज्य वासियों में विशेष उत्साह है। विनोद पांडे ने कहा कि राज्य में जब से हेमंत सोरेन की सरकार बनी है तब से लगातार जन कल्याणकारी और राज्य वासियों की उम्मीदों को पूरा करने वाले कई फैसले लिए गये हैं। 1932 का खतियान के आधार पर स्थानीय नीति, सरना धर्म कोड, ओबीसी को 27% आरक्षण समेत कई महत्वपूर्ण निर्णय विधानसभा से पारित किया गया है। नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज को स्थगित कर तीन जिले के हजारों गांव के लोगों की चीर प्रतिक्षित मांग को पूरा किया गया। झामुमो और गठबंधन दलों के संकल्प पत्र को पूरा करने का लगातार प्रयास सरकार कर रही है। विनोद पांडे ने कहा कि राज्य में पहली बार मुख्यमंत्री आवास में लोगों का भारी संख्या में जमावड़ा घेराव करने के लिए नहीं आभार जताने के लिए उमड़ा है। विभिन्न स्तरों पर राज्य वासियों द्वारा लगातार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार व्यक्त किया जा रहा है। हेमंत सोरेन सरकार पर लोगों की उम्मीद और विश्वास बड़ी है। राज्य वासियों की भावना को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के सभी जिले में यात्रा निकालने का निर्णय लिया है। इस यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री राज्य की जनता से आभार लेंगे और उन्हें धन्यवाद देंगे। हेमंत सोरेन सरकार राज्य वासियों के विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरेगी। इस मौके पर झामुमो जिलाध्यक्ष मुजम्मिल अहमद, फागु बेसरा, ईजफर इकबाल, एनुल अंसारी, बालमुकुंद लोहरा, अनिल उरांव समेत बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे।

नेतरहाट आवासीय विद्यालय में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को याद किया गया

लातेहार। जिला के महुआडाड प्रखंड अंतर्गत नेतरहाट आवासीय विद्यालय मे विद्यालय के सभी शिक्षकों प्रशिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर विद्यालय के वरीय शिक्षक सह प्रभारी प्राचार्य डॉ पासवान के अलावा विद्यालय के सभी शिक्षक, प्रशिक्षक एवं छात्र उपस्थित थें। इस अवसर पर विद्यालय सम्मेलन भवन में प्रतिष्ठापित भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के प्रतिमा पर आज श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। साथ ही उनके याद मे विद्यालय परिसर मे वृक्षारोपण का कार्य कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। इस अवसर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ प्रसाद पासवान, डॉ शिशिर सौरभ, डॉ अभिषेक मिश्रा, मुकेश कुमार, रवीश कुमार, सिल्वेस्टर मुर्मू, अतुल रंजन एक्का, प्रशाशनिक पदाधिकारी रौशन कुमार बक्शी कृषि प्रशिक्षका ममता कुमारी। अलावा विद्यालय वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अपने संदेश में डॉ. प्रसाद पासवान ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद देश के प्रथम राष्ट्रपति एवं भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वे सादा जीवन उच्च विचार के पोषक तथा त्याग की प्रतिमूर्ति थे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया। उन्होंने भारत के संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वतंत्रता संग्राम एवं देश के प्रति योगदान के कारण डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि-हम सब उनके बताये मार्ग का अनुसरण करें यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

एंबुलेंस नहीं मिलने के मामले में कोई कार्रवाई नहीं : प्रतुल

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। बालूमाथ में एक आदिवासी मृतक के शव को घर ले जाने तक के लिए एंबुलेंस नही देने पर कार्रवाई की बात कहने वाली जिला प्रशासन ने 72 घंटे बीत जाने के बाद भी अबतक दोषियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की। मामलें पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने ट्वीट कर कहा की अबुआ राज की यही हकीकत है। आदिवासी पीड़ित के साथ अबतक न्याय नहीं हुआ। जिला प्रशासन ने कार्रवाई करने की बात कही, 72 घंटे बीत गये। प्रतुल ने अपने ट्वीट में कहा की अब तक जांच टीम ने रिपोर्ट ही तैयार नहीं किया है। यह ढुलमुल रैवया साफ दर्शाता है कि आदिवासियों की हितों की बात करने वाली राज्य सरकार की कथनी और करनी में कितना अंतर है। प्रशासन तत्काल संबंधित पदाधिकारी और बालूमाथ सीएचसी प्रभारी को निलंबित करें। प्रतुल ने अपने ट्वीट में मुख्यमंत्री और लातेहार उपायुक्त को टैग करते हुए कार्रवाई करने की मांग की और कहा की विभाग को तत्काल ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना की दोबारा ना हो। बता दे कि एक आदिवासी चंदरु लोहरा के पार्थिव शरीर को ठेले में लादकर घर ले जाया जा रहा था जो काफी विवादों में रहा था।

मकरा में ग्रामीण पक्की सड़क की अपने निजी कोष से करायी मरम्मत

बारियातु। प्रखंड के शिबला पंचायत अंतर्गत मकरा ग्राम निवासी सह समाज सेवी कुंदन कुमार सिंह व डब्ल्यू सिंह ने मकरा बाजार टांड से मकरा बस्ती तक लगभग आधा किलोमीटर ग्रामीण पक्की सड़क को अपने निजी कोष से मजदूरों के माध्यम से मरम्मत कराया। सड़क मरम्मत के संबंध में जानकारी देते हुए समाज सेवी कुन्दन ने बताया कि बीते दो वर्षों से मकरा ग्राम का मुख्य सड़क गड्ढा में तब्दील हो गया था। जिसकी सुचना कई बार प्रखंड कार्यालय व विभाग को लिखित तौर पर दिया गया था पर दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अब तक सड़क नहीं बनाया गया। जर जर सड़क रहने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था साइकल, मोटरसाइकिल दूर पैदल चलना भी दुश्वार हो गया था। हल्की बारिश में भी सड़क तालाब में तब्दील हो जाता था। जिसे देखते हुए मैं और डब्लू ने दस मजदूर लगा कर सड़क को मरम्मत कराया।मौके पर सोना गंझु, हिरा गंझु, हुसैनी गंझु, दिलिप सिंह, कैला भुईयां, आनन्द सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

चार दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का उदघाटन

बरवाडीह। बरवाडीह रेलवे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान में 12 बजे चार दिवसीय मुख्यमंत्री आमंत्रण कप फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख सुशीला कुमारी बीडीओ, पूर्वी जिला परिषद सदस्य कन्हाई सिंह, सांसद प्रतिनिधि कन्हाई प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि प्रेम कु सिंह उर्फ पिंटू ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया शुभारंभ। जिसके बाद सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन कर सम्मानित किया। खेल की शुरूआत बरवाडीह बनाम केचकी के बीच कराया गया। इस दौरान बीडीओ ने कहा, खेल प्रतियोगिता को छात्रों में अनुशासन के मूल्य को बढ़ाने, उनकी सीखने की शक्ति और टीमवर्क क्षमता में सुधार करने के अलावा तैयार किया गया है। वे शिक्षा के अलावा अन्य गतिविधियों में दक्ष हों। प्रतियोगिता उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका प्रदान कर रही है।वही इस दौरान मौके पर केचकी पंचायत के मुखिया बुद्धेश्वर सिंह कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष प्रिंस प्रसाद पंचायत समिति सदस्य प्रवीण कुमार ननदेव सिंह रंजीत कुमार राजू प्रेम कुमार अधूरा गोपाल राजवंशी नाजिम अनवर अनुरोध श्रीवास्तव शेख निजाम कृष्णा प्रसाद समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सुखाड़ फसल राहत योजना का अयुब खान ने किसानों के बीच प्रचार प्रसार कराने की उपायुक्त से मांग की

चंदवा। चंदवा कामता पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मुख्यमंत्री सुखाड़ फसल राहत योजना का प्रचार प्रसार किसानों के बीच कराने की मांग उपायुक्त से की है। कहा है कि झारखंड राज्य फसल राहत योजना/मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना के तहत सबसे पहले आवेदन एवं ईके ईकेवाईसी करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2022 तक थी। इसे बढ़ाकर आवेदन एवं ईकेवाईसी करने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2022 तक कर दिया गया है। अभी झारखंड सरकार ने फिर से झारखंड फसल राहत योजना में आवेदन करने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है ऐसे में जिन्होंने भी इस योजना के तहत आवेदन नहीं किया था। उन्हें इस योजना में पुनः आवेदन करने का अवसर प्रदान किया गया है। राज्य के सभी किसान नागरिक 15 दिसंबर 2022 तक अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर नए सिरे से इस योजना के तहत आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही जिन किसान भाइयों ने सितंबर माह में इस योजना में आवेदन किया था लेकिन अपना ईकेवाईसी नहीं करवाया था वे अपना ईकेवाईसी/अपटुडेट 15 दिसंबर 2022 तक अपने नजदीकी जन सेवा केंद्र/प्रज्ञा केंद्र में जाकर करवा लें। सितंबर माह में आवेदन ऑनलाइन करवाने वाले किसान यदि फिर से अपना ई केवाईसी/आधार अपटुडेट नहीं करवाएंगे तो वे सुखाड़ फसल राहत योजना की राशि से वंचित हो सकते हैं।

लोहरदगा में बिना ड्राइवर के ही एक किलोमीटर तक दौड़ता रहा कंटेनर, मची अफरातफरी

लोहरदगा। लोहरदगा के पतराटोली क्षेत्र में बीती रात एक स्क्रैप से लदा कंटेनर बिना ड्राइवर के ही लगभग एक किलोमीटर तक दौड़ता रहा। यह देख लोगों के होश उड़ गये दरअसल, ड्राइवर ने कंटेनर पर से नियंत्रण खो दिया था। जिसके बाद वह उससे कूद गया। लेकिन इसके बाद भी कंटेनर कई पेड़ों, बिजली के खंभों और दुकानों को चपेट में लेता हुआ सड़क पर दौड़ता रहा। यह हैरतअंगेज और डरावना दृश्य देखकर लोगों के होश उड़ गये और वहां अफरातफरी मच गयी। इसके बाद कंटेनर सड़क पर एक किलोमीटर तक चलते-चलते पतराटोली तक बिना ड्राइवर के ही पहुंचा। जब इसकी रफ्तार कम हुई तो एक युवक ने इसे रोक लिया। स्थानीय वार्ड पार्षद कमला देवी, प्रत्यक्षदर्शी विमलकांत सिंह, चंदन कुमार मिश्र आदि ने बताया कि गनीमत ये रही कि इसमें किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। जब कंटेनर की रफ्तार कम हुई तो एक युवक किसी तरह ड्राइवर सीट पर जा बैठा और समय रहते ब्रेक लगा दी। अगर कंटेनर को रोका न जाता तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

बालूमाथ में उद्योग स्थापित करने की है व्यापक संभावना

हालांकि राज्य के मुख्यमंत्री रहते हुए रघुवर दास ने कोलियरी के निकट कोयला आधारित उद्योग लगाने की बात कही थी

30 वर्षों से भारी मात्रा में हो रहा कोयला का उत्पादन

बीते 30 वर्षों के दौरान सीसीएल की तेतरियाखाड़ कोलियरी से वृहत पैमाने पर कोयले का उत्पादन होता है। वहीं करीब 4वर्षो से मगध एरिया के चमातु कोल परियोजना से कोयला देश के दुसरे राज्यो में कोयला भेजे जा रहा है। पर अपने आप में विडंबना की बात यह है कि भारी मात्रा में कोयले का उत्पादन होने के बाद भी इलाके में कोयला आधारित उद्योग नहीं होने के कारण संपूर्ण कोयला देश के विभिन्न इलाकों में चला जाता है।

संतोष सिन्हा

बालूमाथ। खनिज संपदा से परिपूर्ण लातेहार जिले बालूमाथ प्रखंड कोयला आधारित उद्योगों की स्थापना की मांग लंबे समय से होती रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता विधायक और सांसदों ने कई बार मामले को विधानसभा और लोकसभा तक में उठाया है। वही उद्योगों की स्थापना को लेकर कई बार स्थानीय स्तर के नेताओं ने वरीय अधिकारियों से लेकर झारखंड के पूर्व तक मुख्यमंत्री रघुवर दास तक को ज्ञापन सौंपा है। लेकिन बदले में सिवाय आश्वासनों के इस दिशा में ठोस रणनीति के साथ कोई कवायद सरकारी स्तर पर नहीं शुरू हो सकी है। हालांकि राज्य के मुख्यमंत्री रहते हुए रघुवर दास ने कोलियरी के निकट कोयला आधारित उद्योग लगाने की बात कही थी। लेकिन इस दिशा में आज तक कार्य नहीं हो सका।

बालूमाथ से कोयला और मजदूर दोनों जाते हैं बाहर

कोयला उत्पादक क्षेत्र होने के साथ-साथ बालूमाथ प्रखंड को मजदूर प्रधान क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है। बालूमाथ से भारी मात्रा में रोजगार की तलाश में विभिन्न राज्यो के इलाकों में जाकर मजदूर कार्य करते हैं। जिन इलाकों में उद्योग लगे हैं वहां बालूमाथ का कोयला भी जाता है और बालूमाथ के मजदूर भी जाते हैं। ऐसे में यदि बालूमाथ में कोयला आधारित उद्योगों की स्थापना कर दी जाए तो स्थानीय स्तर पर भारी मात्रा में प्रवासी मजदूरों को रोजगार मिल जाएगा और कोयले का भी उपयोग होने से झारखंड राज्य को मोटी रकम राजस्व के तौर पर प्राप्त होगी। इसके अलावा उद्योगों की स्थापना से बालूमाथ के साथ-साथ झारखंड राज्य का देश भर में गौरव भी बढ़ेगा।

हालांकि लातेहार विधान सभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रहे प्रकाश राम ने लगातार बालूमाथ प्रखंड में कोयला आधारित उद्योग लगाऐ जाने की मांग सरकार से करते रहे हैं।

बालूमाथ प्रखंड में कोयला आधारित बिजली, स्टिल प्लांट, और सिमेंट प्लांट का भी असीम संभावनाऐ भी है। सिर्फ जनप्रतिनिधि और सरकार की इक्छाशक्ति की आवश्यकता है।

रायडीह प्रखंड में मनरेगा अंतर्गत कूप निर्माण योजना में घोटाला

भेंडरों ने बिना सामग्री सप्लाई के निकाल ली लाखों की राशि

रायडीह प्रखंड में मनरेगा अंतर्गत कुल 195 कूप निर्माण योजनाओं की दी गयी थी स्वीकृति

सुरसंग पंचायत में निर्मित कूप

खुरसुता में बबलू टाना भगत का कूप

खुरसुता में मथुरा टाना भगत का कूप

आफताब अंजुम

गुमला। रायडीह प्रखंड में गाय शेड निर्माण घोटाला के उजागर होने के बाद कूप निर्माण योजना में भी बड़ा घोटाला प्रकाश में आया है। केवल रायडीह प्रखंड में कूप निर्माण योजना अंतर्गत कुल 195 योजनाओं की स्वीकृति दी गई थी। एक योजना के पूर्ण होने की संभावित राशि 3 लाख रुपये तक निर्धारित की गयी थी। जिसमें सरकारी आंकड़े के मुताबिक मात्र 47 योजनाएं ही पूर्ण हैं और लगभग 2 करोड़ 70 लाख 12 हजार 180 रुपए की निकासी कर ली गई है। जो सौ प्रतिशत योजनाओं के सौ प्रतिशत पूर्ण होने की राशि का 46 प्रतिशत से भी अधिक है।

क्या है योजना का प्रावधान : प्रावधान के अनुसार अगर एक कुआं 33 फीट तक की खुदाई कर लोहे के रिंग के साथ पत्थर की गोल जुड़ाई कर के बनाया जाता है और अन्य विभागीय प्रावधान पूर्ण कर लिया जाता है तथा विभाग उसे पूर्ण मानता है तो एक कुएं की लागत 3 लाख तक हो सकती है। लेकिन अगर कुएं की गहराई कम हुई तो यह राशि घटती चली जायेगी। इसके मुताबिक अगर मात्र 47 पूर्ण योजनाओं के एवज में इतनी बड़ी राशि की निकासी काफी बड़ी राशि के घोटाले की ओर संकेत दे रहा है।

रायडीह के 13 पंचायतों में स्वीकृत योजनाएं : रायडीह में स्वीकृत 195 योजनाओं में से केमटे पंचायत में 23, जरजटा पंचायत में 18, कांसीर पंचायत में 11, कोब्जा पंचायत में 13, कोंडरा पंचायत में 8, केपुर पंचायत में 18, नवागढ़ पंचायत में 11, परसा पंचायत में 10, पीबो पंचायत में 14, सीकोई पंचायत में 11, सीलम पंचायत में 20, सुरसंग पंचायत में 14 व ऊपर खटंगा पंचायत में 24 योजनाओं की स्वीकृति मिली थी।

अधिकतर कुएं 5 से 7 फीट ही खुदे पाये गये : कूप निर्माण योजना धरातल पर एक मजाक बन कर रह गयी है। पूरे प्रखंड में अधिकतर कुएं मात्र 5 से 7 फीट या कहीं कहीं 10 फीट तक ही खोदे गये हैं। कुआं समय पर नहीं खुद पाने के कारण बरसात का मौसम आ गया और चारों तरफ से अधिकतर कुएं धंसने लगे। लेकिन उक्त योजनाओं का अवलोकन किये बगैर बाहरी कमीशनखोरी करते हुए पैसे की धड़ाधड़ निकासी होती रही। भेंडर बिना सामग्री सप्लाई किये अपने खाते में लाखों रुपये की राशि लेते रहे। ग्रामीणों की मानें तो रायडीह प्रखंड की प्रत्येक योजना में 40 से 45 परसेंट की कमीशन खोरी जमकर चली। कमीशनखोरी के एवज में भेंडरों को लगातार राशि का भुगतान होता रहा।

भेंडरों ने बिना सप्लाई के ही लाखों रुपये अपने खाते में लिये : ग्राउंड जीरो पर जाने से यह भी पता चला कि भेंडरों ने अच्छी खासी रकम सामग्री सप्लाई के नाम पर अपने खाते में ली और कई लाभुकों को कुछ पैसे देकर सामग्री उठाव या पत्थर तोड़ने के लिए एडवांस के रूप में दे दिया। बाकी पैसों से भेंडर मौज करते रहे। यहां तक कि कई योजनाओं में कार्य से भी कम भुगतान होने की शिकायतें मिलीं। कई लाभुकों का कहना है कि भेंडरों द्वारा सामग्री नहीं मिलने के कारण उनका कुआं धंस गया।

भोले भाले टाना भगतों को भी भेंडरों ने नहीं बख्शा : केमटे पंचायत के खुरसुता गांव में बबलू टाना भगत, मथुरा टाना भगत, रामू टाना भगत और पितांबर टाना भगत के नाम से 4 योजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

जिसमें रामू टाना भगत ने अपने कुएं का निर्माण पूर्ण कर लिया है। गांव में रामू से मुलाकात नहीं हो सकी, लेकिन ग्रामीणों ने बताया कि अभी तक उसका पूर्ण भुगतान नहीं किया गया है। वहीं बबलू टाना भगत के नाम से मजदूरी के लिए 54226 रुपये और सामग्री के नाम पर 59173 रुपये की निकासी की गई है। बबलू टाना भगत बताते हैं कि उन्हें मजदूरी के बारे में केवल इतना पता है कि 4 मजदूर उनके कुएं में काम किये। किसे कितनी मजदूरी का भुगतान हुआ यह उन्हें नहीं पता। लेकिन सामग्री के नाम पर भेंडर ने केवल 21 हजार रुपये ही पत्थर तोड़ने के लिए उन्हें दिये। और सामग्री के नाम पर भेंडर को मिले हैं 59173 रुपये। जो सीधे सीधे घोटाले को दर्शाता है। वहीं मथुरा टाना भगत ने भी कहा कि सामग्री के नाम पर 59 हजार 173 रुपये निकालकर उन्हें मात्र 21 हजार पत्थर तोड़ने के नाम पर दिये गये। इसके अतिरिक्त ना कोई सामान और ना ही कोई धनराशि उन्हें भेंडर द्वारा दी गई है। रामू टाना भगत की योजना से एक लाख 50 हजार 89 रुपये मजदूरी के नाम पर निकाली गयी है तथा सामग्री का नाम पर 82 हजार 99 रुपये निकाल लिए गये हैं। पितांबर टाना भगत की योजना से मजदूरी के नाम पर 35196 रु. का भुगतान सरकारी आंकड़े में दिखाया जा रहा है। अफसोस होता है कि जिनके पूर्वजों की कुर्बानी की बदौलत देश ने आजादी पायी। जिनके पूर्वज देश को आजाद कराने के लिए जेल के अंदर अपनी प्राणों की आहुति दे दी उनके वंशजों को भी भेंडरों ने नहीं बख्शा।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार रायडीह प्रखंड में मनरेगा के तहत स्वीकृत कूप योजनाओं की स्थिति

- केमटे पंचायत में कुल 23 योजनाएं स्वीकृत जिनमें 7 पूर्ण, 17 अपूर्ण
- जरजटा पंचायत में कुल 18 योजनाएं स्वीकृत जिनमें 01 पूर्ण, 17 अपूर्ण
- कांसीर पंचायत में 11 योजनाएं स्वीकृत, जिनमें 2 पूर्ण, 9 अपूर्ण
- कोबजा पंचायत कुल 13 योजनाएं स्वीकृत जिनमें 3 पूर्ण, 10 अपूर्ण
- कोंडरा पंचायत कुल 08 योजनाएं स्वीकृत, जिनमें सभी अपूर्ण
- केपूर पंचायत कुल 18 योजनाएं स्वीकृत जिनमें 05 पूर्ण, 13 अपूर्ण
- नवागढ़ पंचायत कुल 11 योजनाएं स्वीकृत जिनमें 10 पूर्ण , 01 अपूर्ण
- परसा पंचायत कुल 10 योजनाएं स्वीकृत जिनमें 03 पूर्ण, 07 अपूर्ण
- पिबो पंचायत कुल 14 योजनाएं स्वीकृत जिनमें सभी अपूर्ण
- सिकोई पंचायत में कुल 11 योजनाएं स्वीकृत जिनमें 05 पूर्ण, 06 अपूर्ण
- सिलम पंचायत कुल 20 योजनाएं स्वीकृत जिनमें 05 पूर्ण , 15 अपूर्ण
- सुरसंग पंचायत कुल 14 योजनाएं स्वीकृत जिनमें सभी अपूर्ण
- उपर खटंगा पंचायत कुल 24 योजनाएं स्वीकृत जिनमें 06 पूर्ण, 18 अपूर्ण

महत्वपूर्ण न्यूज

डुमरी प्रखंड कांग्रेस ने किया भारत जोड़ो यात्रा कार्यक्रम का आयोजन

डुमरी (आजाद सिपाही)। कांग्रेस पार्टी के द्वारा प्रखंड मुख्यालय डुमरी में आज भारत जोड़ो यात्रा के तहत पदयात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रखंड मुख्यालय से कई नेता एवं क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी के महिला-पुरुष कार्यकर्ता शामिल हुए। पदयात्रा कार्यक्रम राजावल से होकर जैरागी में जाकर सम्पन हुआ। कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष राजेश एक्का, कांग्रेस नेता मो. अख्तर अली, मुखिया प्रदीप मिंज, वेलसाजर, मोहम्मद मकबूल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्त्ता शामिल थे।

वार्ड 21 की पार्षद ने की दिव्यांग, वृद्धा, विधवा पेंशन की राशि में वृद्धि की मांग

गुमला (आजाद सिपाही)। सर्वजन पेंशन,दिव्यांग पेंशन तथा विधवा पेंशन की मासिक राशि में वृद्धि किये जाने को लेकर वार्ड संख्या 21 की पार्षद सह भाजपा नेत्री शैल मिश्रा ने एक मांग पत्र सूबे के मुख्यमंत्री को भेजा है। मांग पत्र में उन्होंने कहा है कि रघुवर दास के मुख्यमंत्रित्व काल में राशि की बढोतरी कर पेंशनधारियों को राहत प्रदान किया गया था। अभी अनेक राज्य सरकार द्वारा इस मद की राशि में वृद्धि भी की गयी है। उन्होंनें राज्य के वृद्धावस्था,दिव्यांग एवं विधवा पेंशनरों के हित में मासिक पेंशन राशि में संतोषजनक अभिवृद्धि करने की मांग की है। पूछे जाने पर उन्होने कहा कि मजबूर लोगों की अर्थ व्यवस्था को लेकर साकार को हर समय संवेदनशील रहना चाहिए। विवश लोगों की चिंता करना ही मानवता है।

सरना प्रार्थना सभा की कोषाध्यक्ष सह पूर्व उप मुखिया के अंतिम संस्कार में सैकड़ों लोग हुए शामिल

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थिति टोंकाटोली निवासी सरना प्रार्थना सभा घाघरा की कोषाध्यक्ष सह पूर्व उप मुखिया के अंतिम संस्कार में रविवार को सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। साथ ही आदिवासी समाज के लोगों ने इसे अपूरणीय क्षति बताया। इस बाबत सरना प्रार्थना सभा के प्रखंड सचिव चंद्रदेव उराव ने बताया कि विगत 8 नवंबर से उर्मिला कच्छप की तबीयत खराब चल रही थी, जिसे लेकर रांची रिम्स में इलाज के लिए ले जाया गया था।वही उनका हार्ट का ऑपरेशन रांची में चार दिन पूर्व हुआ था जिसके बाद उनकी स्थिति शनिवार को काफी खराब हो गई और शनिवार की देर रात उनकी मृत्यु हो गई। वही आज रविवार को उनका अंतिम संस्कार घाघरा में किया गया। उनकी मृत्यु आदिवासी समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। आदिवासी समाज के लिए उन्होंने कई प्रयास किया था समाज के लोगों में उनकी एक अलग ही पहचान थी उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता।

झरिया नदी में डूबने से युवक की मौत

घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा थाना क्षेत्र के बुरजु गुडरु टोली निवासी युवक सोमनाथ उरांव की मौत शनिवार की शाम केला झरिया नदी में डूबने से हो गयी। वहीं परिजनों को रविवार की सुबह मृतक सोमनाथ का शव मिला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु गुमला भेज दिया। घटना के बाबत मृतक के भाई समिलनाथ उरांव ने बताया कि शनिवार की देर शाम उसका भाई सोमनाथ उरांव घर से लगभग एक किलोमीटर दूरी पर हर दिन की भांति बैल चराने गया था और उसके साथ अन्य लोग बैल चराकर वापस लौट रहे थे। अन्य बैल चराने वाले साथियों को बोलकर अकेला केलाझरिया नदी में हाथ-पैर धोने की बात कह कर गया। जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। लोगों द्वारा बताया गया फिर हम सभी परिवार के लोग काफी खोजबीन किए लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। वहीं रविवार दिन के 11 बजे नदी में उसका शव देखा गया। वहीं ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना हम परिजनों को मिली। जिसके बाद घटनास्थल पहुंच हम सभी लोगों ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को नदी से बाहर निकाला और घटना की जानकारी पुलिस को दे दी। वहीं समिलनाथ ने यह भी बताया कि उसका भाई मिर्गी का बीमारी से ग्रसित था।

अलबर्ट एक्का की पुण्यतिथि पर दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

गुमला (आजाद सिपाही)। लायंस नायक परमबीर अल्बर्ट एक्का की पुण्यतिथि पर स्पोर्ट्स अकादमी द्वारा दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें पहले दिन 400 मीटर की दौड़ कराई गई। इसमें प्रथम नीरज मांझी, द्वितीय प्रकाश मुंडा, तृतीय हर्षिकेश गोसाई व चतुर्थ रोशन साहू हुए। तत्पश्चात 800 मीटर की दौड़ रखी गयी थी। जिसमें प्रथम विजय साहू, द्वितीय सूरज साहू, तृतीय सागर उरांव, चतुर्थ प्रेमचंद साहू हुए। हैंडबॉल प्रतियोगिता में स्पोर्ट्स अकादमी और गुमला हैंडबाल एसोसिएशन के बीच मैच रखा गया। जिसमें स्पोर्ट्स अकादमी 18-15 के अंतराल से विजयी हुई। इस बीच अकादमी के निदेशक सह संस्थापक जुन्नू रैन ने कहा परमवीर अल्बर्ट एक्का ने 1971 के भारत- पाकिस्तान युद्ध में महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपने देश के लिए अपनी जान न्योछावर कर हमारे गुमला जिला का मान बढ़ाया। हैंडबॉल के मैच में रेफरी की भूमिका विक्रम राज और विकाश साहू द्वारा निभायी गयी। साथ ही सीनियर खिलाडी में दीपक कुमार, नेल्सन, रवि, अनिष, तौफीक, विजय, सद्दाम आदि लोग मौजूद थे।

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार लोग घायल

भरनो (आजाद सिपाही)। रविवार की देर शाम दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार लोग गंभीर रूप घायल हो गए। पहली घटना भरनो चट्टी मार्ग पर अमनपुर के समीप सड़क दुर्घटना में बेड़ो थाना के असरो गांव निवासी मनोज उरांव और मंगल उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों एक ही बाइक में सवार होकर भरनो की ओर आ रहे थे जिन्हें एक स्कूल बस धक्का मारकर भाग गयी। दूसरी घटना एनएच 23 नवा टोली के समीप बाइक सवार लोहरदगा निवासी आनंद कुमार यादव और हरिराम को कोई अज्ञात वाहन धक्का मारकर भाग गया। स्वास्थ्य केंद्र भरनो से मनोज और मंगल को रिम्स रेफर कर दिया गया।

टुकुटोली वार्ड एक में पेयजल के लिए लोग परेशान : सैयदा खातून

मिशन बदलाव प्रतिज्ञा के साथ हुई बैठक की शुरुआत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। कार्यक्रम 'वार्ड के सवाल वार्ड की सरकार' के तहत मिशन बदलाव की महिला टीम वार्ड नम्बर एक टुकुटोली पहुंची। टीम का नेतृत्व जिला सचिव सईदा खातुन ने किया। नगर अध्यक्ष ज्योति कुमारी, नगर सचिव गलोरिया कुजूर एवं चंदकला टोप्पो टुकुटोली वार्ड नंबर एक का दौरा किया। टीम के लोगों ने मोहल्लेवासियों के साथ बैठक की। मोहहले वालों ने बताया कि सभी जगहों पर पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू से लेकर खत्म भी हो गया, लेकिन हमारे मोहल्ले में काम को पूर्ण किया ही नहीं गया। मोहल्ला में 80 परिवार के लोग पीने के पानी की परेशानी से गुजर रहे हैं। वार्ड कमिश्नर को अवगत कराने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। वार्ड कमिश्नर के द्वारा जगह जगह चापाकल लगाया गया। लेकिन चट्टानों की वजह से कोई भी चापाकल सफल नहीं है। जिसके कारण पूरे टुकुटोली मोहल्ले वासियों को पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जेएनएनआरयूएम शहरी जलापूर्ति विस्तार योजना का काम अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। लेकिन टुकुटोली वार्ड नंबर एक में अभी तक पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा नहीं हुआ है। मिशन बदलाव की महिला टीम को टुकुटोली वार्ड नम्बर 1 के लोगों ने वाटर सप्लाई शुरू करवाने की अपील की है।

मौके पर पूनम कुजूर, मनीषा कछप, भूकली कुजूर, हीरामणि लकड़ा, बांधेनसरिता किंडो एवं सुनीता कुमारी भगत, गंदूरी कुमारी, भादो उरांव उपस्थित थे।

मिशन बदलाव ने मलई गांव में ग्रामीणों की समस्याओं पर की चर्चा

पालकोट (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बागेसेरा पंचायत अंतर्गत मलई गांव में रविवार को मिशन बदलाव की नयी पहल गांव बदलो के तहत संस्था के वरिष्ठ सदस्य देवनारायण गोप की अध्यक्षता में बैठक की गयी। जिसमें ग्रामीणों के अनेकों समस्याओं के ऊपर चर्चा की गयी। मौके पर देवनरायण गोप ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज सरकार के द्वारा विभिन्न योजनायें चलायी जा रही हैं, जिसमें हम लोगों को जागरूक होने की आवश्यकता और सरकार की योजनाओं का लाभ लेना है उसके लिये हमारी टीम संस्था आप लोगो के साथ हमेशा खड़ी रहेगी,कर्यक्रम को सफल बनाने में योदन रहा संजय गोप,जितेश मिंज,रामजी गोप, सन्दीप गोप,लखन गोप, विनोद साहू,दुर्जय पासवान के अलावे सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

बैठक : गुमला जिला में मुख्यमंत्री का खतियानी जोहार यात्रा कार्यक्रम 12 दिसंबर को

कार्यकर्ता यात्रा को सफल बनाने के लिए अभी से कमर कस लें : विनोद पांडेय

झामुमो जिला कमेटी की बैठक में कार्यक्रम की तैयारी को लेकर किया गया विचार-विमर्श

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड खतियानी जोहार यात्रा कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर झामुमो जिला कमेटी की बैठक सर्किट हाउस गुमला में जिला अध्यक्ष सह गुमला विधायक भूषण तिर्की की अध्यक्षता में रविवार को हुई। बैठक में 12 दिसंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कार्यक्रम खतियानी जोहार यात्रा की तैयारी को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में लोगों को शामिल कराने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता बिनोद पाण्डे व केंद्रीय महासचिव फागु बेसरा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

झामुमो प्रवक्ता विनोद पांडे ने बताया कि खतियानी जोहार यात्रा आगामी 8 दिसंबर से शुरू होने जा रही है। खतियानी जोहार यात्रा के माध्यम से सरकार के तीन साल की उपलब्धियों को लोगों को बताया जाएगा। इसके तहत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 फीसदी आरक्षण, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, किसानों के लिए ऋण माफी योजना, और फसल राहत योजना जैसी उपलब्धियों के अलावा 1932 के भूमि रिकॉर्ड खतियान पर आधारित सरकार की नई अधिवास नीति के निर्माण के बारे में लोगों को बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता इस यात्रा को सफल बनाने के लिए अभी से कमर कस लें। आगामी 12 दिसंबर को गुमला में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने 3 साल में ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। जिसमें 1932 खतियान, नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, जैसे कोई ऐतिहासिक फैसले जनकल्याण के लिए लिए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी ईडी एवं सीआईडी का डर दिखाकर इस सरकार को दबाने की कोशिश कर रही है मगर झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार ईडी-सीआईडी से डरने वाला नहीं है। 2 साल के कार्यकाल में और भी कई ऐतिहासिक फैसला लेने की तैयारी की जा रही है जिससे झारखंड की जनता को लाभ पहुंचे।

वहीं गुमला विधायक भूषण तिर्की ने पार्टी कार्यकताओं को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कई दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि झंडा, पोस्टर ,बैनर के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार कर जिला से लेकर बूथ स्तर तक के लोगों को जागरूक करें। उन्होंने आगे कहा कि आभार यात्रा में हमें लोगों का समर्थन जरूर मिलेगा। इस 3 साल के कार्यकाल में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं हमारी सरकार ने पारा शिक्षक, कर्मचारियों और आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं की मांगों को पूरा किया। विकास की कई योजनाएं लायी गयीं, जिसका सीधा लाभ जनता को मिल रहा है। सभी के लिए सर्वजन पेंशन स्कीम लायी गयी। मौके पर उपस्थित पार्टी के पदाधिकारियों ने भी अपने मंतव्य दिए। सभा का संचालन जिला सचिव आरिफ अंसारी ने किया। मौके पर मुख्य रूप से, संगठन सचिव रणजीत सिंह सरदार, अध्यक्ष कलीम अख्तर, उपाध्यक्ष बीबी मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष सुशील दीपक मिंज, मो.लड्डुन, जेम्स तिर्की, संजय सिंह, कृष्णा लोहरा, शशि भूषण भगत, सकील खान, अनुप मिंज मुखिया दीपक खलखो समीर हरिओम, महादेव भगत, ओलिभा कांता कुजूर, बलभद्र उरांव, बजरंग कुमार, समसुद्दीन अंसारी, फैज अंसारी, जयंत बागे सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सात दिसंबर को बजरंग दल की बाइक रैली को लेकर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

बैठक में रैली का रुट मैप, शांति व्यवस्था, सौहार्द्रपूर्ण वातावरण एवं विधि व्यवस्था को लेकर की गयी विस्तृत चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। बजरंग दल के द्वारा 7 दिसंबर को शौर्य दिवस को लेकर माघी बगीचा सिसई से भरनो हाई स्कूल मैदान तक निकाली जाने वाली बाइक रैली को लेकर सिसई थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता एसडीपीओ मनीष चन्द्र लाल ने की। इस दौरान रैली का रुट मैप, शांति व्यवस्था सौहार्द्रपूर्ण वातावरण व विधि व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। एसडीपीओ ने शौर्य दिवस की बाईक रैली के दौरान आपत्ति जनक संगीत, भड़काऊ भाषण, किसी अन्य धर्म के विरुद्ध अनावश्यक नारेबाजी न करने व आपसी सहयोग व भाईचारा के साथ शौर्य दिवस रैली निकालने की बात कही। वहीं उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था व लोगों के सहयोग के लिए पुलिस प्रशासन हमेशा तत्पर है। किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने और किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधियों की जानकारी प्रशासन को तुरंत देने की अपील की। इस पर सभी वर्ग के लोगों ने सहमति जताई।

मौके पर इंस्पेक्टर एसएन मंडल, सीओ अरुणिमा एक्का, थाना प्रभारी आदित्य कुमार चौधरी, पुसो थाना प्रभारी सत्यम गुप्ता, भरनो थाना प्रभारी कृष्ण कुमार तिवारी, करंज थाना प्रभारी आशिष भारती, एसआई मनोज सोरेन, हेमराज कुमार, एएसआई अनवर अंसारी, रघुनंदन राय, अहमद अंसारी, सलमान अली, महमुद अंसारी, रहमान अंसारी, राजा अंसारी, अताउल्लाह अंसारी उर्फ बाबू, पंकज साहु, मनीष बाबू, उदय कुशवाहा, लक्ष्मी नारायण यादव, विश्वकर्मा गिरि, छोटेलाल ताम्रकार, विक्रम कुमार, कृष्णा कुमार साहू सहित कई लोग मौजूद थे।

श्रीराम के चरित्र से सभी को सीखना चाहिए: हेमलता

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। नारायण सेवा संस्थान के तत्वधान में रेड़मा ठाकुरबाडी.में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के आज चतुर्थ दिवस का प्रवचन करते हुए भगवत कथा प्रवक्ता हेमलता शास्त्री ने कहा कि सूर्यवंश में एक से एक बढ़कर प्रतापी राजा हुए,जिन राजाओं ने हमारे देश समाज के लिए बहुत कुछ दिया। सूर्यवंश में ही भागीरथ हुए जिन्होंने मनुष्य के कल्याण के लिए पृथ्वी पर मां गंगा को लाया। इसी वंश में

राजा दशरथ हुए उन्हीं राजा दशरथ के चार पुत्र राम,लखन, शत्रुघ्न, भरत हुए। उन्हीं में भगवान श्रीराम मनुष्य योनि में आकर के समाज को एक नया संदेश दिया। भरत ने त्याग दिया, लक्ष्मण ने भक्ति समर्पण तो सत्रुघ्न ने प्रेम धर्म की स्थापना में भगवान अपने समस्त सुख वैभव का त्याग किया। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम के चरित्र से समस्त मनुष्य योनि को सीखना चाहिए। जीवन में कितनी भी कठिनाई आए हमको धर्म का मार्ग नहीं त्यागना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि में भगवान को पाना है तो निर्मल मन चाहिए। रामचरितमानस में तुलसीदास जी कहते हैं निर्मल मन जन सो ईमो पावा मोहि कपट छल छिद्र न भावा। भगवान की कथा अनंत है हरि अनंत हरि कथा का विस्तार से वर्णन किया।

मौके पर ये हुए उपस्थित

भागवत कथा में समिति के अध्यक्ष दिलीप तिवारी, संगठन मंत्री संतोष तिवारी, प्रवीण तिवारी, अभिषेक तिवारी, कमल नयन तिवारी, मुकेश त्रिपाठी, मनीष पांडेय, अप्पू तिवारी, राकेश तिवारी, विनीत तिवारी, राकेश दूबे और नीरज तिवारी सहित कई सदस्य सक्रिय हैं।

पथरा मुखिया ने किया पीएम आवास निर्माण कार्य का निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद प्रखंड के पथरा पंचायत के मुखिया नरेश पासवान ने रविवार को पंचायत क्षेत्र के विभिन्न टोलों में भ्रमण कर प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों से आवास निर्माण कार्य को निर्धारित समय के साथ पूर्ण करने की बात कही। साथ ही मुखिया ने लाभुकों को आवास निर्माण कार्य के तहत मनरेगा योजना से मिलने वाले मजदूरी का भी लाभ उठाने की बात कही। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के क्रम में पंचायत क्षेत्र के विभिन्न टोलों में राशि मिलने के उपरांत भी 40 आवास का कार्य पूर्ण नहीं किया

गया है। वैसे लाभुक को कार्य मे तेजी लाते हुए 15 दिन के अंदर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार के महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभुक ससमय पक्के आवास तैयार कर प्रधानमंत्री के ग्राम विकास के सपने को साकार करें। मौके पर स्वयंसेवक हर्मेंद्र कुमार, चंदन राम सहित आवास निर्माण के लाभुक उपस्थित थे।

जपला आरपीएफ ने कोयला चोर को भेजा जेल, चार बाइक जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। गत रात्रि गढ़वा-सोननगर रेलखंड के करकट्टा रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी से कोयला उतारने की सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल थाना जपला के प्रभारी निरीक्षक राकेश रंजन के नेतृत्व में रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने करकट्टा रेलवे स्टेशन पहुच कर एक अभियुक्त तथा चार मोटरसाइकिल को जब्त किया। सभी मोटरसाईकिलों पर जूट के बोरों में कोयला लदा था जिसे ले कर जाने की फिराक में थे सभी चोर। सभी चारों मोटरसाइकिल तथा चोरी कोयला को जप्त किया गया और मौके पर से गिरफ्तार एक अभियुक्त को रेलवे सुरक्षा बल थाना जपला लाया गया जहां रेल संपत्ति अवैध कब्जा अधिनियम 1966 के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार

अभियुक्त करकट्टा उंटारी निवासी गोविंद मेहता को डाल्टनगंज न्यायिक हिरासत में भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जब्त मोटरसाइकल के मालिकों और चालकों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी। उक्त अभियान में रेलवे सुरक्षा बल थाना के उप निरीक्षक निशांत कुमार, प्रधान आरक्षी ओम प्रकाश उपाध्याय, प्रधान आरक्षी अजय कुमार चौधरी, प्रधान आरक्षी मनोज कुमार यादव प्रधान, आरक्षी विजय कुमार सिंह तथा आरक्षी अबरार रफिक शामिल रहे।

इस तरह के आयोजन से बच्चों का बौद्धिक विकास होता है : निदेशक

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद शहर के शिव शक्ति नगर स्थित समता स्कूल परिसर में मैजिक शो का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक सह प्रधानाचार्य अक्षय कुमार चौहान ने फीता काटकर किया।मैजिक शो में जादूगर एनपी शर्मा के द्वारा एक से एक ज्ञानवर्धक और मनोरंजक जादुई करतब दिखाकर छात्र-छात्राओं का भरपूर मनोरंजन किया गया।मौके पर जादूगर एनपी शर्मा ने बताया कि हम सब जिसे जादू समझते हैं उसे एक वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत किया जाता हैं। यह हमारे दिखाने और आपके देखने का तालमेल जहां टूटता है वहीं जादू है।मौके पर बिद्यालय के निदेशक अक्षय चौहान ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के

आयोजन से बच्चों का बौद्धिक विकास होता है।साथ ही बच्चों में ज्ञान और विज्ञान के बारे में जानने समझने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।मौके पर बिद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक विनोद चौधरी, संतोष मिश्रा, किरण देवी,सुधांशु कुमार सिंह, ओम प्रकाश कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह, राहुल गुप्ता, राहुल कुमार चौहान, दीपक कुमार, प्रियंका देवी, राहुल कुमार, दशरथ कुमार, बेबी शेख, मंतेश्वर यादव, कार्तिक कुमार, नंदू प्रजापति, सरिता देवी आदि उपस्थित थे।

हुसैनाबाद पुलिस ने 22 मवेशी लदे ट्रक को पकड़ा, चालक को भेजा जेल

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। शनिवार की देर शाम जेपी चौक के समीप अवैध मवेशियों से लदा एक ट्रक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया ।देखते ही देखते लोगों की भीड़ लग गयी। इसकी सूचना मिलने पर हुसैनाबाद थाना के एएसआई सीताराम सिंह, शैलेंद्र सिंह दल बल के साथ उक्त स्थल पर पहुंचकर गाड़ी चालक और मवेशियों से भरी ट्रक को थाने ले आयी। पुलिस ने ट्रक नंबर सीजी 04 जेबी 5857 और उसमें लदे 22 मवेशियों को जब्त किया है। जिसमे झमता से अधिक गाय और बैल को लादकर बिहार के रास्ते वेस्ट बंगाल ले जाया जा रहा था। पुलिस ने मौके पर ट्रक चालक नुसरत अली खान, पिता अरसुद्दीन खान गांव कुड़वा, थाना हैदरनगर को गिरफ्तार किया है। वही गिरफ्तार चालक और ट्रक मालिक और मवेशी कारोबारी समीर खान गांव धुरवा, थाना मझिआंव जिला गढ़वा एवं मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी नइम अंसारी आदि के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस संबंध में हुसैनाबाद के एसआई सह प्रभारी थाना प्रभारी सौरभ कुमार ने बताया कि चालक को न्याययिक हिरासत मेदिनीनगर भेज दिया गया है।

गरीब और साधारण लोगों की बातें करती हैं प्रवीण परिमल की कविताएं: अरुण कमल

पटना (आजाद सिपाही)। प्रगतिशील लेखक संघ, पटना के तत्वाधान से में चर्चित कवि प्रवीण परिमल के संग्रह 'जंगल से लौटकर ' का लोकार्पण 'पटना पुस्तक मेला' के 'नालंदा सभागर' में किया गया। लोकार्पण समारोह हिंदी के चर्चित कवि आलोकधन्वा, अरुण कमल, निवेदिता झा, संजय कुमार कुंदन, असलम हसन और चंद्रबिंद सिंह द्वारा किया गया। इस मौके पर खासी संख्या में शहर के बुद्धिजीवी, साहित्यकार आदि मौजूद थे.प्रारम्भ में प्रवीण परिमल ने अपनी कुछ कविताओं का पाठ किया। साहित्य अकादमी से सम्मानित कवि अरुण कमल ने प्रवीण परिमल के काव्य संग्रह से ' बचा रहे प्रेम' का पाठ किया तथा उनकी कविताओं पर बोलते हुए कहा प्रवीण परिमल के सभी संग्रह मैने पढ़े हैं। इनकी प्रेम कविताओं का सुंदर संग्रह है। आजकल हिंदी कविता में गरीब, साधारण लोगों के बारे में कम लिखा जा रहा है। प्रवीण परिमल की कवितायेँ दु:ख झलने वाले लोगों तथा उसका प्रतिकार करने वाली है। 'महुआ बीनने वाली' 'औरतें', 'मोची', 'पिता' आदि में ऐसे लोगों की बातें की गई हैं. कविता उनलोगों की बात करती है जिसकी सुध कोई नहीं लेता यहां तक की भगवान भी नहीं. कवि के बारे में बात करने का सबसे अच्छा तरीका है की कवि की बात की जाए. प्रेम के सबसे अच्छे दृश्य पहाड़, पेड़, नदी जैसे भूदृश्य के माध्यम से अभिव्यक्त हुआ है। देवनागीरी लिपि में लिखने वाले शायर संजय कुमार कुंदन ने अपने संबोधन में कहा ₹ प्रवीण परिमल की कविताओं का रेंज बहुत बड़ा है। परिमल जी ने बड़ी आंख से दुनिया को देखा है. यह किसी खास वर्ग और खास आंख से देखी हुई कविता नहीं है यही इनकी बहुत बड़ी सफलता है7 इनकी 'लहना सिंह उदास' कविता पसंद आयी। बदलते गांव का एक दर्द झलकता है। अभी के गांव को उन्होंने कविताओं में लाने की कोशिश की है. इनके बिंब अनुठे हैं अपनी एक कविता में पिता की तुलना पहाड़ से की है। निवेदिता झा ने प्रवीण परिमल के काव्य संग्रह से कुछ कविताओं का पाठ करते हुए कहा ₹ हम जो भी शब्द रचते हैं वह कविता ही हुआ करती है। कविता को रचना अपने भीतर रखना और बांटना बेहद जरूरी है। इनकी 'मोची'और 'रिक्शावाला' पढ़ते हुए नागार्जुन याद आते हैं। रोज हमारे अंदर दृश्य गुजर जाते हैं ऐसे बिंब नजर आते हैं. युवा कवि व प्रशासनिक पदाधिकारी असलम हसन ने लोकार्पण समारोह में कहा इन कविताओं की इतनी विविधता है, इंद्रधनुष के इतने रंग है। कविता में धान कूटती औरतें हैं, पिता हैं, उनका चमरौधा जूता है तथा 'शहर की बदबू' कविता है। इन कविताओं से पता चलता है कि उनमें संवेदना है. उम्मीद की झलक ही इस काव्य संग्रह की आत्मा है।

दोना-पत्तल, दातून बेचने वालों के लिए मिशन समृद्धि संस्था का कार्य सराहनीय

> पारंपरिक हुनर को जिंदा रखने वाले दोना पत्तल और दातून बेचने वाले बहुत ही अभाव में जिंदगी जीते हैं।

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। निरंतर चल रहे समृद्धि की रोटी अभियान पर मौसम का कोई फर्क नहीं पड़ता। पारंपरिक हुनर को जिंदा रखने वाले दोना पत्तल और दातून बेचने वाले बहुत ही अभाव में जिंदगी जीते हैं। दिन-रात परिश्रम के बावजूद भी इन्हें सही रूप से पैसे नहीं मिल पाते। पत्तल दोना में खाना स्वास्थ्य के लिए अच्छा होते हुए भी बहुत सस्ते में ये बेचते हैं। सीमित संसाधन द्वारा संचालित मिशन समृद्धि संस्था उन वर्गों के लिए बहुत कुछ नहीं कर पा रही है

लेकिन प्रयास जारी है। उनके बीच भोजन, कपड़े बराबर देने का काम किया जा रहा है। शनिवार को अंबेडकर पार्क के सामने रोटी सब्जी का वितरण किया गया। बहुत जल्द ही कपड़े और गर्म कपड़े का भी वितरण किया जायेगा। इन सभी कार्यों में इस संस्था की पूरी टीम बहुत ही निष्ठा के साथ लगी रहती हैं।

विधायक प्रतिनिधि ने चना बीज का वितरण किया

टंडवा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के धनगड्डा पंचायत अंतर्गत बिरबीर, बोंगागड़ा एवं खैरका गांव में बिरसा कृषि विस्तार योजना के तहत एससी एवं एसटी किसानों को विधायक प्रतिनिधि शशि चौरसिया, जीप सदस्या देवेंती देवी पंसस जीवन राम कृषि विभाग के प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक चन्द्र भूषण एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक जयंत कुमार के उपस्तिथ थे। इनके मौजूदगी में चना बीज का वितरण किया गया। इस दौरान कुल 1050 केजी चना का बीज 150 किसानों के बीच दिया गया ।जिससे किसानों द्वारा चना की खेती अच्छा से कर सके। किसानों ने बीज पाकर प्रतिनिधियों प्रखंड कर्मीयों का आभार जताया।

घर में लगी आग, लाखों की संपत्ति जलकर राख

आजाद सिपाही संवाददाता

छतरपुर (पलामू)। जिला के छतरपुर प्रखंड अंतर्गत हुटुकदाग पंचायत के ग्राम मुरुमदाग में अब्दुल गफार अंसारी के घर में शनिवार के रात आठ बजे अचानक आग लग गई। जिसमें रखें चावल दाल कपड़े आभूषण एवं नगद सतर हजार रुपये जलकर राख हो गये। हुटुकदाग पंचायत के मुखिया राजेंद्र सिंह ने बताया कि शनिवार को रात करीब आठ बजे मुरुमदाग निवासी अब्दुल गफार अंसारी के घर में अचानक आग लग गई। जिसमें करीब तीन लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ और भुतभोगी बहुत गरीब परिवार से हैं।

स्पोर्ट्स

बंगाल टेनिस एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित सैटरडे क्लब 56वां फ्लड लाइट टेनिस टूर्नामेंट 2022 के मीक्स डबल का खिताब झारखंड के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रांची के साहिल अमीन ने जीत लिया है।

साहिल ने जीता 56वां फ्लड लाइट टेनिस टूर्नामेंट 2022 का खिताब

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बंगाल टेनिस एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित सैटरडे क्लब 56वां फ्लड लाइट टेनिस टूर्नामेंट 2022 के मीक्स डबल का खिताब झारखंड के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रांची के साहिल अमीन ने जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में साहिल ने अपने जोड़ीदार खिलाडी बंगाल कि नेशनल चैंपियन अलीना फरीद के साथ खेलते हुए अपने प्रतिद्वंदी खिलाडी बंगाल के ही देवाशीष और शीना की जोडी को सीधे सेटों में 6-1 और 6-2 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम कर लिया। जोरदार खेल दिखाते हुए साहिल ने सेमीफाइनल में अपने

प्रतिद्वंदी खिलाड़ी बंगाल के मोहम्मद तारीक और प्रियासखी सजनानी की जोडी को हराकर फाइनल में प्रवेश लीया था। यह खिताब जीतने वाले साहिल झारखंड के पहले टेनिस खिलाड़ी हैं। दूसरी बार इस टूर्नामेंट में खेल रहे साहिल ने अपने धमाकेदार खेल से सबको प्रभावित किया। पहली बार 2019 में 55वां फ्लड लाइट टेनिस टूर्नामेंट में खेलते हुए साहिल अमीन ने अंडर 18 ब्वायज सिंगल का खिताब अपने नाम किया था। इस टूर्नामेंट का आयोजन 19 नवंबर से 3 दिसंबर तक किया गया है।

भारत ने गंवाया पहला वनडे

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। भारत के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकबाले में बांग्लादेश ने एक विकेट से जीत दर्ज करते हुए वनडे सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। शाकिब अल हसन (36 रन पर पांच विकेट) के पांच विकेट से बांग्लादेश ने लोकेश राहुल (73) के जुझारू अर्धशतक के बावजूद भारत को पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रविवार को यहां 186 रन पर ढेर कर दिया। इसके जवाब में बांग्लादेश की शुरूआत अच्छी रही लेकिन एक समय टीम लड़खड़ाती हुई नजर आयी। लेकिन अंत में जब भारत को एक विकेट की दरकार थी तब मेहदी हसन मिराज और मुस्ताफिजुर रहमान ने सधी हुई पारी खेली। और केएल राहुल का कैच छोड़ना भी भारी पड़ा जिससे टीम ने आखिरकार 46 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 187 रन बनाकर जीत अपने नाम कर ली।

झारखंड अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता के पहले मैच में गढ़वा ने पलामू को हराया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। झारखंड फुटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित झारखंड अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता का पहला मैच डालटनगंज के जिला स्कूल मैदान में 4/12/2022 को पलामू और गढ़वा के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच मैच जोरदार तरीके से खेला गया। मैच के फर्स्ट हाफ के 30 मिनट में गढ़वा के उपाध्याय सिंह ने मैदानी गोल मारकर गढ़वा को

1-0 की बढ़त बना दी जो कि पूरे डेढ़ घंटा का मैच उतार-चढ़ाव के बीच खेला गया, मगर पलामू की टीम बराबरी नहीं कर सकी। पूर्व में भी गढ़वा में आयोजित मैच में गढ़वा की टीम ने पलामू को 4-0 से हराया था। उसी परंपरा को जारी रखते हुए आज गढ़वा की टीम ने 1/0 से पलामू को हराया।

पूर्व विधायक बबिता देवी ने किया पेटरवार और कसमार प्रखंड का भ्रमण

पेटरवार/बेरमो (आजाद सिपाही)। गोमिया की पूर्व विधायक बबीता देवी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर रही है। अपने विधानसभा के प्रत्येक क्षेत्र में जनता से मिलकर सुख दुख में शामिल हो रही है। उनकी समस्याएं सुन रहीं और निदान करने का प्रयास कर रही है। इसी के तहत पेटरवार प्रखंड के ग्राम पंचायत कोह निवासी हेमंत कुमार महतो के घर उनके बेटे की शादी में शामिल हुई। वहीं कसमार प्रखंड के ग्राम पंचायत मंजूरा निवासी मलिंदर महतो के घर श्राद्ध कार्यक्रम में भी शामिल हुई। इस दौरान वो पेटरवार के ग्रामीणों के समस्याओं को भी सुना और जल्द समाधान का आश्वासन भी दिया। मौके पर पूर्व मुखिया नरेश महतो, हरेंद्र महतो, अशोक महतो, प्रदीप रजवार, भीखु मराण्डी और प्रकाश कुमार आदि शामिल थे।

दुस्साहस : झरिया के शिमलाबहाल स्थित गैराज में लगायी आग

छह बाइक और एक कार जल कर खाक

घटना की जांच में जुटी बोर्रागढ़ और झरिया पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

भगतडीह। झरिया के बोर्रागढ़ ओपी अंतर्गत शिमलाबहाल आदर्श नगर में शनिवार की देर रात असमाजिक तत्वों ने एक गैराज में आग लगा दी, जिससे वहां खड़ी छह बाइक और एक कार जलकर राख हो गयी। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि तब तक सभी वाहन जल चुके थे। आग किसने और क्यों लगाई इसकी पता नहीं चल पाया है। उधर, घटना की सूचना पाकर सिंदरी डीएसपी अभिषेक कुमार, के अलावा बोरागढ़ और झरिया पुलिस मौके पर पहुंच छानबीन में जुट गई है।

गुनाहगारों को जल्द गिरफ्तार करे पुलिस : रागिनी सिंह

गैरेज में जली हुई गाड़ियों की जांच करती पुलिस।

घटनास्थल पर पहुंच कर नाराजगी जाहिर करतीं भाजपा नेत्री रागिनी सिंह।

वहीं भाजपा नेत्री रागिनी सिंह भी खबर पाकर शिमलाबहाल पहुंची। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि आज के दौर में झरिया और बोरागढ़ पुलिस निष्क्रिय हो गई है। क्षेत्र में हत्या जैसे संगीन जुर्म हो रहे हैं। पर पुलिस मामले का उद्भेदन करने में शून्य साबित हो रही हैं। उन्होंने पुलिस से अविलंब असमाजिक तत्वों को गिरफ्तार करने की मांग की है। बतातें चलें कि जले हुए बाइक ठेकेदार शिवप्रकाश सिंह, रामप्रकाश सिंह, जीतन सिंह, जीतन यादव, कृष्णा और पुनचुन नामक व्यक्ति की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग किसने और क्यों लगाई यह पता नहीं चल सका है। सूत्रों की मानें तो सबसे पहले मुहल्ले के ही एक बाइक में आग लगाई गई। जब लोग आग बुझाने लगे तो पता चला कि गैराज में रखे कार और बाइक में भी आग लगा दी गई है। पुलिस छानबीन में जुट गई है।

अमन सिंह के गुर्गों ने कोयला कारोबारी के घर पर की फायरिंग

घर के सामने पर्चा फेंक कर ली जिम्मेदारी, पुलिस ने शुरू की जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। शूटर अमन सिंह के गुर्गों ने रविवार को एकबार फिर रंगदारी के धंधे को धार देने में जुट गए हैं। बैंकमोड़ थाना क्षेत्र के विकासनगर छठ तालाब के पास रहने वाले कोयला कारोबारी पप्पू मंडल के घर पर रविवार की सुबह 5.30 बजे दो-तीन राउंड फायरिंग अमन सिंह के गुर्गों ने दहशत फैलाने की कोशिश की। यही नहीं, घर के बाहर फेंके गए पर्चे में गोलीबारी की जिम्मेदारी अमन सिंह के करीबी आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह ने ली है, जो जेसी मल्लिक रोड का रहने वाला है।

छठ तालाब के पास संकरी गली में रहने वाले पप्पू मंडल के घर के बाहर की दीवार पर गोली चलाई गई है। दीवार और बरामदे में लोहे की एक आलमारी पर गोली के निशान मिले हैं। वहीं, घर के बाहर सड़क पर खोखे भी बरामद हुए हैं। उधर, घटना की सूचना पाकर बैंकमोड़ थाना के प्रभारी पीके सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।हमलावरों ने जो पर्चा फेंका है, उसमें छोटू सिंह के नाम से पप्पू मंडल को रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई है। पुलिस ने उक्त पर्चा का जब्त कर लिया है। वहीं, गोलीबारी के बाद से पप्पू मंडल व उनके घर के आसपास रहने वाले लोगों में भय का माहौल है। बताया जा रहा है कि पप्पू मंडल से आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह कई दिनों से रंगदारी मांग रहा था। जब पप्पू ने रंगदारी की रकम नहीं दी, तो धमकाने व भय पैदा करने के इरादे से गोली चलवाई है।

खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए : नीलम

आजाद सिपाही संवाददाता

तेनुघाट। मैच में हार और जीत लगी रहती है। पर खेल को हमेशा खेल की भावना से ही खेलना चाहिए। आज के मैच में दोनों टीम के खिलाड़ी के प्रदर्शन से दर्शक काफी खुश हुए। उक्त बाते तेनुघाट पंचायत की मुखिया नीलम श्रीवास्तव ने कही। वे तेनुघाट गोल्डन जुबली मैदान में रविवार को क्रिकेट टूर्नामेंट में खेले गए फाइनल मुकाबले के बाद कही। वहीं, पूर्व मुखिया रेखा सिन्हा ने कहा कि हारने वाली टीम अपना हौसला ना खोए, क्योंकि जो हारता है वही अगली बार जीतता है। उप मुखिया रीता सिंह ने कहा कि आज के मैच में दोनों टीम ने बहुत ही अच्छा खेल का प्रदर्शन किया। वहीं, पंचायत समिति सदस्य अजीत कुमार पाण्डेय, समाजसेवी रमेंद्र कुमार सिन्हा, जितेंद्र कुमार सिन्हा, सुभाष कटरियार, संजय कुमार सिंह, नारायण प्रजापति, अंतु पाण्डेय ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। जय मां शेरावली ढोरी की टीम ने तेनुघाट सीनियर की टीम को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से हरा कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए तेनुघाट की टीम ने पवन के 31 गेंदों पर 43 रन, सौरभ सिंह के 20 गेंदों पर 23 रन और दीपक यादव के 8 गेंदों पर 19 रनों के बदोलत निर्धारित 14 ओवर में 115 रन बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए ढोरी की टीम ने प्रीतम के धुवधार 33 गेंदों पर नाबाद 72 रन और रवि के 24 रनों की बदौलत 11 ओवर में ही 116 रन बनाकर सात विकेट से मैच के साथ ही ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। प्रीतम को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी घोषित किया गया। मैच में अंपायर की भूमिका अजीत कुमार पांडेय और विजय यादव, स्कोरर की भूमिका शिवम कटरियार और सोनू सिंह और कमेंटेटर की सत्यम कटरियार और कृष झा ने निभाई। विजेता और उप विजेता टीम के खिलाड़ितों को अतिथि रेखा सिन्हा, नीलम श्रीवास्तव, रीता सिंह, जितेंद्र सिन्हा, रमेंद्र कुमार सिन्हा, सुभाष कटरियार, संजय कुमार सिंह आदि ने पुरस्कृत किया। वहीं, टूर्नामेंट को सफल बनाने में गुड्डू सिन्हा, रुपेश कुमार, मोंटी कटरियार, अमन सिंह, पीयूष कटरियार, आयुष कटरियार, राज आर्यन, दीपक यादव, विक्की कुमार, अंकु कुमार, डुगु कुमार, कृष कुमार, मयंक, प्रियांशु, मयूर आदि की भूमिका सराहनीय रही।

जनता महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व पूंजीवाद से त्रस्त: ब्रजेंद्र

झरिया नगर कांग्रेस कमेटी ने निकाली भारत जोड़ो यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

भारत जोड़ो यात्रा निकाल कर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते कांग्रेसी।

झरिया। नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रत्नेश यादव के नेतृत्व में रविवार को झरिया-कतरास मोड़ से भारत जोड़ो यात्रा निकाली गयी। जिसका शुभारंभ पंडीत जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित धनबाद जिला कांग्रेस के अध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि जिस प्रकार जन-जन के नेता राहुल गांधी के पदयात्रा में लोगों का समर्थन मिल रहा है इससे साफ जाहिर होता है कि लोग मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पूंजीवाद से त्रस्त है। आम आदमी की कोई सुनने वाला नहीं है। आज झरिया में भी दर्जनों लोग इस यात्रा में शामिल हुए और केंद्र सरकार से रोजगार और मंहगाई कम करने की मांग की है। इस मौके पर कार्यकारी जिलाध्यक्ष रवींद्र वर्मा, मुख्तार खान, प्रमोद सिंह चंद्रवंशी, योगेंद्र सिंह योगी, राजेश्वर यादव, महिला जिला अध्यक्ष सीता राणा, नवनीत नीरज, अक्षयवर प्रसाद, संजय जायसवाल, महेश शर्मा, अशोक मालाकार, अरविंद सैनी, बबिता शर्मा, राजा अंसारी, पप्पू तिवारी, बिरेंदर बहादुर सिंह, दिनेश सिंह, पिंटू तुरी, निसार अहमद, राकेश मिश्रा, कुंदन मोदक, दीपक यादव, कार्तिक महतो, रॉकी यादव और भोला नाथ सिंह आदि थे।

वर्षा का जल संचयन के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

नावाडीह/बेरमो। नावाडीह प्रखंड के सुरही पंचायत में जिला मत्स्य पदाधिकारी सह प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत नुक्कड़ नाटक का अयोजन किया गया। संगम कला मंच दुग्दा के कलाकारों ने नुक्कड़ सभा कर लोगों को वर्षा जल संचयन की विस्तृत जानकारी दी। डोभा, तालाब आदि के माध्यम से जल संग्रह करने के तरीकों की जानकारी दी और उस पानी से मछली और बतख पालन जैसे व्यापार सृजन की भी जानकारी दी। इस अवसर पर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की आग्रह की। नुक्कड़ सभा के माध्यम से बताया कि वर्षा के जल संचय से पृथ्वी का जल स्तर बरकरार रहेगा और पानी की किल्लत दूर होगी। कलाकारों ने जगह-जगह नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कलाकारों में संतोष पांडेया ने कहा कि नावाडीह प्रखंड के 50.स्थानों में यह कार्य किया जाएगा। इस मौके पर संजय पाठक, मीना देवी, बीरबल महतो, विजय मिश्रा, साधु राय व पोखन महतो उपस्थित थे।

सास, बहु व पति के बीच संवाद संचार जरूरी है : हलिमा एजाज

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। बाघमारा के स्वास्थ्य विभाग की ओर से कुमारडीह क्लस्टर अंतर्गत महुदा पंचायत के बस्ती में सास, बहु एवं पति सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें कुमारडीह क्लस्टर की सहिया साथी हलिमा एजाज ने सास एवं बहु-पति सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कहा कि सास, बहू व पति सम्मेलन का उद्देश्य मनोरंजक खेल एवं अभ्यास के माध्यम से सास एवं बहू पति के बीच बेहतर संचार की सुविधा प्रदान करना है। कहा कि चार गांठ याद रखना जरूरी है। पहला शादी की सही उम्र लड़की एवं लड़का का 21 साल, दूसरा गांठ पहला बच्चा शादी के दो साल बाद, तीसरा दो बच्चों के बीच तीन साल का अंतर और चौथा गांठ दो बच्चों के बाद स्थाई उपाय महिला बंध्याकरण या पुरुष नसबंदी अपनाना है। उक्त सम्मेलन में सहिया साथी द्वारा रोचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं गुब्बारा खेल आयोजित कर सम्मेलन को मंनोरंजक बनाया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 15 प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सहिया हसीबुन खातून, शहनाज बानो, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आरिफा खातून, वार्ड सदस्य जहाना खातून, लाडली परवीन, अमजद अंसारी, गुलबशा परवीन, शहनाज परवीन, जेनब परवीन, पूनम देवी, नसीमा खातून, हलीमा खातून, मेराजून निशा, रिजवाना खातून, चांदनी परवीन, शहनाज बेगम, तस्लीमा खातून, रोशन परवीन आदि उपस्थित थे।

कुरमी समाज ने बैठक कर लिया 12 को दिल्ली में संसद भवन घेराव का निर्णय

करगली/बेरमो (आजाद सिपाही)। फुसरो नप क्षेत्र के राजा बंगला स्थित स्कूल परिसर में रविवार को टोटेमिक कुरमी समाज की बैठक हुई. जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सूरज महतो व संचालन कमलेश महतो ने किया। बैठक में बेरमो कोयलांचल क्षेत्र के ललपनिया, महुआटांड़, तुरियो, जरीडीह, ढोरी बस्ती आदि जगहों से कुरमी समाज के लोग पहुंचे थे। कुरमी जाति को अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में शामिल करने की मांग को लेकर आगामी 12 दिसंबर को दिल्ली के जंतर मंतर में प्रदर्शन और संसद भवन घेराव करने का निर्णय लिया गया। जिसमें क्षेत्र से अधिक से अधिक समाज के लोगों को शामिल होने की अपील की गई है। इसकी तैयारी पर विचार विमर्श किया गया। रांची से आये मुख्य अतिथि कुरमी/ कुड़मी महतो समन्वय समिति के संस्थापक डॉ डी मेहता ने कहा कि 1931 के गजट में कुरमी जाति आदिवासी सूची में शामिल था। संविधान बनने पर 1950 में सूची से हटा दिया। आज 70 साल से कुरमी जाति वंचित है। उन्होंने कहा कि कुरमी जाति हमेशा आदिवासी रहा है। इसलिए कुरमी को एसटी सूची में शामिल किया जाय। जिलाध्यक्ष सूरज महतो ने कहा कि स्व बिनोद बिहारी महतो ने समाज सुधार के साथ ही हक व अधिकार के लिए पढ़ो और लड़ो का नारा दिया। हुड़का जाम आंदोलन से कुरमी जाति को एसटी सूची में शामिल करने को लेकर केंद्र सरकार पर दबाब बनेगा। बोकारो जिले से अधिक से अधिक लोग दिल्ली पहुंचकर आंदोलन में भाग लेंगे। इस मौके पर संयोजक लालचन महतो, अधिवक्ता सुरेश महतो, परमेश्वर महतो, धनेश्वर महतो, नरेश महतो, हरखलाल महतो, चिंतामणि महतो, सेवा महतो, लालमोहन महतो, मुखिया धनेश्वर महतो, प्रभुदयाल महतो, नवीन महतो, देवनारायण महतो, पीआर महतो, राजेन्द्र महतो, माथुर महतो, द्वारिका महतो आदि थे।

एनएसयूआइ जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न, कमेटी का हुआ विस्तार

धनबाद (आजाद सिपाही)। एनएसयूआइ धनबाद जिला की कार्यकारिणी की रविवार को बैठक हुई। जिसका संचालन जिला महासचिव सूरज ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष सैयद आमिर हाशमी, जिलाध्यक्ष गोपाल कृष्णा चौधरी, प्रोफेशनल कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रोफेसर डीके सिंह उपस्थित हुए। प्रदेश अध्यक्ष आमिर हाशमी द्वारा जिला कमेटी का पुनर्गठन किया गया और रवि पासवान को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा रोहित पाठक और सोनू पासवान को महासचिव नियुक्त किया गया। जिला सचिव के पद पर अकाश प्रमाणिक, मनीष झा, आयुष सिंह, बाबू कुमार, शिवम रवानी और आशीष सिंह को दायित्व दिया गया। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों के विषय और एजेंडे पर चर्चा की गई साथ ही आने वाले दिनों में एनएसयूआई द्वारा छात्रों को जोड़ने के लिए सदस्यता मुहिम को पुनः शुरू करने का निर्णय लिया गया। कॉलेज स्तर पर हेल्पलाइन जारी की जाएगी। यूथ फेस्टिवल में छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी प्रयास किया जाएगा। जिला कार्यकारिणी बैठक में जिला अध्यक्ष गोपाल कृष्णा चौधरी, उपाध्यक्ष रवि पासवान, महासचिव दानिश रजा, रोहित पाठक, सूरज कुमार, सोनू पासवान, सचिव आयुष सिंह, आकाश प्रमाणिक, बाबू कुमार, आरएसपी कॉलेज अध्यक्ष देवेंद्र पासवान, उपाध्यक्ष संजय तिवारी, पीके रॉय कॉलेज अध्यक्ष राज रंजन सिंह, उपाध्यक्ष अमन प्रसाद, रोशन कुमार, रोहित कुमार, आरएस मोर कॉलेज से अध्यक्ष मोइन अंसारी, उपाध्यक्ष फिरोज अंसारी, कतरास कॉलेज से अध्यक्ष सिंकु खान, उपाध्यक्ष साहिल खान, गुरु नानक कॉलेज से अध्यक्ष सनी सिंह, उपाध्याय धनराज, बीएसके मैथन कॉलेज से आतिश कुमार गोप सम्मिलित हुए।

जिला प्रशासन के सहयोग से समाजसेवी रवि रवानी ने जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटा

झरिया (आजाद सिपाही)। बढ़ते ठंड को लेकर जिला प्रशासन के सहयोग से रविवार को झरिया चौथाई कुल्ही में समाजसेवी रवि रवानी की ओर से जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। लोगों ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। समाजसेवी रवि रवानी ने कहा कि ठंड का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। झरिया अंचलाधिकारी प्रमेश कुशवाहा और राजस्व उप निरीक्षक के सहयोग से कंबल उपलब्ध कराया गया है, जिसे क्षेत्र के जरूरतमंदों के बीच वितरित किया गया। उन्होंने अपील की कि ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को यथा संभव सहायता करें। किसी भी माध्यम से उन्हें राहत मिले ऐसी व्यवस्था जरूर करें। इस मौके पर रवि आजाद, सज्जाद मंसूरी, पवन रवानी, सुनील रवानी, दिलीप रवानी, पप्पू खान, सुमन रवानी, शेखर, चंदन शर्मा और विनोद वर्मा आदि उपस्थित थे।

फेस-2 सीटू कार्यालय में निजी सुरक्षा कर्मियों की बैठक

बोकारो थर्मल (आजाद सिपाही)। सीसीएल के खास महल परियोजना में मेसर्स केएसएमएलजेव्ही कंपनी के अधीन एक वर्ष से कार्यरत निजी सुरक्षा सुरक्षा कर्मियों की बैठक रविवार को फेज- टू स्थित सीटू कार्यालय में हुई। जिसकी अध्यक्षता जैनुल आवेदिन ने की। बैठक में उपस्थित सुरक्षा कर्मियों ने असंतोष प्रकट करते हुए कहा कि हमलोगों ने संबंधित सुरक्षा कर्मी न्यूनतम वेतन और परिचय प्रमाण पत्र के लिए मुख्य नियोजक खास महल परियोजना के समक्ष मांग रखे तो प्रबंधन ने सकारात्मक पहल दिखाई। गत सप्ताह उप प्रबंधक (कार्मिक) एके के ओसीपी ने वार्ता बुलाई और मांगो को पूरा कराने का आश्वासन दिया। पर एक दिसंबर से सुरक्षा कर्मियों की हाजिरी जिस तरह से एके के ओसीपी के सुरक्षा प्रभारी द्वारा ली जाती थी अब बंद कर दी गयी है जो अन्याय व गैरकानूनी है। इस लिए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हाजिरी नहीं बनाने संबंधी शिकायत परियोजना पदाधिकारी एके के ओसीपी को लिखीत की जाएगी।

जिस तेजी से जनसंख्या बढ़ रही सरकारों को नौकरी देना हो जायेगा मुश्किल

स्वरोजगार से जुड़ कर दूसरों के लिए रोजगार सृजन करना हो मुख्य उद्देश्य : बिरंची नारायण

आजाद सिपाही संवाददाता

स्वदेशी मेला कार्यालय का उद्घाटन करते विधायक बिरंची नारायण व अन्य।

बोकारो। स्वदेशी जागरण मंच बोकारो की ओर से 18 से 25 जनवरी तक आयोजित होने वाले 19 वें इस्पातांचल स्वदेशी मेला कार्यालय का उद्घाटन सिटी सेंटर 4 में विधिवत शुरू हो गया है। उद्घाटन बोकारो विधायक बिरंची नारायण व बोकारो चेंबर के संरक्षक संजय वैद्य ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का संचालन दिलीप वर्मा ने किया। मंच के क्षेत्रीय संयोजक सचिंद्र कुमार बरियार ने कहा कि हर वर्ष करोड़ो बेरोजगार पैदा हो रहे हैं। इतने युवाओं को रोजगार देना किसी सरकार के बस की बात नहीं है। इसलिए युवाओं को स्वावलंबन की दिशा में पहल करनी चाहिए व स्वरोजगार से जुड़कर दूसरों के लिए रोजगार सृजन का जरिया बनने का प्रयत्न करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बार स्वदेशी मेला अखिल भारतीय स्वावलंबन अभियान को ध्यान में रखते हुए युवाओं के लिए बेहद खास होगा। वहीं, विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि भगवान का शुक्र है कि दो वर्षों बाद पुणे मेला का आयोजन होने जा रहा है। इस मेले को सार्थक और भव्य बनाने के लिए कृषि विभाग, पशुपालन व उद्योग विभाग आदि को आमंत्रित कर युवाओं से सीधा संवाद करने की आवश्यकता है, ताकि आज की युवा स्वावलंबन की दिशा में बेहतर कार्य कर सकें। इस मौके पर संजय वैद्य, कुमार संजय, के-के बोराल, अरविंद सिंह, विवेकानंद झा, प्रेम प्रकाश, अवधेश कुमार, सौरव जायसवाल, शशांक शेखर, नवीन सिन्हा, प्रमोद कुमार सिन्हा, जयशंकर प्रसाद, प्रवीण चौधरी, मनीष श्रीवास्तव और बीपी सिंह आदि उपस्थित थे।

छूटे हुए किसान जल्द करें मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना में पंजीकरण : श्यामल गोस्वामी

जरीडीह/बेरमो। झारखंड सरकार की ओर से किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजनाएं चलाई जा रही है। जिसके तहत राज्य के सभी किसान परिवार जो सूखे से प्रभावित हैं, उन्हें 3500 रुपए की प्रारंभिक सूखा राहत राशि प्रदान की जाएगी। इस योजना के माध्यम से राज्य के लगभग 30 लाख प्रभावित किसान परिवारों को लाभ दिया जाएगा। इस बाबत बोकारो पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के जिला अध्यक्ष श्यामल कुमार गोस्वामी ने कहा कि योजना की शुरूआत में पोर्टल के सर्वर में समस्या आ रही थी जो अब ठीक हो गई। छूटे हुए किसान अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र पहुंच कर अविलंब योजना में पंजीकरण कराकर लाभ उठाएं।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 05 दिसंबर, 2022
www.azadsipahi.com

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री ने किया एम्स भुवनेश्वर का दौरा

एम्स भुवनेश्वर अगले साल से ई-अस्पताल कार्यान्वियन शुरू करेगा : डॉ भारती प्रवीण

- परिसर में मल्टीयूटिलिटी बिल्डिंग का उद्घाटन किया
- बेहतर स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए संगठित रोगी रेफरल सेवा प्रणाली पर बल दिया
- गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदान करने के लिए की एम्स भुवनेश्वर की सराहना

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ भारती प्रवीण पवार ने रविवार को एम्स भुवनेश्वर का दौरा किया। राष्ट्रीय संस्थान की अपनी पहली यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री डॉ पवार ने एम्स भुवनेश्वर के परिसर में एक बहुउपयोगी भवन का उद्घाटन किया। यह भवन विभिन्न कल्याण सुविधाओं के काम आयेगा। अपने दौरे के दौरान डॉ पवार, एम्स भुवनेश्वर के कार्यकारी निदेशक डॉ आशुतोष बिस्वास की उपस्थिति में, संकाय सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों ने संस्थान की व्यापक कार्य प्रणाली पर व्यापक समीक्षा बैठक की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री ने हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेक इरादों पर प्रकाश डाला, जिन्होंने सभी के लिए सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य देखभाल के साथ एक स्वस्थ भारत की कल्पना की थी। विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए एम्स भुवनेश्वर के प्रयासों की सराहना करते हुए डॉ पवार ने विभिन्न सेवाओं के लिए दैनिक भारी भीड़ और रोगी प्रतीक्षा समय को संबोधित करने के लिए विभिन्न उपायों का सुझाव दिया। उन्होंने आगे स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रणाली के विभिन्न स्तरों पर एक संगठित रोगी रेफरल सेवा प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। इस प्रकार के मजबूत रोगी रेफरल मानदंड का निर्माण करने के लिए देश भर में एक ध्वनि रेफरल प्रणाली के माध्यम से महामारी के दौरान प्रभावी कोविड प्रबंधन के उदाहरण का हवाला देते हुए एम्स और अन्य राज्य द्वारा संचालित स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों के बीच एक सहयोगी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने एम्स के विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान, भर्ती, वित्तीय और अन्य पहलुओं की समीक्षा भी की।

केंद्रीय मंत्री डॉ पवार ने पीइटी-सीटी, इएसडब्ल्यूएल, सीएसएसडी, एचइएलए आदि जैसी कुछ अत्याधुनिक सुविधाओं का भी दौरा किया और ओडिशा और पड़ोसी राज्यों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए संस्थान की सराहना की। उन्होंने गुर्दा प्रत्यारोपण सेवाएं शुरू करने के लिए एम्स भुवनेश्वर की भी सराहना की और उन्हें अन्य प्रत्यारोपण सेवाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अपनी यात्रा की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री का कार्यकारी निदेशक डॉ आशुतोष बिस्वास ने स्वागत किया और जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ पवार ने परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री के दौरे के दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉ एसएन मोहंती, डीन डॉ पीआर महापात्र, डीडीए रश्मि रंजन सेठी, एफए पीके साहू, एसइ केपी मिश्रा, रजिस्ट्रार बीबी मिश्रा, विभिन्न विभागों के प्रमुख, संकाय सदस्य आदि उपस्थित थे।

श्री जगन्नाथ प्रेमी को ठेस पहुंचाने के लिए यूट्यूबर अनिमेष ने मांगी माफी

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। पुरी श्रीमंदिर के अंदर की तस्वीरें सामने आने के बाद अब ड्रोन नो फ्लाई जोन में उड़ रहे हैं। ऐसे में मंदिर की सुरक्षा को लेकर कई तरह के सवाल उठते रहे हैं। कुछ दिन पहले श्रीमंदिर के भीतरी काठ के पास पर तस्वीरें लेने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया था। अब फिर से एक बंगाली यूट्यूबर ने श्रीमंदिर के ऊपर ड्रोन उड़ाया है। यूनिफाएड अनिमेष के नाम से एक सोशल मीडिया अकाउंट से 5 मिनट 43 सेकंड का एक वीडियो शेयर किया गया था। वीडियो में श्रीमंदिर की सारे मैपिंग दिखायी गयी है। श्रीमंदिर नीलचक्र से सिंहद्वार तक की लोकेशन कैमरे में कैद हुई है। वीडियो वायरल मामले को लेकर सिंहद्वार थाने में एफआइआर दर्ज किया गया। वीडियो अपलोड करने वाली बंगिय यूट्यूबर ने माफी मांगी है। यूट्यूबर अनिमेष ने नो-फ्लाई जोन में ड्रोन उड़ाने के लिए सबसे पहले भगवान श्रीजगन्नाथ से माफी मांगी है।

पद्मपुर उपचुनाव आज, 319 बूथों पर होगा मतदान

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही) । पद्मपुर उपचुनाव सोमवार को है। पद्मपुर के मतदाता मतदान कर अपनी पसंद का नेता चुनेंगे। आठ तारीख को मतगणना के बाद नतीजे आयेंगे। पद्मपुर चुनाव को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष कराने के लिए व्यापक इंतजाम किये गये हैं। जिलापाल ने बताया कि निर्वाचन क्षेत्र में 319 बूथ होंगे। तीन प्रखंडों में 74 अति संवेदनशील, 52 संवेदनशील, छह पिंक बूथ एवं 10 मॉडल बूथ हैं। चुनाव के लिए अधिक केंद्रीय बल तैनात किये जायेंगे। माओवादी प्रभावित इलाकों के लिए अर्धसैनिक बल पहुंच गये हैं। उन्हें अतिसंवेदनशील, संवेदनशील बूथ में अंजाम दिया जायेगा। अंतर राज्यीय बोर्ड की समन्वय बैठक भी समाप्त हो गयी है। बरगड जिलापाल और एसपी ने लोगों से अपील की है कि वे अपने अधिकारों का प्रयोग करें और शांति के साथ मतदान करें।

आइआइटी भुवनेश्वर कैंपस प्लेसमेंट 2022-23 की हुई शानदार शुरुआत

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। आइआइटी भुवनेश्वर में प्लेसमेंट 2022-23 1 दिसंबर से शुरू हुआ। कैंपस स्थापना में कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने भाग लिया। अधिकतम पैकेज लगभग 55 लाख रुपये प्रति वर्ष है, जबकि औसत सीटीसी लगभग 20 एलपीए है। करीब 146 छात्रों की नियुक्ति हो चुकी है। आइआइटी भुवनेश्वर के छात्रों को कुछ अंतरराष्ट्रीय ऑफर भी दिये गये थे। इंटर्नशिप लेने वाले कई छात्रों को भी काम पर रखा गया और पूर्व-रोजगार प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिसने इंटर्नशिप को पूर्णकालिक नौकरी में बदल दिया। नियुक्ति पक्रिया मार्च 2023 तक जारी रहेगी। आइआइटी भुवनेश्वर

के निदेशक प्रो श्रीपद करमलकर ने शानदार पर प्रसन्नता व्यक्त की। कैंपस प्लेसमेंट में छात्रों का प्रदर्शन उन्होंने विशेष रूप से कई कंपनियों का उल्लेख किया। विशेष रूप से कुछ अनूठी नौकरी भूमिकाओं के लिए छात्रों को नियुक्त किया। करियर विकास प्रकोष्ठ हाल की चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बावजूद नयी ऊंचाइयों को छूने का आत्मविश्वास दिखाया। करियर डेवलपमेंट सेल के प्रभारी प्रोफेसर डॉ अरुण कुमार प्रधान ने दोहराया कि वैश्विक मंदाबस्ता और कई बड़ी कंपनियों की भर्ती योजनाओं को प्रभावित करने वाली कोविड के बाद की चुनौतियों के बावजूद आइआइटी भुवनेश्वर को शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियों और निगमों से सर्वश्रेष्ठ प्रस्ताव मिले हैं। प्लेसमेंट के हाइब्रिड मॉडल की ओर बढ़ने से निश्चित रूप से कैंपस प्लेसमेंट में एक नया चलन शुरू होगा, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि दुनिया भर में असामान्य स्थिति के बावजूद नियमित भर्तीकर्ता अभी भी कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प चुनते हैं।

वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल का स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निमंत्रण पर मेक इन ओड़िशा कॉन्क्लेव 2022 में भाग लेने के लिए भुवनेश्वर के दौरे पर हैं। मेक इन ओड़िशा में भाग लेने के अपने कार्यक्रम के अलावा श्री अग्रवाल ने ओड़िशा के साथ एक अद्वितीय बातचीत सत्र में भाग लिया। पहले प्रतिष्ठित व्यक्तित्व मंच जिसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, नृत्य, संगीत, साहित्य, खेल आदि जैसे उत्कृष्टता के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली 19 प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल थीं।

श्री अग्रवाल ने लोगों को संबोधित करते हुए उनके निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि वे राज्य की प्रगति और विकास में अपनी भागीदारी को और बढ़ायेंगे।

ओडिशा पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री प्राप्त करने वाले पद्म विभूषण हरिप्रसाद चौरसिया विश्व प्रसिद्ध बांसुरी वादक, पद्म विभूषण सुदर्शन साहू, स्टोन आर्टिस्ट पद्म भूषण प्रतिभा राय, प्रख्यात ओड़िआ कवि और लेखक प्रमोद भगत सहित 7 प्रतिष्ठित व्यक्तित्व पैरालिंपिक के स्वर्ण पदक विजेता, पद्मश्री दिलीप तिर्की ने हॉकी खिलाड़ी और भारतीय हॉकी संघ के अध्यक्ष, पद्मश्री गुरु अरुणा महांती प्रमुख शास्त्रीय ओड़िसी प्रतिपादक और ओड़िशा संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष, पद्मश्री इलियाना सितारिस्टी प्रतिष्ठित ओड़िसी ड्यानसर, पद्मश्री प्रभाकर महाराणा स्टोन आर्टिस्ट, डॉ एके महापात्र पूर्व निदेशक एम्स और वर्तमान कुलपति सोआ विश्वविद्यालय, डॉ दामोदर आचार्य प्रख्यात टेक्नोक्रेट और पूर्व निदेशक आइआइटी, नंदिता दास प्रसिद्ध अभिनेत्री, प्रो सुधाकर पंडा पूर्व सदस्य राज्य वित्त आयोग, आरती देवी प्रतिष्ठित सामाजिक कर्मी, लेफ्टिनेंट जनरल जेके महांती न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त), बीके मिश्र राज्य मानवाधिकार, सीके परिडा पूर्व अध्यक्ष निदेशक-किट इंटरनेशनल स्टडी सेंटर, ओड़िआ सुपरस्टार सब्यसाची मिश्र, स्वामी शिवानंद संगठन के स्वामी जगदानंद, एके दास पूर्व निदेशक भाबा परमाणु अनुसंधान केंद्र उपस्थित थे। ओड़िशा प्रथम फोरम के अध्यक्ष हरिप्रसाद चौरसिया ने अनिल अग्रवाल का ओड़िशा राज्य में भव्य स्वागत किया और राज्य के औद्योगिक विकास में उनके योगदान की सराहना की।

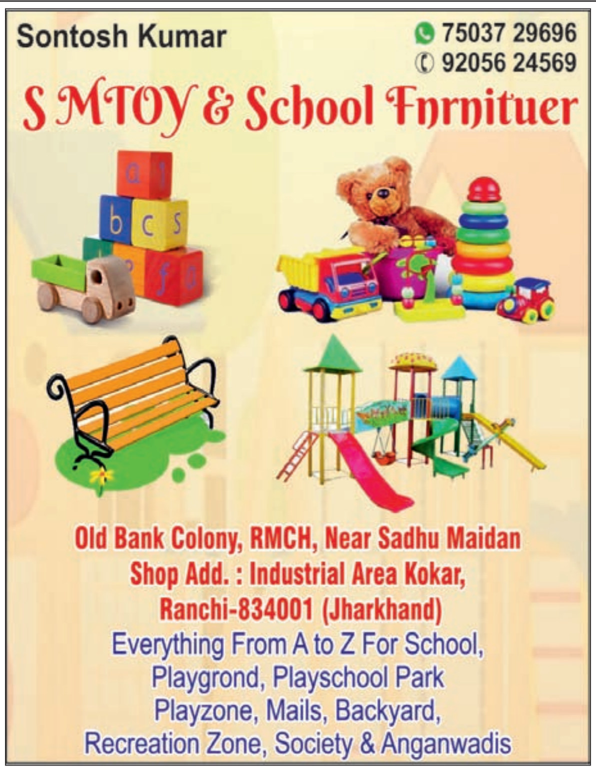

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. RN/249/2019-21